केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले साजिश के तहत हो रहा जनसांख्यिकीय परिवर्तन - 12

अमेरिकी शुल्क से पहले शेयर बाजार धड़ाम, चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 81000 के नीचे आया- 12

एससीओ घोषणापत्र में आतंकवाद की निंदा की कोशिशों में जुटा भारत - 13

चोट के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार सूर्यकुमार - 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

28.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.46

सूर्यास्त 06.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:44 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 27 अगस्त 2025, वर्ष 4, अंक 7, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

पिक्सल व ध्रुव स्पेस प्रक्षेपित करेंगे उपग्रह

नई दिल्ली। बेंगलुरु से संचालित अंतरिक्ष स्टार्टअप पिक्सल स्पेस मंगलवार रात स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के माध्यम से तीन नये हाइपरस्पेक्ट्रल पृथ्वी छायाचित्र उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। यह प्रक्षेपण 'फायरफ्लाई' मिशन के पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने का संकेत है जो भारत का निजी पृथ्वी छायाचित्र उपग्रह समूह है। 'सेटेलाइट कॉन्स्टेलेशन' एक ऐसा नेटवर्क है जिसमें कई उपग्रह एक ही मिशन या उद्देश्य के लिए अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं। जैसे कि धरती की निगरानी, इंटरनेट सेवा, मौसम की जानकारी और जीपीएस आदि के लिए। हैदराबाद स्थित ध्रुव स्पेस भी पहले व्यावसायिक लीप-01 मिशन को प्रक्षेपित कर रहा है। यह प्रक्षेपण भी फाल्कन-9 रॉकेट से ही किया जाएगा।

हथियार तस्कर गिरफ्तार 5 पिस्तौल जब्त

चंडीगढ़। सीमा पार से हथियार तस्करी कर भारत लाने के एक संदिग्ध को पंजाब के अमृतसर में गिरफ्तार किया गया। उसके पास से पांच पिस्तौल और चार मैगजीन बरामद की गई है। राज्य के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि शुरुआती जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी अपने सहयोगी गुरप्रीत सिंह उर्फ गिन्नी के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में था, जो पंजाब में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने के लिए हथियारों की खेप भेज रहे थे।

1.77 करोड़ की शराब जब्त, दो गिरफ्तार

कोल्हापुर। महाराष्ट्र में राज्य आबकारी विभाग कोल्हापुर संभाग ने मंगलवार तड़के कोल्हापुर-रत्नागिरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पडलवाड़ी में एक ट्रक से 1.77 करोड़ रुपये मूल्य की गोवा निर्मित विदेशी शराब की एक बड़ी खेप जब्त की। एक गुप्त सूचना के आधार पर एसईडी के भरारी दस्ते ने आयशर ट्रक को रोका और जांच करने पर उसमें से गोवा निर्मित शराब की 1,400 पेटियां बरामद कीं। शराब और वाहन को ज़ब्त कर लिया गया है और बरामद माल की कुल कीमत 1,77,84,000 रुपये आंकी गई है। इस मामले में शैलेश जाधव और वासुदेव मुंडे नामक दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

माओवादी को बीमार पिता से मिलने को बेल

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले के आरोपी रमेश गाइचोर को अपने बीमार पिता से मिलने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार होने के बाद वह पिछले पांच वर्षों में अपने बीमार पिता से मिलने नहीं जा सका। न्यायमूर्ति एएस. गडकरी और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की पीठ ने 25,000 रुपये की नकद जमानत राशि जमा कराने के बाद गाइचोर को तीन दिन के लिए जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि रमेश गाइचोर प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) समूह का सदस्य था। पुणे में 31 दिसंबर, 2017 को एल्गार परिषद सम्मेलन में भड़काऊ भाषण देने पर गाइचोर और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

जम्मू में बारिश से तबाही, वैष्णो देवी में 7 और डोडा में 4 की मौत

अर्धकुंआरी में भूस्खलन की घटना के बाद टाली गई यात्रा, बचाव कार्य तेज

जम्मू/श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू क्षेत्र में मंगलवार को भारी बारिश और नदियों के उफान पर होने से पानी के वेग से रास्ते में आने वाली हर चीज तहस-नहस हो गई और चट्टान, पेड़ और पत्थर ढलानों से नीचे गिर पड़े। जम्मू क्षेत्र में 11 लोगों की मौत हो गई जिनमें 7 तीर्थयात्रियों की मौत वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आने से हुई जबकि 4 डोडा जिले में हुई। लगातार भारी बारिश ने न केवल जम्मू में तबाही मचाई, जहां अचानक बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई, बल्कि कश्मीर घाटी में भी।

बारिश से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा, पुल ढह गए, मोबाइल टावर और बिजली के खंभे टूट गए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के बड़े हिस्से में दूरसंचार सेवाएं ठप हो गईं, जिससे लाखों लोगों का संचार संपर्क टूट गया और समस्याएं बढ़ गईं। उन्होंने बताया कि जम्मू-श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात निलंबित कर दिया गया और दर्जनों पहाड़ी सड़कें भूस्खलन या अचानक आई बाढ़ के कारण अवरुद्ध या क्षतिग्रस्त हो गईं।

जम्मू के भगवती नगर में चौथे तवी पुल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से फंसे वाहन और वैष्णोदेवी मार्ग पर बचाव कार्य में जुटे जवान।

कटरा, उधमपुर और जम्मू आने-जाने वालीं 18 ट्रेनें रद्द

जम्मू क्षेत्र में लगातार भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे ने मंगलवार को कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 18 रेलगाड़ियां रद्द कर दी हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया किचार ट्रेनों को बीच में ही रोक दिया गया है। जम्मू क्षेत्र में सोमवार रात से भारी बारिश हो रही है, जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, संपर्क बाधित हुआ है।

रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ जिसकी चपेट में आने से 7 लोगों की मौत हो गई जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। मृतक संख्या बढ़ सकती है। अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुआरी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल जुटे हुए हैं और कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन कटरा शहर से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते में हुआ। मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं। हिमकोटि मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन पुराने रास्ते पर अपराह्न 1.30 बजे तक यात्रा जारी रही, बारिश के मद्देनजर इस मार्ग से भी यात्रा स्थगित करने का फैसला लिया गया। वैष्णो देवी के दर्शन को गया मुजफ्फरनगर का एक परिवार भूस्खलन में दब गया जिसमें उनके इकलौते बेटे की मौत हो गई वहीं दर्शन करने गया आगरा का एक युवक भी लापता है।

आज से 50% ट्रंप टैरिफ

अतिरिक्त शुल्क से 48 अरब डॉलर का निर्यात होगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू करने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है, अतिरिक्त टैरिफ से अमेरिका को भारत के 48 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के निर्यात पर असर पड़ेगा। भारत पर अब कुल अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत हो जाएगा।

अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर वर्तमान में 25 प्रतिशत शुल्क पहले से ही लागू है। रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद के कारण 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को 'ईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है। बशर्ते कि उन्हें देश में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई हो या 17 सितंबर, 2025 को 12:01 बजे (ईडीटी) से पहले उपभोग के लिए गोदाम से बाहर ले जाया गया हो और आयातक ने एक विशेष 'कोड' घोषित करके अमेरिकी सीमा शुल्क को यह प्रमाणित किया हो। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है जिसे 50 प्रतिशत आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

नोटिफिकेशन किया जारी

रूसी तेल बेचकर लाभ लेने का लगाया आरोप : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर रूसी तेल को दोबारा बेचकर मुनाफाखोरी करने का आरोप लगाया है। भारत ने छह अगस्त को कहा था कि अमेरिकी कार्रवाई अनुचित, और अविवेकपूर्ण है।

यह उद्योग होंगे प्रभावित

टैरिफ से ज्वेलरी, टेक्सटाइल, ऑटो, सीफूड सेक्टर की इंडस्ट्रीज का मुनाफा घट सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर अमेरिका के साथ ट्रेड डील नहीं होती है या टैरिफ कम नहीं होता है तो 48.2 अरब डॉलर के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा।

इन पर नहीं होगा असर

टैरिफ का असर आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री पर नहीं होगा। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स को सेक्शन 232 के तहत छूट मिली है। जब तक इसकी घोषणा नहीं होती तब तक अमेरिका को निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

प्रदेश में कार्य करने वाले युवाओं को न्यूनतम वेतन की गारंटी : योगी

मुख्यमंत्री का एलान, नियोक्ता कंपनियों के अतिरिक्त चार्जेज वहन करेगी सरकार

रोजगार महाकुंभ

- नौकरी देने के साथ नई टेक्नोलॉजी की मांग के अनुरूप ट्रेनिंग और कोर्स भी तय होंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कार्य करने वाले प्रत्येक युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी जाएगी। कोई भी कंपनी या नियोक्ता कर्मचारी का शोषण नहीं कर पाएगा। नियुक्ति देने वाली कंपनियां अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करेंगी, जबकि इसके अतिरिक्त चार्जेज की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

वे मंगलवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय 'रोजगार महाकुंभ 2025' का उद्घाटन करने के बाद भारी संख्या में नौकरी के लिए आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज यूपी की प्रतिभा की मांग देश-दुनिया में हो रही है, और जो प्रदेश कभी रोजगार के लिए पलायन का दंश झेलता था, आज वही रोजगार उपलब्ध करा रहा है। यह परिवर्तन बीते 8 वर्षों में हुए सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है। योगी ने कहा कि हर युवा को उसकी योग्यता के अनुसार काम मिलना जरूरी है। जहां अवसर मिला, वहां इन युवाओं ने अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से लोहा मनवाया है। उन्होंने एक जिला एक उत्पाद योजना की चर्चा करते हुए कहा कि एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख इकाईयां 90 प्रतिशत लोगों को रोजगार दे रही हैं। रजिस्ट्रेशन कराते ही उद्यमियों को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा कवर मिलता है। प्रत्येक यूनिट 2 से 10 युवाओं को रोजगार दे रही हैं, तो लाखों-करोड़ों लोग काम पा रहे हैं।

लखनऊ में आयोजित रोजगार महाकुंभ में एक युवा को नियुक्ति पत्र देते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री ने दिए 15 युवाओं को नियुक्ति पत्र

रोजगार महाकुंभ में मुख्यमंत्री योगी ने 15 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए। इनका चयन यूपीई और अन्य विदेशी कंपनियों ने किया है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि कुल 1 लाख से अधिक पंजीकरण, 50 हजार नौकरियों के अवसर और 15 हजार अंतर्राष्ट्रीय रिक्तियों पर चयन होना है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जापान और जर्मनी में भी प्लेसमेंट होंगे। इसी तरह 35 हजार घरेलू अवसर देश की अग्रणी कंपनियों से उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार महाकुंभ में 100 से अधिक भर्ती साझेदार भाग ले रहे हैं, जिनमें 20 अंतर्राष्ट्रीय भर्तीकर्ता हैं। यहां 10 हजार से अधिक ऑफर लेटर जारी किए जाएंगे, जिनमें से 2 हजार से अधिक विदेशी प्लेसमेंट के लिए होंगे।

नौसेना में शामिल हुए युद्धपोत उदयगिरि और हिमगिरि

विशाखापत्तनम। देश की समुद्री मारक क्षमताओं को बढ़ाते हुए मंगलवार को दो बहुउद्देशीय स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया गया। ये पोत आठ ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस हैं और इन्हें स्वदेशी निर्माताओं द्वारा विकसित उन्नत हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पूर्वी नौसेना कमान में दो अत्याधुनिक प्रोजेक्ट 17ए के तहत बने स्टील्थ फ्रिगेट्स को शामिल किया गया।

- दोनों ब्रह्मोस मिसाइलों व उन्नत हथियारों से लैस

आईएनएस उदयगिरि : प्रोजेक्ट 17ए के इस दूसरे जहाज का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डाक शिप बिल्डर्स लि. ने किया। | **आईएनएस हिमगिरि :** गार्डन रिच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता द्वारा निर्मित पी17ए प्रोजेक्ट का यह पहला जहाज है।

शाहरुख, दीपिका के खिलाफ मामला दर्ज

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के मथुरा गेट थाने में मंगलवार को पुलिस ने अभिनेता शाहरुख खान, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। यह मामला हुंडई कंपनी की एक कार के विज्ञापन में उपभोक्ताओं को कथित तौर पर कार निर्माण के दौरान कमियों के बारे में जानकारी नहीं देने से जुड़ा है। इस संबंध में भरतपुर के कीर्ति सिंह की ओर से यह इस्तगासा दाखिल किया गया था।

- कार के विज्ञापन में गुमराह करने का आरोप

सौरभ भारद्वाज के ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

अस्पताल निर्माण घोटाला

- ईडी ने आप नेता के घर सहित 13 अन्य के परिसरों की पड़ताल की

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन जांच के तहत पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 13 स्थानों पर छापेमारी की गई। इनमें दक्षिण दिल्ली स्थित भारद्वाज का घर और केजी मार्ग तथा पश्चिम पटेल नगर स्थित कुछ निजी ठेकेदारों और वाणिज्यिक रियल एस्टेट डेवलपर्स के आवास एवं कार्यालय शामिल हैं।

आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भारद्वाज (45) के खिलाफ ईडी की जांच जून में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से सामने आई है। एसीबी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार द्वारा स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के आरोप में भारद्वाज, उनकी पार्टी के सहयोगी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, निजी ठेकेदारों और अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एसीबी की शिकायत में परियोजना बजट में हेरफेर, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग और निजी ठेकेदारों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया गया है जिसमें कहा गया है कि 2018 से 2019 के दौरान 5,590 करोड़ रुपये की 24 अस्पताल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, ये परियोजनाएं काफी हद तक अधूरी रहीं और लागत में भारी एवं बेहिसाब वृद्धि हुई।

भविष्य की सैन्य चुनौतियों से निपटने को सशस्त्र बलों में तालमेल जरूरी

महू (मप्र), एजेंसी

- आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित रण संवाद में बोले सीडीएस
- वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र को बताया ढाल और तलवार

भविष्य की सैन्य चुनौतियों से निपटने के लिए सभी सशस्त्र बलों के तालमेल और तकनीकों के एकीकरण पर बल देते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भारत की प्रस्तावित वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र का संभावित खाका पेश किया।

जनरल चौहान ने कहा कि सुदर्शन चक्र से सेंसरों, मिसाइलों, निगरानी उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरणों को बड़े पैमाने पर जोड़ा जाएगा और यह प्रणाली ढाल और तलवार दोनों की तरह काम करेगी। सीडीएस ने सैन्य छावनी महू के आर्मी वॉर कॉलेज में तीनों सेनाओं की संयुक्त रक्षा संगोष्ठी रण संवाद 2025 में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही। उन्होंने इशारा किया कि भारत की सुदर्शन चक्र प्रणाली इजराइल के उस सर्वकालिक वायु रक्षा तंत्र आयरन डोम की तर्ज पर होगी जिसे बेहद प्रभावशाली सैन्य कवच माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में सुदर्शन चक्र की 10 वर्षीय महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की थी। इसके बाद सेना की ओर से पहली बार इस परियोजना के बारे में टिप्पणी की गई है। इस परियोजना को वर्ष 2035 तक अमली जामा पहनाए जाने की योजना है।

खगोलीय घटना

7 सितंबर को लगने जा रहा पूर्ण चंद्रग्रहण, भारत समेत दुनिया के कई हिस्सो में दिखाई देगा

चंद्रग्रहण इस बार होगा खास, लाल नजर आएगा चांद

संवाददाता, नैनीताल

- 2022 के बाद होगा सबसे लंबी अवधि वाला ग्रहण

अमृत विचार : आगामी 7 सितंबर की रात लगने जा रहा चंद्रग्रहण खास होगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा और ग्रहण के दौरान चन्द्रमा लाल रंग में रंगा नजर आएगा। यह ग्रहण भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में देखा जा सकेगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डॉ. शशिभूषण पांडेय ने बताया कि वर्ष 2022 के बाद का सबसे लंबी अवधि वाला चंद्र ग्रहण होगा। वैज्ञानिकों ने इस ग्रहण को ब्लड मून नाम दिया है। ग्रहण के दौरान चन्द्रमा लाल रंग में नजर आएगा। भारत में ग्रहण 7 सितंबर की रात 8:58 बजे से लगना शुरू होगा, जो उपछाया वाला होगा। इस दौरान पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़नी शुरू हो जाएगी, लेकिन दिखाई नहीं देगी। इसके ठीक एक घंटे बाद 9:58 बजे छाया वाला ग्रहण दिखना शुरू हो जाएगा, जो रात 1:25 बजे तक ग्रहण की छाया में लिपटा रहेगा। इसके बाद पुनः उपछाया वाला ग्रहण होगा, जो रात 2:25 बजे तक जारी रहेगा। इसके बाद चंद्रमा पृथ्वी की छाया से मुक्त हो जाएगा। पूर्ण चंद्रग्रहण रात 11 बजे नजर आएगा। यह अद्भुत खगोलीय घटना होगी।

चंद्रग्रहण के दौरान होता है ब्लड मून

नैनीताल। वैज्ञानिक डॉ. पांडेय के अनुसार ब्लड मून की स्थिति चंद्रग्रहण के दौरान बनती है। इस दौरान सूर्य, पृथ्वी और चन्द्रमा एक सीध में आ जाते हैं और सूर्य की रोशनी पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुजरती है, जो नीली रोशनी को विखंडित कर लाल रंग में तब्दील कर देती है और चन्द्रमा लाल रंग में रंगा नजर आता है। इस तरह की स्थिति पृथ्वी पर सूर्योदय व सूर्यास्त के दौरान नजर आती है।

भारत समेत इन देशों में दिखाई देगा ग्रहण

नैनीताल। यह वर्ष का दूसरा चंद्रग्रहण है, जो भारत, चीन, रूस, अरब देशों के अलावा पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका और यूरोप के कई देशों से देखा जा सकेगा। इस ग्रहण को नासा समेत कई स्पेस एजेंसियों के अलावा खगोलीय घटनाओं से जुड़े कुछ निजी संस्थान भी इसे ऑनलाइन दिखाने जा रहे हैं।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 27 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

पांच आईपीएस के कार्यक्षेत्र बदले

लखनऊ। प्रदेश में मंगलवार को पांच वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया गया है। यूपी पॉवर कारपोरेशन लि. के डीजी एमके बशाल को पुलिस महानिदेशक/महासमादेष्टा होमगार्ड के पद पर तैनात किया गया। वहीं एडीजी जय नारायण सिंह को पॉवर कारपोरेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी तैनाती पीटीसी सीतापुर के एडीजी के पद पर थी। इसी तरह एडीजी प्रशांत कुमार को प्रशासन के साथ मुख्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईजी पीएसी उपेंद्र कुमार अग्रवाल को अभिसूचना के पद पर तैनाती दी गई। प्रतीक्षारत आईजी सतेंद्र कुमार को पीएसी आगरा अनुभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्व वसूली में कमी पर दो मुख्य अभियंता हटाए

लखनऊ। राजस्व वसूली में काफी पीछे होने व क्षेत्रों में लाइन हानियां बढ़ने पर गाजियाबाद प्रथम व कानपुर-द्वितीय के मुख्य अभियंताओं को उनके पदों से हटा दिया गया। इन अधिकारियों को शक्ति भवन मुख्यालय से सम्बद्ध किया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष मंगलवार को शक्ति भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्ष ने बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए 15 सितंबर से पूरे प्रदेश में अनुरक्षण माह शुरू करने के निर्देश दिये। वीडियो कांफ्रेन्सिग के माध्यम से समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में अनुरक्षण माह मनाया जायेगा।

हिमाचल के राज्यपाल ने किया विस का दौरा

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का दौरा किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनका पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। लंबे समय बाद विधानसभा पधारे राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने यहां हुए व्यापक बदलावों और आधुनिकीकरण को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विधानसभा परिसर, नवनिर्मित सुविधाओं तथा तकनीकी सुधारों का अवलोकन किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के अलावा विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चंदन चौकी बनेगी इको टूरिज्म की नई पहचान

लखनऊ। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, उप्र. पर्यटन विभाग ने लखीमपुर खीरी के चंदन चौकी को प्रमुख इको-टूरिज्म और वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना तेज कर दी है। यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत तैयार की जाएगी। परियोजना में पर्यावरण-हितैषी रहने की सुविधा, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर एक्टिविटी, रेस्टोरेंट्स के साथ-साथ स्थानीय लोगों द्वारा संचालित होम-स्टे, स्मृति-चिह्न की दुकानें और वीकेंड हाट शामिल होंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना में विश्व स्तरीय आवासीय सुविधाएं, वेलनेस सेंटर, साहसिक गतिविधियों की सुविधाएं, रेस्तरां और सामुदायिक भागीदारी वाले अनुभव शामिल होंगे।

सूर्य सखियों से गांव-गांव तक पहुंचेगी सौर ऊर्जा की रोशनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डिसेंटीलाइज्ड एनर्जी फॉर वोमेंस इकनॉमी इंपॉवरमेंट कार्यक्रम आज

अमृत विचार। योगी सरकार स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सोलर पैनल, लाइटिंग, ईवी चार्जिंग समेत सोलर आधारित योजनाओं में भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला सूर्य सखी से जोड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में बुधवार को यूपीएसआरएलएम की ओर से देवी (डिसेंटीलाइज्ड एनर्जी फॉर वोमेंस इकनॉमी इंपॉवरमेंट) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसका वर्ष 2030 तक 1 लाख महिला नेतृत्व वाले उद्यमों तक डीआरई को पहुंचाना है।

इसके जरिये जहां सोलर एनर्जी के क्षेत्र में तेजी से इजाफा होगा, वहीं दूसरी ओर महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी। यूपीएसआरएलएम की निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि योगी सरकार द्वारा लगातार महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास पर जोर दिया जा रहा है। अगर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो समाज में समृद्धि का रास्ता खुल सकेगा। डीआरई ऑफ-ग्रिड यानी मिनी ग्रिड ऊर्जा समाधानों से संबंधित है, ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

आधुनिक शिक्षा के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रोजगार महाकुंभ के अवसर पर अटल आवासीय विद्यालयों के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली की शुरूआत की। इस पोर्टल के जरिए प्रदेश के 18 अटल आवासीय विद्यालयों की गतिविधियों की रीयल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल श्रमिकों के बच्चों को आधुनिक और अनुशासित शिक्षा दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

अटल कमांड सेंटर आधारित ईआरपी प्रणाली के माध्यम से विद्यालयों के सभी क्रियाकलापों की डिजिटल निगरानी शुरू की गई है। इससे उपस्थिति प्रबंधन, शैक्षणिक निगरानी, स्टाफ प्रोफाइल, वित्तीय प्रबंधन, सीसीटीवी एकीकरण, छात्र प्रोफाइल के जरिए पूरा डॉटा ऑनलाइन रहेगा। सीएम ने कहा कि यह प्रणाली 18 हजार बच्चों को निःशुल्क लॉजिंग, फीडिंग और आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले अटल आवासीय विद्यालयों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। योगी ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय बीओसी बोर्ड से जुड़े श्रमिकों के बच्चों के लिए वरदान है। सीएम ने कहा कि अब उसी तर्ज पर हमने बेसिक एजुकेशन में भी इंटीग्रेटेड कैंपस की एक व्यवस्था प्रारंभ की है। पहले चरण में 57 मुख्यमंत्री अभ्युदय और कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना का कार्य हमने प्रारंभ कर दिया है। यह डे स्कूल होंगे जहां बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्राप्त होगी। इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री मनोहर लाल 'मन्नू', प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमकेएस सुंदरम्, निदेशक नेहा प्रकाश, श्रम आयुक्त मार्कंडेय शाही समेत अधिकारी मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में श्रम विभाग के श्रम न्याय सेतु पोर्टल, औद्योगिक न्यायाधिकरण की वेबसाइट एवं ई-कोर्ट पोर्टल की लॉन्चिंग के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

श्रमिकों के लिए डिजिटल न्याय सेतु पोर्टल की हुई शुरुआत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'श्रम न्याय सेतु पोर्टल', औद्योगिक न्यायाधिकरण वेबसाइट और ई-कोर्ट पोर्टल की भी शुरुआत की। योगी ने कहा कि यह श्रमिकों के हित में बड़ी पहल है। इस पोर्टल से श्रमिकों को त्वरित, पारदर्शी और टाइम-बाउंड न्याय मिलेगा। श्रम विवादों का ऑनलाइन समाधान, 24 घंटे सेवाएं और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

8.5 लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी : सीएम

सीएम योगी ने कहा कि बीते 8 वर्षों में 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इसमें पुलिस विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पीडब्ल्यूडी और विश्वविद्यालयों में भी नियुक्तियां हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में 33 से अधिक सेक्टोरियल पॉलिसी लागू की गईं। इन्वेस्ट यूपी पोर्टल, निवेश मित्र और सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के जरिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनेगा यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनाने के उद्देश्य से 'उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025' लागू करने को हरी झंडी दे दी। नीति का लक्ष्य 50 बिलियन डॉलर उत्पादन और 10 लाख रोजगार देना है। इससे विदेशी निवेश बढ़ेगा और आयात घटने से आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिलेगी। साथ ही यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनेगा। मुख्यमंत्री योगी ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा तैयार प्रस्तावित नीति पर मंगलवार को महत्वपूर्ण बैठक में प्रस्तुतीकरण देखा और चर्चा के बाद नीति को जल्द लागू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से उभरता क्षेत्र है। आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। अपार संभावनाओं वाले इस सेक्टर का लाभ उत्तर प्रदेश को उठाना चाहिए। योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश ने औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। यह नीति प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के संकल्प को मज़बूती देने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। नीति के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के साथ प्रदेश की ओर से टॉप-अप इंसेंटिव दिया जाना चाहिए। इसी तरह पूंजीगत निवेश पर आकर्षक सब्सिडी, अतिरिक्त लाभ, स्टाम्प शुल्क एवं बिजली शुल्क में छूट, ब्याज अनुदान, लॉजिस्टिक्स और संचालन सहायता जैसे प्रावधान शामिल किये जाएं। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि यदि निवेशक प्रदेश में रोजगार सृजित करता है और प्रदेश के युवाओं को वरीयता देता है तो उसे विशेष प्रोत्साहन दिया जाए।

बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री। अमृत विचार

1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में बड़ा योगदान

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव ने बताया कि प्रस्तावित नीति का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करना और लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है। इससे राज्य की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य साधना आसान होगा।

मोर्थ की 'सड़क सुरक्षा मित्र' पहल को लेकर यूपी सक्रिय

लखनऊ। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय व युवा कार्य-खेल मंत्रालय के सहयोग से 'सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम शुरू हो रहा है। युवाओं को सड़क-सुरक्षा हस्तक्षेपों में संगठित रूप से जोड़ना है। इसके लिए अनुमोदित कॉन्सेप्ट नोट व रोडमैप प्रेषित किए गए हैं। प्रथम चरण में देश के 100 चयनित जिलों में 28 यूपी के शामिल हैं। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने मंगलवार को सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर युवाओं के समन्वित जुड़ाव व प्रगति रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को दी जाएगी छात्रवृत्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने दिये दिशा- निर्देश

अमृत विचार। इस बार गांधी जयंती पर पिछड़े वर्ग व दिव्यांगजनों के अभ्यर्थियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिये। राज्यमंत्री मंगलवार को विधानभवन में दोनों विभागों की साझा समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की योजनाओं से लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। इस अवसर पर पहली बार समय से पूर्व पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित करने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय योजनाओं पर पूरे वर्ष कार्यक्रम आयोजित किया जाय, जिससे योजनाओं की पहुंच अधिक से अधिक लाभार्थियों तक सुनिश्चित हो सके।

बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान मंत्री ने छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, कंप्यूटर प्रशिक्षण और शादी अनुदान योजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि गांधी जयंती तक अधिक से अधिक पात्र छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। इसके लिए जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों और जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित किया जाय और विद्यालय स्तर पर विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाय।

शादी अनुदान योजना में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निस्तारण और समयबद्ध भुगतान पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में 'ट्रिपल सी' और 'ओ लेवल' के अतिरिक्त आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षणों को शामिल करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

विधानभवन में समीक्षा बैठक करते पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप।

दिव्यांगजनों के लिए लगेगा रोजगार मेला

राज्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभागीय स्तर पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाय। राज्य सरकार द्वारा 3 दिसम्बर 2025 को आयोजित 'विश्व दिव्यांग दिवस' पर राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके लिए जिलों से प्रस्ताव 30 अगस्त तक आमंत्रित किए जा रहे हैं।

सभी दल अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करें : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देते हुए कहा कि सभी दल अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करें। उन्होंने कहा कि आज जिन राजनीतिक परिस्थितियों में उप राष्ट्रपति पद का चुनाव हो रहा है व लोग जिस न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, उसके लिए एक न्यायमूर्ति से अच्छा विकल्प कुछ नहीं हो सकता है। सपा प्रमुख सपा कार्यालय में प्रत्याशी रेड्डी की उपस्थिति में दोनों दलों की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रत्याशी रेड्डी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दोनों दलों के नेताओं के साथ बैठक कर समर्थन मांगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते अखिलेश साथ में उप राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी।

सपा प्रमुख ने कहा कि हमें उम्मीद है जो न्याय के पक्षधर हैं वे अन्तरात्मा की आवाज पर हमारे प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा उप राष्ट्रपति जैसे पद को एक विचारधारा विशेष में बांधना चाहती है। यह देश हित में नहीं है, इसलिए हम लोगों अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपना उम्मीदवार खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि बात हार या जीत की नहीं, सिद्धांत की है। कांफ्रेंस में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

नहर के पानी से कट गई सड़क।

निचली रामगंगा नहर की पटरी सड़क कटी

रसूलाबाद। निचली रामगंगा नहर की पटरी पर बर्रा ठर्रा गांव के सामने बना डामरीकृत मार्ग आधे से अधिक कट गया है। जिससे कभी भी पटरी फटने डर बना हुआ है। इससे आसपास के कई गांव जलमग्न हो जाने की आशंका से ग्रामीण भयभीत है। ग्रामीणों ने उक्त मार्ग शीघ्र ठीक करवाए जाने की मांग अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से की है। बर्रा ठर्रा के पूर्व प्रधान ज्ञान सिंह यादव ,श्याम सुंदर संदीप यादव आदि अनेक लोगों ने बताया कि यदि उक्त पटरी फट गई तो बर्रा ठर्रा,देवहरेपुर, पहाड़पुर, अकौढ़िया , जिताई का पुरवा आदि गांव में तबाही हो जाएगी और पूरे गांव में पानी घुस जाएगा। इसके साथ ही हजारों बीघे फसलें जलमग्न हो जाएंगी।

गणेश महोत्सव की तैयारियां पूरी

शिवली। भगवान श्री गणेश महोत्सव के एक दिन पहले मंदिरों व घरों में मूर्ति स्थापना के लिए साफ सफाई व सजावट को मंगलवार को अंतिम रूप दिया गया। कस्बा शिवली के मानशिला मंदिर,गांधी नगर के गंगाराम पांडेय के दरवाजे,शिवाजी नगर में कोतवाली के पीछे,शिवली बाजार,जवाहर नगर के अलावा बैरी,बाघपुर में मूर्ति स्थापना की तैयारियां की गई। जब कि मैथा में ध्वजा पूजन श्री गजानन धर्म प्रचार समिति के तत्वाधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पप्पू सिंह, पिंकी सिंह, ब्रजेश द्विवेदी, शिवम, कृष्णा गुप्ता, सुरेन्द्र गुप्ता, ललन गुप्ता, विजय गुप्ता, गणेश गुप्ता, सचिन पाण्डेय, अमित कमल, राजू, शुभम आदि लोग मौजूद रहे।

तमंचा के साथ एक युवक गिरफ्तार

सिकंदरा। राजपुर की ओर जाने वाली मुगलरोड पर सोमवार की रात मे गस्त के दौरान पुलिस को देखकर भाग रहे । मंगलपुर थाना क्षेत्र के अलियापुर निवासी रंगोली उर्फ अरुण कुमार लोधी पुत्र दयाशंकर को हिरासत मे लेकर जामातलाशी मे 315 बोर का कट्टा व एक कारतूस बरामद किया गया।सिकंदरा थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया पुलिस टीम द्वारा हिरासत में लेकर आरोपी को जेल भेजा गया।

आज विराजेंगे गजानन, होगी धूम निर्जला व्रत रख मांगी पति की सलामती

गणेश मंदिर सजा

संवाददाता, रूरा

अमृत विचार: कस्बा रूरा के समीप अंबरपुर रोड पर श्री धूम्र केतु धाम गणेश मंदिर में धूमधाम से गणपति जी की मूर्ति स्थापना व प्रथम पांच दिवसीय गणेश महोत्सव के कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

कस्बे के रहने वाले ब्रजनन्दन लाल अवस्थी ने पंडित राकेश पांडेय से प्रेरित होकर गणेश मंदिर बनाने के लिए अपनी लगभग एक बीघे जमीन दान की है, जिस पर एक भव्य व सुंदर गणेश मंदिर का निर्माण हुआ है। बुधवार को गणेश भगवान की मूर्ति की स्थापना होगी। मूर्ति स्थापना के पूर्व गणेश जी के आवाहन के लिए शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें क्षेत्रीय भक्त लोग शामिल होगे। जिसके बाद हवन पूजन के साथ मूर्ति की स्थापना होगी। स्थापना के बाद पांच दिवसीय पांच दिवसीय गणेश महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। शनिवार को पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा। गणेश मूर्ति की स्थापना पंडित श्री गिरिजा शंकर जी के द्वारा मंत्रोच्चानें के साथ किया जायेगा। कार्यक्रम श्री राजा सिंह के संरक्षण में आयोजित होगा। इसके साथ ही पंडित राकेश पांडेय जी ने बताया कि उनके द्वारा कई प्रदेशों व उप्र के कई जिलों में गणेश मंदिरों का निर्माण करवाया है। समाज में धर्म का प्रचार करना ही उनका लक्ष्य है।

गणेश महोत्सव में हर दिन अलग-अलग कार्यक्रम

रसूलाबाद। बुधवार से कहिंजरी के गणेश महोत्सव कार्यक्रम में प्रत्येक दिन नए-नए आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे और 2 सितंबर को मूर्ति विसर्जन की विशाल यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गो से होती हुई रिन्द नदी के तट तक जाएगी। यह जानकारी गजानन सेवा समिति कहिंजरी के आयोजकों ने दी है । उन्होंने बताया कि बुधवार को गणेश लीला का संगीतमय कार्यक्रम कृष्णा इवेंट्स कानपुर के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। 28 अगस्त को देशभक्ति क्रांतिकारी कार्यक्रम एवं हास्य कलाकार पिंकू तिवारी अपनी प्रस्तुति से लोगों को गुदगुदाएंगे। 29 अगस्त को विशेष शिव बारात व बरसाने की अद्भुत होली कार्यक्रम राहुल तिलकधारी कानपुर मंडल के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। 30 अगस्त को हनुमान लीला का संगीतमय आयोजन एवं भजन संध्या कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। 31 अगस्त को उड़ता हुआ मुर्दा अद्भुत झांकी दिग्दर्शन रायबरेली ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। 1 सितंबर को गणेश उत्पत्ति लीला, शिव तांडव नृत्य एवं जादूगरी का कार्यक्रम आर सम्राट जादूगर के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। महोत्सव का समापन 2 सितंबर को गणेश विसर्जन की विशाल शोभायात्रा के साथ रिन्द नदी के तट पर उनके विसर्जन के साथ होगा।

हरितालिका तीज

संवाददाता, रसूलाबाद

- अविवाहित युवतियों ने उपवास रखकर मनवांछित पति मांगा
- शिव-पार्वती का किया गया पूजन महिलाओं ने कथा भी सुनाई

अमृत विचार: मंगलवार को भाद्रपद शुक्ल पक्ष की हस्त नक्षत्र युक्त तृतीया तिथि पर घर-घर महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा और पति की दीर्घायु की कामना की। अविवाहित युवतियों ने मनवांछित पति की प्राप्ति के लिए निर्जला उपवास रखा और भगवान शिव और पार्वती जी का पूजन-अर्चन किया। इस व्रत को हरितालिका व्रत के नाम से जाना जाता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार एक बार भगवान शिव से मां पार्वती ने पूछा कि मैंने आपको किस तप अथवा व्रत के माध्यम से पति के रूप में प्राप्त किया है। भगवान शिव ने बताया कि हे पार्वती! भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के फलस्वरूप मेरा तुमसे विवाह हो सका। इसका महत्व यह है कि इस व्रत को करने वाली कुंवारियों को मनोवांछित फल देता हूं। इसलिए सौभाग्य की इच्छा करने वाली प्रत्येक युवती को यह व्रत पूरी आस्था से करना चाहिए।

हरितालिका तीज पर पूजन करतीं महिलाएं। अमृत विचार

पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर गौरी ने बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विक्राल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया। श्रावण की मूसलधार वर्षा में खुले आसमान के नीचे बिना अन्न-जल ग्रहण किए समय व्यतीत किया। तब तपस्या के फलस्वरूप मुझे अपने समक्ष पाकर तुमने कहा – मैं हृदय से आपको पति के रूप में वरण कर चुकी हूं। यदि आप सचमुच मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर आप यहां पधारे हैं तो मुझे अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लीजिए। इस प्रकार तुमने मुझे पति के रूप में प्राप्त किया। तब गिरिराज तुम्हें घर ले गए। कुछ समय के पश्चात शास्त्रोक्त विधि-विधानपूर्वक उन्होंने हम दोनों को विवाह सूत्र में बांध दिया। इसी पौराणिक मान्यता के अनुसार महिलाएं हरतालिका व्रत रखती हैं। मंगलवार को घर-घर महिलाओं एवं कुंवारी लड़कियों ने हरतालिका व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती का पूजन अर्चन किया।

ताला बंद घरों को निशाना बनाने वाले गिरोह के 5 शातिर हत्थे चढ़े

पूछताछ में अकबरपुर की कई चोरियों का खुलासा, ज्वैलरी शॉप में भी मारा था हाथ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने सोमवार की रात अंतरराज्यीय चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का एक सदस्य मौके से भाग निकला। पुलिस ने शातिरों के पास से चोरी किए गए आभूषण और चोरी करने में प्रयुक्त किए गए औजारों को भी बरामद किया है। पूछताछ में क्षेत्र की कई चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है।

अकबरपुर थाने की पुलिस ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को चोरी की कई घटनाओं का खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक इसी गिरोह ने अकबरपुर के कन्हैया नगर में नवीन ज्वैलर्स, लोहिया नगर में एक घर और बीएसए आफिस के पास एक फौजी के मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। एएसपी राजेश कुमार ने बताया कि अकबरपुर-रूरा रोड पर रात्रि वाहन की चेकिंग की जा रही थी, तभी नरिहा मोड़ से आगे 3 बाइकों पर 6 संदिग्ध आते दिखे, जो पुलिस को देखकर बाइक मोड़कर भागने का प्रयास करने की जल्दबाजी में आपस में टकरा गए। शक होने पर पुलिस ने घेरेबंदी कर 5 लोगों को पकड़ लिया गया।

पकड़े गए अभियुक्त अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि उनका एक गैंग है, अलग-अलग जगहों पर जाकर रेकी करता है और जिन घरों में ताला बंद होता है, उसे निशाना बनाते हैं। रात में छत पर चढ़कर ताले तोड़कर चोरी कर लेते हैं। सराफा की दुकानों को टार्गेट करते हैं। कभी-कभी अचानक मौका देखकर बन्द घरों और सुनसान जगहों के मकानों को निशाना बना लेते हैं। इनमें शातिर सुदेश सचान ताला तोड़ने में माहिर है, जो 10 मिनट के अन्दर कई तालों को तोड़ देता है। इन पर पहले से संगीन धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस गिरोह के सरगना सहित अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा गया है। फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सोने-चांदी के जेवर व औजार हुए बरामद

- चोरों के कब्जे से 79 .8 ग्राम सोने के आभूषण, करीब 938 .4 ग्राम चांदी के आभूषण के साथ चार एण्ड्राइड मोबाइल फोन, दो की-पैड मोबाइल फोन, एक तमंचा, दो लोहे के सब्बल, तीन पेचकस (स्क्रूड्राइवर), सूजा (सुम्मी) और तीन मोटर साइकिल बरामद हुई हैं।

एएसपी राजेश पांडेय ने शातिरों को सामने लाकर खुलासा किया। अमृत विचार

फौजी और नेताजी को दे देते थे माल

- एसपी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि पूछताछ में शातिरों ने बताया कि वे लोग चोरियों का ज्यादातर माल रूरा के गुड्डू सिंह परमार उर्फ गुड्डू फौजी और निखिल गौतम 'नेताजी' को देते थे। वही दोनों माल बेचकर पैसा देते थे। अभी भी कुछ माल गुड्डू फौजी और निखिल गौतम के पास रखे होने की बात बताई है। उसकी बरामदगी के लिए पुलिस की टीम लगा दी गई है। मौके से भागा सुदेश सचान उर्फ अमित सचान पुत्र अजय सचान उर्फ अजब सचान गजनेर थाना क्षेत्रके दिलावलपुर गांव का रहने वाला है। उसकी भी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

ये शातिर गिरफ्तार

- पुलिस के हाथ लगे शातिरों में दीपराज उर्फ राज यादव सुजनीपुर थाना रूरा, अनुज संखवार उर्फ बंटा निवासी सुखसौरा थाना भोगनीपुर, अभय सिंह यादव उर्फ शीलू सुजनीपुर पोस्ट चिलौली थाना रूरा, अजीत उर्फ लालू उर्फ भौती थाना सचेंडी और रोहित उर्फ डिन्टू निवासी दबौली वेस्ट बाबा की बगिया थाना गोविन्द नगर कानपुर शामिल हैं।

लूट के प्रयास में 2 लुटेरों को चार साल कारावास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: करीब उन्नीस साल पहले अकबरपुर क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप के सेल्समैन से लूट का प्रयास करने के मामले की सुनवाई करते हुए एंटी डकैती कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उन्हें चार चार साल के कारावास की सजा सुनाई इसके साथ ही प्रत्येक पर अर्थदंड भी लगाया है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार तिवारी ने बताया कि अकबरपुर क्षेत्र के उमरन के पास स्तिथ पेट्रोल पंप पर 9 अगस्त 2006 की रात बाइक सवार बदमाशों ने मोटर साइकिल में पेट्रोल भरवाने के बाद सेल्समैन से कैशबैग लूटने की कोशिश की थी।सेल्समैन के शोर मचाने पर अन्य पंप कर्मचारियों व आसपास के लोगों ने लुटेरों को दौड़ा लिया और घेर कर एक बदमाश को मौके पर पकड़ लिया था जब कि भागने में सफल हो गए थे।मामले में गजनेर क्षेत्र के सरवनखेड़ा निवासी राजेन्द्र सिंह ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए क्षेत्र के उमरन निवासी नन्हू सिंह व कानपुर नगर के श्यामनगर निवासी बृजेन्द्र सिंह को जेल भेज दिया था इसके साथ ही उनके खिलाफ आरोपपत्र अदालत में पेश किए थे। मामले की सुनवाई एंटी डकैती कोर्ट में चल रही थी। मंगलवार को अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उन्हें चार चार साल के कारावास की सजा सुनाई इसके साथ ही प्रत्येक पर सात सात हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है वहीं अर्थदंड अदा न करने पर चार माह का अतरिक्त कारावास काटने के आदेश दिए हैं।

युवती को ले जाने में 4 वर्ष आठ माह की कैद

- **कानपुर देहात।** सहायक शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रूरा क्षेत्र के एक गांव रिश्तेदारी में आया युवक 3-4 दिन रुकने के बाद रिश्तेदार की गैरमौजूदगी में उसकी 19 वर्षीय पुत्री को बहलाकर 22 जून 2020 को अपने साथ ले गया था। दोनों के लापता होने पर पीड़िता के पिता ने महाराजपुर निवासी अरविंद शर्मा के खिलाफ रूरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने युवती को बरामद कर आरोपी युवक को जेल भेज दिया था। उसके खिलाफ कोर्ट में आरोपपत्र पेश किए थे। सुनवाई अपर जिला जज/एफटीसी प्रथम सुरेन्द्र सिंह की अदालत में चल रही थी। मंगलवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी युवक अरविंद शर्मा को दोषसिद्ध करते हुए उसे चार वर्ष आठ माह के कारावास की सजा सुनाई इसके साथ ही उसपर चार हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया है वहीं अर्थदंड अदा न करने पर चार माह का अतरिक्त कारावास काटने के आदेश दिए हैं।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

संवाददाता, रूरा

अमृत विचार: क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के सामने दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर डाउन लाइन के किनारे एक युवक शव पड़ा मिला। ट्रैक के निरीक्षण पर निकले कीमैन ने स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रूपेश धवन।

मंगलवार सुबह करीब 8 बजे रूरा क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास अप लाइन पर खंभा नंबर 1063 के 13 और 15 के बीच एक युवक शव पड़ा मिला। कीमैन मनोज कुमार ने इसकी सूचना स्टेशन मास्टर अखिलेश वर्मा को दी। मेमो पर पुलिस पहुंची। जेब में मिले मोबाइल फोन से पुलिस ने पत्नी नेहा को सूचना दी। जानकारी मिलने पहुंची नेहा ने शिनाख्त अपने पति रूपेश धवन पुत्र विजय धवन निवासी विश्व बैंक बर्रा कानपुर के रूप में की। शव देखकर परिजन बेहाल हो गए। चौकी इंचार्ज आरके वर्मा ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि ट्रेन से गिरकर मौत की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। भाई कपिल धवन, साले कमल चौहान ने बताया कि रूपेश सोमवार शाम मेरठ बुआ के यहां जाने के लिए निकला था।

हादसे की सूचना पर बर्रा कानपुर से रूरा चौकी पहुंचा परिवार। अमृत विचार

अधिवक्ताओं का निष्कासन स्थगित

कानपुर देहात। एकीकृत बार एसोसिएशन की आमसभा में प्रस्ताव लाकर 4 वकीलों के निष्कासन पर बार काउंसिल ने रोक लगा दी है। प्रकरण में सुनवाई के लिए संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी कर 30 अगस्त की तिथि नियत की है।

एसोसिएशन की कार्यकारणी ने विगत दिनों आमसभा में प्रस्ताव पास कर अध्यक्ष व महामंत्री ने कार्यकारणी के उपाध्यक्ष शिवप्रताप सिंह, प्रशासन मंत्री नरेश मिश्रा, कार्यकारणी सदस्य आशुतोष द्विवेदी व ज्योति सिंह को प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया था। अधिवक्ता आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि अधिवक्ताओं के प्रार्थना पत्र पर बार काउंसिल के अध्यक्ष ने विशेष जांच समिति का गठन कर एसोसिएशन के निष्कासन आदेश को स्थगित कर दिया है।

पुलिस पर हमला करने वाले धरे गए

संवाददाता, रूरा

- महिला की सूचना पर गांव पहुंचे पुलिसकर्मियों से छीने थे रुपये

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के रायपुरवा गांव में बीते रविवार की देर रात पुलिस पर जानलेवा और लूट के मामले में मंगलवार को पुलिस ने मुकदमे में नामित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उनको जेल भेज दिया है।

रूरा थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव के मजरा रायपुरवा में रविवार की देर रात संजय की पत्नी शशि ने डायल 112 पर गांव के एक युवक के द्वारा गाली गलौज की सूचना दी थी। सूचना पर मंगलपुर थाने के पीआरवी के सिपाही राहुल सिंह और चालक आकाश तिवारी मौके पर पहुंचे थे। गांव में मौजूद दो लोगों से जब घटना की जानकारी की तो उन दोनों युवकों ने पुलिस कर्मियों को गालीगलौज कर जान मारने का प्रयास किया और जेब में पड़े 1740 रुपये छीन लिए थे। सूचना पर पहुंची रूरा थाने की पुलिस ने घटना की छानबीन के साथ के पुलिस कर्मी राहुल की तहरीर पर रायपुर के रहने वाले पुष्पेंद्र यादव और रेनू यादव पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी। मंगलवार को दरोगा जितेंद्र सिंह ने आरोपी पुष्पेंद्र और रेनू को चिलौली तिराहे से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उनको जेल भेज दिया गया।

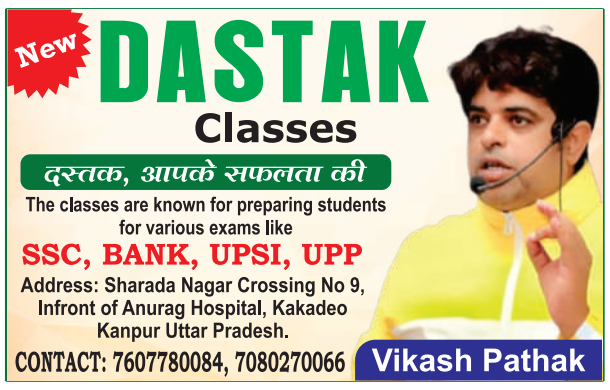

बाढ़ की आफत

खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा बाढ़ का पानी, यमुना लटहटी के 36 गांवों के लोगों की नींद हुई हराम

यमुना नदी ने भरी उफान, गांवों में घुसा पानी, नावों पर टिकी जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: एमपी व राजस्थान में बारिश के कारण उफनाई यमुना नदी के जलस्तर में तीसरे दिन भी दो सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से लगातार इजाफा हो रहा है। इससे यमुना का पानी सेंगर नदी में बैंक होने के कारण मूसानगर क्षेत्र के कई गांवों के रास्ते डूब जाने से लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। तलहटी में बोई गई फसलों को पहले ही अपने आगोश में समेट ले गई थी।

एकबार फिर यमुना के उफनाने से समुना सेंगुर के संगमस्थल आसपास के एक दर्जन गांव टापू बन गए हैं। जिले की दक्षिणी सीमा पर उफनाई यमुना के जल स्तर में लगातार इजाफा हो रहा है। यमुना के उफनाने से संगुर के संगम स्थल चपरघटा के आसपास के तटवर्ती गांवों आइन, पचार, मुसरिया, क्योंटरा, कुभापुर, नयापुरवा पड़ाव, भुडा, चतुरीपुरवा, नगीना, चंदनामऊ, उमरिया आदि बारह गांव पानी से घिरे होने के कारण अभी भी टापू बने हैं। जबकि इन गांवों के रास्तों में दस फुट तक पानी भरा होने से नावों के सहारे ही आवगामन हो रहा है। बाढ़ से घिरे गांवों की बिजली मापूर्ति दो दिन से ठप होने से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। भोगनीपुर व सिकंदरा क्षत्र के बाढ़ प्रभावित 36 गांवों के नदी किनारे वाले खेतों की सैकड़ों बीघा फसलों को नदियों पहले ही अपने आगोश में समेट ले गई। फसालों के निक्सान का अभिषेक आंकलन हो भी नहीं पाया था, इधर यमुना के फिर से उफनाने से हुए भारी नुकसान के साथ ही मवेशियों के लिए चारे का संकट बनने से किसानों व पशुपालकों के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। आढ़न व पधार जाने वाले मार्ग की पुलिया में करब दस फुट तक पानी भरा है, जबकि कई गांवों के रास्ते जलमग्न होने से ग्रामीण आवागमन के लिए नाव का सहारा लेने को मजबूर हो गए। खतरे के निशान से करीब एक मीटर ऊपर बह रहा पानी लगातार बढ़ रहा है। भोगनीपुर व सिकंदरा तहसील क्षेत्र के 36 गांवों के ग्रामीण बाढ के प्रकोप के खतरे से भयभीत हैं। केंद्रीय जल आयोग के कालपी केंद्र के शिफ्ट प्रभारी सौरभ यादत ने बताया कि 108 मीटर पर खतरे का निशान है। मंगलवार की सुबह आठ बजे यमुना नदी 108.90 मीटर पर बह रही थी।

नाव के सहारे गांव से आते-जाते हैं लोग। अमृत विचार

8 बजे से शाम 4 बजे तक 38 सेमी बढ़ा पानी

राजपुर। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश होने से यमुना नदी किनारे बसे लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी है। मंगलवार सुबह 8 बजे 112 .46 मीटर पर पहुंचा, दोपहर 12 बजे 112 .51 मीटर पर पहुंचा शाम 4 बजे 112 . 50 मीटर पर पहुंचा। मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक यमुना का पानी मात्र 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है। गांव के नरेंद्र सिंह, बाबू जी चंदेल, बलवीर ने बताया कि यमुना का जलस्तर बढ़ने से लोगों में फिर दहशत बढ़ गई है। बीते दिनों बाढ़ से हजारों बीघा जमीन पानी में डूब गई थी। जिसमें किसानों का कद्दू, कुम्हेड़ा, मक्का, जुआर, बाजार, आदि फसलों का काफी नुकसान हुआ था। जिसको लेकर किसान पशुओं को चारे के लिए काफी परेशान रहे। इधर बाढ़ के निशान अभी खत्म हुए भी नहीं थे कि फिर से वही मंजर यादकर दहशत में दिखाई दे रहे हैं।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 27 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

शिविर में जांची गई आंखों की रोशनी

हमीरपुर। कस्बे के रामलीला मैदान में सुबह 10 से 2 बजे तक डॉ.राम भजन सिंह की देखरेख में नेत्र शिविर लगा, जिसमें सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट के डॉ.भरत मिश्रा ने 270 मरीजों के आंखों की जांच की। जांच में पांच नाखूना, तीन परवाल, दो कॉर्निया के साथ 38 मरीज मोतियाबिंद के मिले। मोतियाबिंद के मरीजों को जानकी कुंड चिकित्सालय ले जाया गया है।

पंखे का तार लगाते समय लगा करंट, भर्ती

हमीरपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के हेलापुर निवासी बालेन्द्र सिंह मंगलवार की दोपहर घर में पंखे का तार लगा रहा था, इसी दौरान करंट लगने से गिर गया। आवाज सुनकर परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज किया जा रहा है। डॉक्टर उसकी हालत में सुधार बताया है।

ठेकेदार व आबकारी टीम के खिलाफ रिपोर्ट

हमीरपुर। सोमवार दोपहर शराब बनाने के शक में आबकारी टीम ने विधवा के घर का ताला तोड़कर जमीन तक खोद डाली और सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया, जिस पर विधवा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सिजनौड़ा की विधवा सदाप्यारी का कहना है कि घर में उस समय ताला तोड़ा गया, जब वह गांव के एक कार्यक्रम में पूड़ी बेलने गई थी।

ग्राम प्रधान अमित का विजिट के लिए चयन

हमीरपुर। विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत पडुई के ग्राम प्रधान अमित कुमार को तेलंगाना एक्स्पोज़र विजिट के लिए चयनित किया गया है। वह तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट हैदराबाद की सहमति के आधार पर 1 से 5 सितंबर के बीच भ्रमण पर जाएंगे।

कन्या जूनियर स्कूल का किया निरीक्षण

हमीरपुर। कस्बे के बाला मोहल्ले में संचालित कन्या जूनियर विद्यालय में जिला समन्वयक (निर्माण) रवि कुमार श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। उन्हें विद्यालय में पांच शिक्षकों की जगह दो शिक्षक मौजूद मिले। प्रधानाध्यापक रामकृपाल ने बताया कि दो महिला अनुदेशक तीजा अवकाश हैं। एक शिक्षक की मुस्करा बीआरसी में प्रशिक्षण में ड्यूटी लगी हुई है।

रेलवे ट्रैक पर बेंच रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम

रेलवे ट्रैक पर रखी लकड़ी की बेंच से ट्रेन का इंजन टकराया, बचा बड़ा हादसा

संवाददाता, चौबेपुर

- फर्रुखाबाद रेल मार्ग पर देदूपुर गांव के पास घटना से मचा हड़कंप
- शरारतीतत्वों के खिलाफ थाना चौबेपुर में एफआईआर दर्ज

घटनास्थल का निरीक्षण करते आरपीएफ अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। कानपुर -कासगंज रेल मार्ग पर चौबेपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत देदूपुर गांव के पास सोमवार देर रात ट्रैक पर लकड़ी की बेंच रखकर ट्रेन को पलटाने की साजिश की गई। इंजन से बेंच के टकराने से बेंच के परखचे उड़ गए। चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका। रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दिये हैं। रेल पथ निरीक्षक ने अज्ञात शरारतीतत्वों के खिलाफ थाना चौबेपुर में एफआईआर दर्ज कराई है।

सोमवार को देर रात गाड़ी संख्या 54158 फर्रुखाबाद पैसेंजर कानपुर की ओर आ रही थी। रात करीब 11:50 बजे बर्राजपुर एवं चौबपुर रेलवे स्टेशन के मध्य क्षेत्र के देदूपुर गांव स्थित अंडरपास के पास ट्रैक पर किसी ने लकड़ी की बेंच रख दी थी। तेज रफ्तार ट्रेन बेंच से टकराई तो चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाई। चालक ने घटना की जानकारी चौबेपुर स्टेशन मास्टर के साथ ही अन्य आला अधिकारियों को दी तो हड़कंप मच गया। रेल पथ के अवर अभियंता द्वारा पेट्रोलिंग कर रहे स्टाफ कमलेश कुमार को मौके पर भेजा गया। इस दौरान जानकारी हुई कि ओएचई पोल संख्या 28 के पास रेल लाइन के दक्षिण दिशा में ट्रैक से करीब दो फिट दूर लकड़ी की बेंच क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी मिली है। घटना के चलते ट्रेन लगभग 6 मिनट घटनास्थल पर रुकी रही। मंगलवार को कन्नौज से आरपीएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना किया।

आरपीएफ बरेली के एडिशनल एसपी, इंस्पेक्टर फर्रुखाबाद व कन्नौज समेत विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की बारीकी से जांच पड़ताल की। आरपीएफ निरीक्षक कन्नौज आरपी मीणा व उप निरीक्षक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि ट्रैक पर रखी गई बेंच निकट ही स्थित एक ठेलिया दुकानदार की बताई गई है, जिससे पूछताछ की जा रही है। चौबेपुर कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक दिनेश यादव ने बताया कि घटना में किसी नशेबाज अथवा शरारती तत्व का हाथ होने की आशंका है। चौबेपुर थाना में रेल पथ के अवर अभियंता पंकज गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शरारती तत्वों द्वारा रेल ट्रैक पर साढ़े तीन फिट लंबी, डेढ़ फिट चौड़ी व डेढ़ फीट ऊंची लकड़ी की बेंच रखी गई है। इससे ट्रेन डिरेल हो सकती थी। उन्होंने चौबेपुर थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया है।

गोवंशों के कंकाल का वीडियो वायरल

बिल्हौर। ककवन विकासखंड के जमालपुर ग्राम पंचायत में पंचायत की ओर से संचालित अस्थाई गौशाला में गोवंशों के कंकाल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

आरोप है कि गौशाला के कर्मचारी और सचिव ने गोवंशों की मौत के बाद उनको सही से दफनाया नहीं। इसके चलते कुत्तों ने उनके शव को निकाल लिया है नोचने लगे। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। लोगोंने बताया कि ग्राम प्रधान की ओर से गौशाला की ढीली मॉनिटरिंग के चलते आए दिन गायों की मौत हो रही है और उनको सही से दफनाया भी नहीं जा रहा है, जिसके चलते इस प्रकार की स्थिति बन रही है। खंड विकास अधिकारी यशवीर सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। तीन गायों की मौत पिछले दिनों हुई थी, जिनको गौशाला के समीप ही दफनाया गया था। कुत्तों ने उनके ऊपर से मिट्टी हटा दी है, जिससे उनके कंकाल बाहर आ गए हैं। मैं स्वयं आज गौशाला जाकर स्थिति का निरीक्षण करूंगा।

पुलिस से बचने को दौड़ाया लोडर, मासूम की छीनी जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- सुमेरपुर कस्बे के बड़ी पुलिया के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- जिला अस्पताल में इलाज के दौरान देर रात थम गईं सांसें

शौर्य।

अमृत विचार: पुलिस से बचने के लिए भैसों को लादकर तेज रफ्तार दौड़ रहे लोडर ने मासूम बच्चे को रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल मासूम को लेकर परिजन सुमेरपुर पीएचसी पहुंचे, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में देर रात इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के डिग्गी मोहल्ला निवासी सुनील कुमार बच्चों की पढ़ाई के लिए पांच साल से सुमेरपुर कस्बे के बड़ी पुलिया आदर्श पब्लिक स्कूल के पास रह रहे हैं। सोमवार को जिला मुख्यालय से एक लोडर तीन भैंस लादकर पुलिस से बचने के लिए शार्टकट रास्ते से जानवर मंडी जा रहा था, तभी दुकान से सामान लेकर लौट रहे सुनील के पुत्र शौर्य (2) को लोडर ने रौंद दिया। हादसा देख परिजन आनन-फानन में उसे लेकर कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में देर रात एक बजे इलाज के दौरान शौर्य की मौत हो गई।

मासूम की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पिता सुनील ने बताया कि वह ईंट-गारे के काम के सिलसिले में हमीरपुर से अप-डाउन करता है। उसने बताया कि शौर्य तीन बेटों में सबसे छोटा था। शौर्य की मौत से मां पूनम का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। सुनील ने बताया कि उसने सुमेरपुर पुलिस से शिकायत की है, लेकिन पुलिस ने अभी तक मुकदमा नहीं लिखा है।

बारिश से गिरा कच्चा मकान

घाटमपुर। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने कई परिवारों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही रिमझिम बारिश के कारण कई कच्चे गिर गये हैं और लोगों को खुले असमान के नीचे टेंट लगाकर रातें गुजारनी पड़ रही हैं। गांव मैधरी के रहने वाले सत्यदेव तिवारी ने बताया कि बारिश के कारण उनका घर ढह गया। घर के सभी लोग सुरक्षित हैं। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मलबे को हटाने में छोटे छोटे बच्चों को भी मदद करनी पड़ी लेकिन प्रशासन से कोई मदद नहीं मिल रही है। बारिश से प्रभावित परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। उन्होंने अपना सामान पॉलीथीन से ढक रखा है। कई गांवों में कई लोगों के मकान गिरने से लोगों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं सभी लोग सरकारी मदद की उम्मीद लगाये बैठे हैं।

जीएसवीएम में सेंटर आफ ट्रेनिंग एक्सीलेंस का उद्घाटन

संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कालेज के नेत्र रोग विभाग में मंगलवार को सेंटर आफ ट्रेनिंग एक्सीलेंस का हुआ उद्घाटन किया गया। प्राचार्य प्रो. संजय काला एवं साइट सेवर्स इंडिया के सीईओ आरएन मोहन्ती ने कहा कि यह सेंटर शिक्षण कार्य में सरलता प्रदान करेगा। साथ ही इसके चलते छात्र छात्रओं को उच्च कोटि की शिक्षा प्राप्त होगी। उपप्रधानाचार्य डॉ. ऋचा गिरी ,लाला लाजपत राय चिकित्सालय कानपुर के प्रमुख अधीक्षक डॉ. आरकेसिंह विभागाध्यक्ष डॉ. परवेज खान, डॉ. शालिनी मोहन, एवं मुख्य चिकित्या अधीक्षक डॉ. एनसी त्रीपाठी, डॉ. पारूल सिंह , डॉ. नम्रता पटेल, डॉ. सुरभि अग्रवाल एवं सभी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सीनियर रेजीडेण्ट, जूनियर रेजीडेण्ट एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

सेंटर आफ ट्रेनिंग एक्सीलेंस का उद्घाटन करते प्रो. संजय काला। अमृत विचार

शोभा यात्रा की अनुमति लेना अति आवश्यक

संवाददाता, रसूलाबाद

थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक में उपस्थित गणमान्य जन। अमृत विचार

अमृत विचार। आगामी गणेश महोत्सव एवं बारावफात पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक थाना परिसर में सोमवार को संपन्न हुई । बैठक में सीओ रसूलाबाद ने निर्धारित मानक के अनुरूप डीजे बजाने के साथ-साथ किसी भी शोभा यात्रा या जुलूस की प्रशासन द्वारा अनुमति लेना अति आवश्यक बताया है । इसके साथी प्रशासन ने किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील करते हुए किसी भी सूचना पर प्रशासन के सीयूजी नंबर पर जानकारी देने की बात कही है ।

थाना परिसर में सीओ सौरभ कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में गजानन सेवा समिति के पदाधिकारियो ने 27 अगस्त से गजानन पंडाल आयोजित होने व 5 अगस्त तक गणपति प्रतिमा विसर्जन की जानकारी दी। वहीं बारावफात के आयोजकों ने 4 अगस्त की रात को जश्ने चिरागा, 5 अगस्त को जुलूस आदि कार्यक्रम कराने की जानकारी दी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद सीओ सौरभ वर्मा ने उपस्थित संभ्रांत लोगों को बताया कि किसी भी धार्मिक आयोजन, जुलूस, शोभा यात्रा की प्रशासन द्वारा परमिशन लेना आवश्यक है । इसके साथ ही भीड़ के सापेक्ष पर्याप्त संख्या में वालियंटर भी आयोजक द्वारा तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं की सूची पुलिस प्रशासन को उपलब्ध कराई जाएगी । जिन स्थानों पर गणेश मूर्ति की स्थापना की जाएगी उस पंडाल में सीसीटीवी कैमरा व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति 24 घंटा रहना आवश्यक है। जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना पर लगाम लगे और संभावित होने वाली घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके । सोशल मीडिया का प्रयोग सजगता से साथ करें अन्यथा आपके द्वारा की गई किसी भ्रामक या विवादित टिप्पणी पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी । शोभा यात्रा एवं जुलूस के दौरान यातायात किसी भी प्रकार से बाधित नहीं होगा । इस दौरान प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह ,नायब तहसीलदार हरिशंकर वर्मा ,वरिष्ठ उप निरीक्षक राम सिंह ,कस्बा प्रभारी अमित पोरवाल, चौकी इंचार्ज योगेंद्र कुमार शर्मा , शैलेंद्र सिंह ,उदयभान ,रामकिशोर, हेड मुहर्रिर अजय सिंह तोमर समेत संभ्रांतजनों में संजय मिश्रा, दीपक सोनी, राहुल कुमार, मोहनलाल ,वसीम अहमद खान नियाजी ,नवीबक्स ,मोहम्मद आजम ,मसरूफ नवाज समेत अन्य लोग मौजूद रहे । इसके बाद सीओ सौरभ कुमार वर्मा ने पुलिस व पीएसी बल के साथ कस्बे के प्रमुख स्थानों में पैदल गस्त कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया ।

किसानों को आराम से मिली खाद

संवाददाता बिठूर

खाद केंद्र में मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। खाद की काला बाजारी को लेकर चल रही मारामारी के चलते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कानपुर नगर में आई एफएफडीसी और एग्री जंक्शन की 54 नई दुकानें खोलने के निर्देश दिये थे। ताकि लोगों को बिना परेशानी के आसानी से खाद मिल सके। मंगलवार को कई केंद्रों का निरीक्षण भी किया गया।

इसके अंतर्गत 54 दुकानों को यूरिया आवंटित की गई थी। दुकानदारों द्वारा किसानों को एक आधार पर एक बोरी और खतौनी के हिसाब से दो अधिकतम तीन बोरी यूरिया ही बांटी गई हैं। ज्यादातर किसान संतुष्ट नजर आए कुरसौली गांव के सुनील पंचमा पुरवा के बिंदे पाल वनी गांव के अमित गौतम,चंद्र किशोर तिवारी ने बताया लाइन लगाकर प्रत्येक किसानों को यूरिया की बोरी सरकारी दर से मिली है किसी को भी वापस नहीं भेजा गया। वहीं प्रावधिक अधिकारी कृषि विभाग के जहीर खान और एसडीओ प्राची पांडेय ने बताया कि आई एफएफडीसी, कुरसौली एग्री जंक्शन टिकरा और साधन सहकारी समिति मकसूदाबाद के केंद्रों में औचक निरीक्षण किया गया, जिसमे मकसूदाबाद का केंद्र बंद मिला, जबकि टिकरा कुरसौली में सही तरीके से खाद वितरण किया जा रहा था।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी से बढ़ा तनाव

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। अरौल थाना क्षेत्र के मकनपुर में मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी जनार्दन यादव के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक व्हाट्सएप चैट का स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हुआ। इस चैट में, मकनपुर निवासी अरबाज पुत्र अवेज आलम, उम्र 24 वर्ष और उसके मित्र हिमांशु प्रजापति निवासी गुजेपूर, थाना अरौल के बीच बातचीत चल रही थी। आरोप है कि इस बातचीत के दौरान, अरबाज ने हिंदू धर्म के पवित्र प्रतीक शिवलिंग और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में बेहद अभद्र और अपमानजनक टिप्पणियां कीं। यह चैट जैसे ही सोशल मीडिया

पर प्रसारित हुई, विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की । मामले में क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा ने थाना प्रभारी से वार्ता कर आरोपित को गिरफ्तार करनें की मांग की जिसपर पुलिस द्वारा आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है । पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किसान के घर से लाखों के जेवर पार

सुमेरपुर। सोमवार की रात चोरों ने बदनपुर गांव में किसान के घर से नकदी सहित सोने-चांदी के जेवरात ले गए। घटना की जानकारी सुबह नींद खुलने पर हुई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपी है।

पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना करके जल्द खुलासे का आश्वासन दिया। बदनपुर निवासी राकेश कुमार प्रजापति ने तहरीर में बताया कि सोमवार रात चोर छत से घर के आंगन में दाखिल हुए और कमरे का ताला तोड़कर अलमारी एवं बक्से में रखे 25000 नकद, सोने की बिजली, सोने का हार, कान के बाला, झुमकी, मंगलसूत्र, नथुनी, बिंदी, पायल, कमरबंद, कमरपेटी आदि लाखों रुपये की जेवरात चोरी कर ले गए।

बीएलओ ड्यूटी से हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता शिवली

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते लोग।

अमृत विचार। पूर्व माध्यमिक शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी को मनमाना बताते हुए मैथा में नायब तहसीलदार को शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपा।और ड्यूटी से हटाने की मांग की।

पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अशोक सिंह राजावत,मंत्री राकेश कुमार गौतम,कोषाध्यक्ष दिनेश शंकर शर्मा के नेतृत्व में शिक्षक एसडीएम को ज्ञापन देने मंगलवार को पहुंचे। एसडीएम की अनुपस्थित में नायब तहसीलदार अनिरुद्ध कुमार को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने बताया कि बीएलओ ड्यूटी बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के विपरीत है।इस मौके पर ओम प्रकाश कमल,योगेंद्र शुक्ला,अजय सक्सेना,प्रदीप निगम, शिवराज सिंह,श्रीराम अवध,आलोक त्रिवेदी,अखिलेश कठेरिया मौजूद रहे।

सखी आगामी त्योहारों के मद्देनजर, पुलिस प्रशासन ने शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया

धार्मिक कार्यक्रमों में डीजे पर रहेगी पांबदी : एसीपी

संवाददाता बिल्हौर

- पीस कमेटी की बैठक में एसीपी ने दिये दिशा- निर्देश
- लोगों ने सद्भावना से त्योहार मनाने की बात कही

पीस कमेटी की बैठक में मौजूद सभ्रांतजन व पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। अरौल थाना क्षेत्र के मकनपुर कस्बे में बारावफात और गणेश चतुर्थी के आगामी त्योहारों के मद्देनजर, पुलिस प्रशासन ने शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस ने धार्मिक कार्यक्रमों में डीजे को पूरी तरह से प्रतिबंध कर दिया है। पुलिस का कहना है कोई भी डीजे का प्रयोग नहीं करेगा अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

आगामी त्योहारों को लेकर बिल्हौर एसीपी अमर नाथ यादव ने पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया। पीस कमेटी की बैठक में दोनों समुदायों के प्रमुख लोग, पुलिस अधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रशासन के दिशा निर्देशों को सभी तक पहुंचाना था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि दोनों समुदाय के त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाए जाएं। एसीपी यादव ने सभी लोगों से त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

बैठक मे थाना प्रभारी जनार्दन यादव ,ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन ,दीपक श्रीवास्तव ,सौरभ तिवारी,धर्मेन्द्र सैनी ,फराज हुसैन आदि लोग मौजूद रहे । एसीपी अमर नाथ यादव ने कहा कि मकनपुर का इतिहास गंगा-जमुनी तहजीब का रहा है, और इस परंपरा को कायम रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से यह त्योहार भी शांति और सौहार्द के साथ संपन्न होगा।

बैठक में की गई प्रमुख चर्चाएं

- **सुरक्षा व्यवस्था :** त्योहारों के दौरान मकनपुर में और उसके आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त चौकसी बरती जाएगी।
- **दिशानिर्देशों का पालन :** सभी आयोजकों को प्रशासन द्वारा जारी किए गए लाउडस्पीकर के उपयोग, जुलूस के मार्ग और समय से संबंधित दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है।
- **आपसी सहयोग :** एसीपी ने दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे किसी भी समस्या या मतभेद को आपसी बातचीत से हल करें और पुलिस को सूचित करें।
- **अफवाहों पर नियंत्रण :** सोशल मीडिया पर फैलने वाली झूठी और भ्रामक जानकारी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस ने ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।
- **स्वच्छता और व्यवस्था :** आयोजकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि त्योहार के बाद साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए।
- **डीजे पर रहेगी पांबदी :** एसीपी की ओर से स्पष्ट किया गया कि किसी भी धार्मिक कार्यक्रम मे डीजे पर पांबदी रहेगी और ये नियम दोनो समुदायों पर लागू रहेगा ।

शोभायात्रा के साथ सुमेरपुर के तीजा मेला का हुआ आगाज

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

शोभायात्रा में कृष्ण-राधा की झांकी।

भगवान विष्णु की झांकी। अमृत विचार

अमृत विचार: कस्बे के ऐतिहासिक तीजा मेला का शुभारंभ मंगलवार को नयनाभिराम झांकियों की शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा की शुरुआत पूर्व विधायक युवराज सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने श्री कृष्ण मंदिर में भगवान श्री कृष्ण की झांकी की आरती उतारकर की।

इसके बाद शोभायात्रा निर्धारित मार्गो से गुजरकर छोटी बाजार पहुंची। यहां हरिचंदन तालाब में नागनाथ लीला के उपरांत कंस वध के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभा यात्रा कस्बे में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा देखने के लिए लाखों की भीड़ उमड़ी हुई थी।

कस्बे के सैकड़ों वर्ष पुराने ऐतिहासिक तीन दिवसीय तीजा मेला का शुभारंभ नयनाभिराम शोभायात्रा से होता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शोभायात्रा में तीन दर्जन झांकियां देवी, देवताओं, राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत शामिल की गई थी। राम सेना की झांकी आकर्षण केंद्र रही।

शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करती हुई छोटी बाजार पहुंची, जहां हरिचंदन तालाब में नागनाथ लीला हुई और फिर कंस वध की लीला के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में श्री कृष्ण तीजा कमेटी के अध्यक्ष जयप्रकाश दीक्षित, सपा नेता अजय उर्फ कल्लू यादव, कुंजबिहारी पांडेय, राघवेंद्र पांडेय, श्याम बाबू पांडेय, संजीव पांडेय, सुरेश यादव, बृजलाल सिंह, शैलेंद्र सिंह छोटू, अखिलेश साहू, रामदत्त पांडेय, रावेंद्र सिंह, कल्लू ओमर, रज्जन चौरसिया, उमेश सिंह, व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू, बालगोपाल गुप्ता आदि हजारों लोग शामिल हुए।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, बुधवार, 27 अगस्त 2025

सुविचार

हमारा सफर कितना ही भयानक, कष्टदायी और बदतर हो, लेकिन हमें आगे बढ़ते रहना ही है। सफलता का दिन दूर हो सकता हैं, लेकिन उसका आना अनिवार्य ही है।

-नेता जी सुभाष चंद्र बोस

कानपुर के प्रमुख समाचार

- 25 मॉडल वार्डों में चलाया जाएगा विशेष सफाई अभियान- II
- डफरिन में दो नवजात शिशुओं की मौत पर हंगामा- III
- संस्कारों की जागृति से ही नई पीढ़ी का भविष्य संरक्षित-IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

दीनू गैंग का इनामी दीपक भेष बदलकर कोर्ट में हाजिर

पगड़ी पहनकर पुलिस को दिया चकमा, 50 हजार का है इनामी, कई जमीनों पर कब्जा करने के दौरान दीनू उपाध्याय का साथ देने का है आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दीनू उपाध्याय गैंग का 50 हजार का इनामी दीपक जादौन मंगलवार को पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में हाजिर हो गया। पुलिस तेजी से उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए दीपक ने पगड़ी पहनकर सरदार का रूप धरा। इस कारण कचहरी परिसर में तैनात पुलिस कर्मी उसे पहचान नहीं सके और वह कोर्ट में हाजिर हो गया। फरार चल रहे दीपक के परिजनों पर क्राइम ब्रांच की टीम लगातार दबाव भी बना रही थी और ठिकानों पर दबिश भी दे रही थी।

भेष बदल आया दीपक।

पिंटू सेंगर की हत्या में सोनभद्र जेल में बंद दीनू उपाध्याय गैंग के रवि पांडेय और दीपक जादौन के खिलाफ कुछ दिन पहले ही पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की थी। उससे पहले पुलिस ने उसके घर पर कुर्की की कार्रवाई को लेकर नोटिस चस्पा किया था। इसके साथ ही उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज कर दी थी। लेकिन फरार चल रहा दीपक पकड़ में नहीं आया। उसके लगातार लोकेशन बदलने से पुलिस परेशान रही। दीपक बर्रा इलाके का रहने वाला है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस की धरपकड़ व छापेमारी तेज होने पर से परेशान होकर दीपक परिवार के साथ मुंबई चला गया था। क्राइम ब्रांच की टीम लगातार दीपक के परिवार पर दबाव बना रही थी। मंगलवार को दीपक सरदार की पगड़ी पहनकर कचहरी पहुंचा। वेश बदला होने के कारण कोर्ट परिसर में मौजूद पुलिसकर्मी उसे पहचान नहीं सके। इसी का फायदा उठाकर दीपक कोर्ट में हाजिर हो गया। उसके पगड़ी उतारते ही पुलिसकर्मी सन्न रहे गए।

पुलिस ने कुछ दिन पहले ही साक्ष्यों के आधार पर दीनू उपाध्याय को गिरफ्तार किया था। दीनू के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस को कई शिकायतें मिली थीं। शिकायतों के आधार पर दीनू के खिलाफ पांच से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए। मौजूदा समय में दीनू सोनभद्र जेल में बंद हैं। दीनू के खिलाफ कार्रवाई के दौरान ही पुलिस को ठोस प्रमाण मिले कि दीपक जादौन ने कई जमीनों पर कब्जा करने के दौरान उसका साथ दिया था।

प्लाट का निर्माण गिराया, 50 लाख रंगदारी मांगी

- लालबंगला के काजीखेड़ा निवासी मनोज कुमार गुप्ता ने तीन नवंबर 2022 को भरोसे दुबे, अमन शुक्ला, नीरज दुबे, अनूप शुक्ला, रचित पाठक, दीपक जादौन समेत 20-25 अन्य के खिलाफ उनके प्लाट का निर्माण गिरा देने का आरोप लगाया था। आरोपियों ने मारपीट की थी और जमीन के बदले 50 लाख रंगदारी मांगी थी। मनोज ने मामले में चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। क्राइम ब्रांच ने घटना की जांच की, जिसमें दीनू उपाध्याय व उनका भाई संजय उपाध्याय व भतीजा मनु, नारायण सिंह भदौरिया के साथ दीपक जादौन का भी नाम आया था।

अखिलेश दुबे की 14 दिन की न्यायिक रिमांड

कानपुर। युवक के मुंह में पिस्टल डाल कर जान से मारने की धमकी और 20 लाख रंगदारी मांगने के मामले में अखिलेश दुबे की एडिशनल सिविल जज सीनियर डिवीजन 6 की कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट ने आरोपी की 14 दिन की न्यायिक रिमांड मंजूर करते हुए जेल भेज दिया। बता दें कि सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत करने पर आरोपी अधिवक्ता ने नाराज होकर घटना को अंजाम दिया था। जिस पर पीड़ित ने किदवई नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार नौबस्ता थानाक्षेत्र के आवास विकास हंसपुरम निवासी शैलेंद्र कुमार ने 9 अगस्त को अखिलेश दुबे, कथित पत्रकार विपिन गुप्ता, बर्रा के मलिकपुरम निवासी अधिवक्ता पंकज दीक्षित, स्वरूपनगर नागेश्वर इन्क्लेव अपार्टमेंट निवासी अनुज मिश्रा समेत अज्ञात लोगों पर किदवई नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। 20 अप्रैल 2015 को भूमाफियाओं के सरकारी अधिकारियों से साठ-गांठ करने की शिकायत तत्कालीन नगर आयुक्त समेत उच्चाधिकारियों से की थी, जिसके बाद 12 मई 2015 को कथित पत्रकार विपिन गुप्ता के जरिए बहाने से बुलाकर अखिलेश ने मारपीट के बाद मुंह में रिवाल्वर डालकर 20 लाख रुपए मांगे थे।

अखिलेश दुबे।

अरिदमन सिंह को भेजा जेल

- बीमारी का हवाला दिया, जमानत अर्जी कोर्ट ने की खारिज

कानपुर। बसपा नेता हत्याकांड, फुटवियर कारोबारी का अपहरण कर रंगदारी मांगने जैसे संगीन मामलों में फरार चल रहे 50 हजार के इनामी अधिवक्ता अरिदमन सिंह को सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी अधिवक्ता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। आरोपी ने लिवर सिरोसिस का हवाला देते हुए जेल में संक्रमण का खतरा बताया। कोर्ट ने जेल सुपरिटेंडेंट को समुचित इलाज कराने के निर्देश दिए। पूर्व बार मंत्री अरिदमन सिंह की ओर से कोर्ट में जमानत अर्जी दी गई। जिसमें बताया कि उसने कोई अपराध नहीं किया है, उसे रंजिशन फर्जी फंसाया गया है। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ हत्या, अपहरण, डकैती जैसे गंभीर आरोप है, जिस पर जमानत अर्जी निरस्त की जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी।

अरिदमन सिंह।

केशव नगर डब्ल्यू ब्लाक निवासी फुटवियर कारोबारी राकेश अरोड़ा उर्फ लोरी ने दीनू उपाध्याय, धीरज दुबे, उसके भाई नीरज दुबे और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कोतवाली थाने में अपहरण, डकैती, रंगदारी की धाराओं में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि 17 सितंबर 2021 की रात आरोपी कार से उनका अपहरण कर मैनावती मार्ग ले गए और 64 हजार रुपए लूट लिए। इस दौरान उनकी बेरहमी से पिटाई करने के बाद आरोपियों ने 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। पुलिस की जांच में बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह, दीपक जादौन, गोपाल सिंह, मनु उपाध्याय, नारायण सिंह भदौरिया, राम खिलावन, संजय उपाध्याय, विकास ठाकुर उर्फ विक्की, अनूप शुक्ला का नाम प्रकाश में आया था। पिंटू सेंगर हत्याकांड में भी अरिदमन सिंह आरोपी है। गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने उसे बहराइच के रुपईडीहा से गिरफ्तार किया था।

सिटी ब्रीफ

सम्मेलन 27 सितंबर को दिल्ली में

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विंग मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का राष्ट्रीय सम्मेलन तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में 27 सितंबर को होगा जिसमंस कानपुर से बड़ी संख्या में मंच के लोग शिरकत करेंगे। जिसकी सूची तैयार की जा रही है। ये जानकारी प्रांत संयोजक अशफाक सिद्दीकी ने दी।

मरम्मत पूरी, सुचारू हुई पानी सप्लाई

कानपुर। भैरोघाट रोड पर शनिदेव धाम मन्दिर के बगल में पीपल के पेड़ के नीचे लीकेज हुई 1200 एमएम पाइप लाइन को मंगलवार को जोड़ दिया गया। जिसके बाद बेनाझाबर से 26 जोनल पम्पिंग स्टेशनों को पानी की सप्लाई शुरू हो गई। 26 अगस्त को 100 मौहल्लों में सुबह की जलापूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रही। इसके बाद शाम को जलापूर्ति सामान्य रूप शुरू हो गई।

585 अवैध विज्ञापन पटों को हटाया

कानपुर। अवैध एवं अनाधिकृत रूप से लगे विज्ञापन व अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को अभियान चलाया। शहर के समस्त जोनों में विज्ञापन-पटों को हटाया गया। 450 क्यास्क, 75 बिल बोर्ड, 60 रोड क्रास बैनर समेत कुल 585 अवैध विज्ञापन-पटों को हटाया गया।

गृहकर सुधार के 10 आवेदन आए

कानपुर। जोन-3 में मंगलवार को गृहकर, नामान्तरण, त्रुटि सुधार आदि आपत्तियों व समस्याओं के लिए त्वरित समाधान कैंप लगा। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगे विशेष शिविर में कुल 10 गृहकर सुधार के आवेदन आए जिसपर कार्यवाही शुरू की गई। शिविर में जोनल अधिकारी सीपी सिंह, कर अधीक्षक राजेन्द्र प्रसाद एवं जोनल कार्यालय के अन्य कर्मी रहे।

नफरत की दीवार नहीं खड़ी होने देंगे

कानपुर। आल इंडिया पीस मिशन द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 वें शहीदी दिवस को समर्पित कार्यक्रम इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर नई दिल्ली में हुआ जिसमें कानपुर से ऑल इंडिया सुन्नी उलेमा काउंसिल से महामंत्री हाजी मोहम्मद सलीस ने भी शिरकत की। इस कार्यक्रम में सर्वसम्मत से तय हुआ कि किसी भी हालत में देश को नफरत की आग में नहीं झोकने देंगे। जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्बदुल्ला, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, पूर्व राज्य सभा सदस्य मोहम्मद अदीब प्रमुख रुप से शामिल हुए। संयोजक सरदार दया सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया।

साइबर ठगों ने दो लोगों से 62 लाख रु. ठगे

रिपोर्ट दर्ज

- सेवानिवृत्त जवान को शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर किया फ्राड
- बीमा पॉलिसी परिपक्व बताकर जीएसटी के नाम पर 22 लाख रुपये हड़पे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में साइबर ठगों ने दो लोगों को शिकार बनाया। अलग-अलग तरीकों से लाखों रुपये ठग लिए। आर्मी से सेवानिवृत्त जवान को शेयर मार्केट में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच दिया और 42 लाख रुपये ठग लिए। वहीं युवक को बीमा पॉलिसी परिपक्व होने का झांसा दिया। बीमा की रकम दो करोड़ बताकर जीएसटी के 22 लाख रुपये मांगे। बताए गए खाते में रुपये भेजने पर युवक को ठगी का अहसास हुआ तो उसने साइबर सेल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस दोनों मामलों में कार्रवाई कर जांच-पड़ताल कर रही है।

श्यामनगर के डी-ब्लाक निवासी राजेश मिश्रा आर्मी से सेवानिवृत्त हैं। राजेश के अनुसार बीती 16 जुलाई को एक युवक ने उन्हें एक ट्रेडिंग ग्रुप से जोड़ा और शेयर मार्केट में रुपये निवेश करके अच्छा मुनाफा कमाने की बात कही। ग्रुप से जुड़ने के बाद शुरूआत में रुपये लगाए और मुनाफा लिया। इसके बाद उनसे आईपीयो में रुपया लगाने की बात कहीं गई। उन्होंने ज्यादा रुपये न होने की बात बताई तो कंपनी ने उन्हें तीस लाख रुपये का लोन देकर आईपीयो में निवेश कराया। कुछ समय बाद उन्हें लोन के रुपये जमा करने की बात कहीं गई। इस पर उन्होंने बैंक से 22 लाख रुपये लोन लेकर खातों में जमा करा दिया। फिर दोबारा 62 लाख रुपये की और मांग हुई तो सेवानिवृत्त जवान को अपने साथ ठगी का अहसास हुआ। इस समय तक आरोपी पीड़ित से 42.65 लाख रुपये जमा करा चुके थे। तत्काल उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की।

वहीं, हरजेंद्रनगर के तिवारीपुर निवासी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि बीते साल सात फरवरी को उनके पास एक अनजान कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को एक कपंनी का कर्मचारी विकास बताया। उसने कहा कि आपकी पॉलिसी परिपक्व हो गई है। पैसे निकाल सकते हैं। इसके बाद राधिका पांडेय नामक महिला ने कॉल कर कहा कि पॉलिसी का रुपया दो करोड़ है, इसलिए उन्हें जीएसटी के 22 लाख रुपये जमा कराने होंगे। पीड़ित ने मोटी रकम के लालच में पड़कर आरोपी के बताए छह खातों में रुपये जमा करा दिए। इंतजार के बाद जब पॉलिसी के रुपये पीड़ित के खाते में नहीं आए तो ठगी का अहसास हुआ। इस पर पीड़ितों ने साइबर सेल थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी साइवर सेल दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

लापरवाही की हद

ओम चौराहा काकादेव में बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम है। यहां पर गार्ड के न रहने पर अंदर कुत्ते घुस जाते हैं और घंटों बैठे रहते हैं। कुत्तों की मौजूदगी की वजह से वहां लोग जाने से कतराते हैं, क्योंकि डर बना रहता है कि कब कुत्ते उन पर हमला कर दें और काट लें। ● आशु अरोड़ा

गाल ब्लैडर है नहीं पर पथरी बता दी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक निजी पैथोलॉजी ने एक महिला की दो भिन्न-भिन्न रिपोर्ट बनाकर दे दी, जिससे मरीज व उसके परिजन को मानसिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा। महिला का गाल ब्लैडर 17 माह पहले हटाया जा चुका है, लेकिन पैथोलॉजी ने अपनी रिपोर्ट में न सिर्फ महिला के शरीर में गाल ब्लैडर दिखा दिया, बल्कि उसमे पथरी भी बता दी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने मंगलवार को सीएमओ से की।

बर्रा दो निवासी अमन दीप सिंह ने सीएमओ कार्यालय में दिए शिकायत पत्र में बताया कि सिटी अल्ट्रासाउण्ड एक्स-रे एंड पैथालॉजी में मां का 24 अगस्त को अल्ट्रासाउण्ड कराया था। अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में गाल ब्लैडर में चार एमएम व छह एमएम की पथरी बताई गई। जबकि मां का गाल ब्लैडर 17 माह पूर्व सात मार्च 2024 को लाजपत नगर स्थित गुरू तेगबहादुर हास्पिटल में निकाला जा चुका था। ऐसे में वह मां को लेकर दोबारा पैथोलॉजी गया तो रिपोर्ट के आधार पर दो आपरेशन बता दिये गए, जिससे मां काफी परेशान हो गई। मां का दोबारा सिटी अल्ट्रासाउण्ड एक्स-रे एंड पैथालॉजी में अल्ट्रासाउंड कराया तो जानकारी दी गई कि जो रिपोर्ट पहले दी गई थी वह मिस प्रिंट की वजह से गलत हुई। आरोप है कि जब विरोध किया तो पैथोलॉजी वाले डॉक्टर व स्टाफ बिगड़े बोल बोलने लगे। इसके बाद मंगलवार को वह शिकायत करने पहुंचा। मामले में सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है, जांच कराकर संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ कार्यालय के बाहर अमन दीप सिंह। अमृत विचार

- सिटी अल्ट्रासाउण्ड एक्स-रे एंड पैथालॉजी ने दीं भिन्न रिपोर्ट, सीएमओ से शिकायत
- सीएमओ ने कहा कि जांच के बाद संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी

एलेनगंज चौराहे पर कार शोलों में तब्दील

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एलेनगंज में एक कार में अचानक आग लग गई जिसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन आग पूरी तरह जलकर राख हो गई।

मंगलवार को शाम 6.30 बजे कर्नलगंज फायर स्टेशन के कंट्रोल रुम को सूचना मिली। कर्नलगंज फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि एलेनगंज में कार में आग लगी। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही कार शोलो में तब्दील हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग खड़ी थी, अचानक उसमें आग लग गई।

आग की चपेट में कार। अमृत विचार

सिक्योरिटी गार्ड को 3 करोड़ टैक्स का नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काकदेव स्थित कोचिंग सेंटर के सुरक्षा गार्ड को सीजीएसटी ने तीन करोड़ रुपये के टैक्स अदा करने का नोटिस दिया है। नोटिस मिलने के बाद सुरक्षा गार्ड घबरा गया और उसने कारोबारियों से संपर्क साधा। अब कारोबारी उसकी मदद के लिए आगे आए हैं और सीए से मिलकर नोटिस का जवाब तैयार करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि गार्ड का पेन कार्ड चोरी कर किसी ने फर्जी तरीके से फर्म बना ली है और उस पर कारोबार कर रहा है।

आवास विकास हंसपुरम निवासी ओमजी शुक्ला को केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर (सीजीएसटी) के दिल्ली आफिस की तरफ से दिए गए नोटिस में 17 करोड़ रुपये से ज्यादा का कपड़े का कारोबार दिखाया गया है। ओमजी को 3.14 करोड़ रुपये का टैक्स जमा करने के लिए निर्देशित किया गया है। ओमजी ने बुधवार को कानपुर में सीजीएसटी के आयुक्त रोशन लाल से मुलाकात की और नोटिस के बारे में जाना। आयुक्त ने उन्हें इस नोटिस का जवाब देने के लिए कहा ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। ओमजी के मुताबिक 21 अगस्त को डाकिया उनके घर आया था। उसने उन्हें 32 पेज का नोटिस दिया, जबकि जब वह पूर्व में आया था तो वे घर पर नहीं थे इसलिए पड़ोसी को एक पेज का नोटिस देकर चला गया था। ओमजी का कहना है कि घर का पता और पैन नंबर नोटिस पर सही लिखा है। वे कोई कारोबार नहीं करते हैं। नोटिस में 17 करोड़ 47 लाख 56 हजार 200 रुपये का कारोबार दिखाया गया है। इसीलिए तीन करोड़ 14 लाख 56 हजार 116 रुपये का टैक्स मांगा गया है। नोटिस मिलने के बाद उन्होंने भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा से मुलाकात की थी। उन्होंने मदद का भरोसा दिया। इसके बाद वे सीजीएसटी आयुक्त रोशन लाल से मिले। ओम जी शुक्ला ने बताया कि किसने फॉर्म खोली, कहां पर खोली, हमें पता नहीं है। पैन कार्ड हमारा मिसयूज हुआ है और थाने पर जाकर हमने एप्लीकेशन दी पर उन्होंने कह दिया मामला दिल्ली का है। लगातार दर-दर भटक रहे हैं।

भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने गार्ड ओम जी शुक्ला व आवास विकास हंसपुरम व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुज त्रिपाठी, अब्दुल वहीद, मनोज विश्वकर्मा, शिव विश्वकर्मा के साथ जवाब तैयार कराने के लिए सीए धर्मेंद्र श्रीवास्तव से मुलाकात की।

किराये के अपने कमरे में ओमजी।

बाजार | छह दिन में चांदी में पांच हजार तो सोने में ढाई हजार की बढ़त, भाव और बढ़ने का अनुमान

चांदी को देखकर इतराया सोना भी, दोनों के भाव पहुंचे टॉप पर

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चांदी और सोने के भाव एक बार फिर बुलंदी पर हैं। चांदी अपने भाव के अपने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ते हुए 1,20000 रुपये किलो पर जा पहुंची तो सोना भी सर्वोच्च ऊंचाई 1,03,650 रुपये 10 ग्राम पर जा चढ़ा है।

जबरदस्त औद्योगिक मांग और टैरिफ वॉर के चलते चांदी में तेजी जारी है। बीते सोमवार को चांदी अपने भाव की सर्वोच्च ऊंचाई 1,19,800 रुपये किलो थी, जो 1,20000 पर जा पहुंची। छह दिन में पांच हजार से ज्यादा की बढ़त हुई है। जाहिर है कि निवेशकों को खूब मुनाफा हुआ। इसी तरह सोना भी अब तेज बढ़त पर है। छह दिन में ढाई हजार से अधिक की बढ़त हुई है। बीते 20 अगस्त को 1,01,350 रुपये का 10 ग्राम वाला सोना अब मंगलवार को 1,0,3,650 पर जा पहुंचा। बीते 8 अगस्त को सोना अपने भाव की सर्वोच्च ऊंचाई 1,03,200 रुपये का 10 ग्राम था। इसके बाद दाम गिरे, लेकिन अब फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि औद्योगिक मांग, टैरिफ की अस्थिरता से चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। अब यही हाल सोने का भी है।

- सोना 1,0,3 650 रुपये का 10 ग्राम तो चांदी 1,20000 रुपये किलो पहुंची
- बड़े पैमाने पर केंद्रीय बैंक कर रहे खरीद, निवेशक भी काट रहे मुनाफा

यूं बढ़ रहे चांदी के भाव

- 20 अगस्त 1,14,600, 21 अगस्त 1,16,350, 22 अगस्त 1,17,500, 23 अगस्त 1,19,000, 25 अगस्त को 1,19,800 और अब मंगलवार को 1,20,000 रुपये किलो। 1 जनवरी 2025 को चांदी थी 88600 रुपये।

सोना की चाल भी तेज

- 20 अगस्त 1,0,1,350, 21 अगस्त 1,0,1,800, 22 अगस्त 1,0,1,900, 23 अगस्त 1,0,3,000, 25 अगस्त को 1,0,3,100 और अब मंगलवार को 1,03,650 रुपये का 10 ग्राम। 1 जनवरी 2025 को सोना था 78600 रुपये प्रति 10 ग्राम।

शहर के निवेशकों को 700 करोड़ का झटका

कानपुर। टैरिफ विवाद को लेकर अनिश्चितता और समाधान की उम्मीदें कमजोर पड़ने से मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने माहौल और बिगाड़ दिया। चूंकि बुधवार को शेयर बाजार बंद रहने वाले हैं, इसलिए निवेशकों ने मुनाफावसूली और पोजीशन कटौती तेज कर दी है। आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह का कहना है कि बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स 849 अंक गिरकर और निफ्टी 256 अंक टूटकर बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तो गिरावट और भी गहरी रही। इस झटके का सीधा असर शहर के निवेशकों की जेब पर पड़ा और अनुमान है कि उनके पोर्टफोलियो की वैल्यूएशन में करीब 700 करोड़ रुपये की कमी आई है। टैरिफ मुद्दे पर जब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकलता, तब तक बाजार में अस्थिरता बनी रहेगी। अब सारी निगाहें केंद्र सरकार की संभावित जीएसटी कटौती और रिफॉर्म पर टिकी हैं। अगर ये कदम जल्द और प्रभावी रूप से लागू होते हैं, तो यह बाजार के लिए बड़ा सकारात्मक संकेत साबित हो सकता है।

राजीव सिंह।

सिटी ब्रीफ

छात्रा लापता अपहरण की रिपोर्ट

कानपुर। संदिग्ध हालात में घर से स्कूल के लिए निकली हाईस्कूल की छात्रा लापता हो गई। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी की रहने वाली महिला के अनुसार उनकी 14 वर्षीय बेटी 23 अगस्त की सुबह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। उस दिन उसका जन्मदिन होने के कारण वह सिविल ड्रेस में गई थी। महिला ने बताया कि छुट्टी के बाद भी जब बेटी घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई। परिजनों को जानकारी हुई कि बेटी को सौरभ नामक युवक बहलाकर अपने साथ भगा ले गया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि अपहरण की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर छात्रा की तलाश की जा रही है।

पुलिसकर्मियों का वीडियो वायरल

कानपुर। चकेरी के श्यामनगर में स्कूटी सवार दो पुलिसकर्मी का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसमें स्कूटी सवार पुलिसकर्मी बिना हेलमेट के जाते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है।

25 मॉडल वार्डों में चलाया जाएगा विशेष सफाई अभियान

नगर निगम बीट प्लान के अनुसार सफाई और कूड़ा उठान की व्यवस्था कराएगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर की स्वच्छता को सुदृढ़ करने के लिए नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने एक कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत अब 25 वार्डों को मॉडल वार्ड के रूप में चयनित किया गया है। इन वार्डों में विशेष अभियान चलाया जाएगा।

इन मॉडल वार्डों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी अपर नगर आयुक्त, संयुक्त नगर आयुक्त, मुख्य नगर लेखा परीक्षक, मुख्य वित्त व लेखा अधिकारी, मुख्य अभियंता व मार्ग प्रकाश अधिकारियों को सौंपी गई है। इसके तहत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, प्रतिबंधित पॉलीथिन को लेकर अभियान, नालियों-नालों की सफाई, फागिंग कराना व मैनहोल के खुले ढक्कनों को बंद कराया जाना, क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति और सीवर संधारण की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना जैसे कार्यों की समीक्षा की जाएगी। मॉडल वार्डों में सफाई कर्मियों की उपस्थिति प्रतिदिन सुबह 05:30 बजे से 06:00 बजे तक अनिवार्य रूप से दर्ज की जाएगी। अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित कर्मी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मास्टर रोल पर हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। टीमवार निगरानी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्रत्येक चयनित वार्ड में बीट प्लान के अनुसार सफाई एवं कूड़ा उठान कार्य समयबद्ध ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण। अमृत विचार

ये वार्ड हैं शामिल

- वार्ड नंबर- 78 सिविल लाइंस, 32 रायपुरवा, 24 कृष्णानगर, 26 गांधीग्राम, 92 किदवईनगर दक्षिण, 100 किदवईनगर उत्तरीय, 61 तिलकनगर, 37 अशोकनगर, 45 बर्रा गांव, 93 गोविंदनगर उत्तरीय, 52 गीतानगर, 52 गीतानगर, 85 लाजपतनगर, 107 चमनगंज, 104 जनरलगंज, 66 पशुपतिनगर, 28 हरजिंदर नगर, 77 बर्रा उत्तरी, 84 जूही कलां, 10 बेनाझावर, 05 जवाहरनगर, 45 बर्रा विश्वबैंक, 81 कौशलपुरी, 33 विजयनगर, 86 काकादेव।

ये कार्य होंगे

- इन मॉडल वार्डों के निवासियों को डोर-टू-डोर कूड़ा गाड़ी में ही कचरा डालने के लिए जागरूक किया जाएगा। प्रतिदिन न्यूनतम 50 घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में संवाद स्थापित किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को पर्यवेक्षण के रूप में नामित किया गया है। नगर आयुक्त, नगर स्वास्थ्य अधिकारी औचक निरीक्षण करेंगे।

1 वर्ष से अधिक के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र 15 दिनों में जारी करें: महापौर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में मंगलवार को महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों में विलम्ब, अनियमितताओं के सम्बन्ध में जोनल अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान महापौर ने कहा कि सबसे ज्यादा शिकायतें जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र की आती हैं। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने जोनल अधिकारियों से कहा कि 21 दिन के पूर्व के जन्म-मृत्यु के प्रमाण पत्र 24 घंटे के अन्दर जारी करें। 1 वर्ष के जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र 4 से 5 दिन और 1 वर्ष से अधिक के जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र 10 से 15 दिनों में जारी करें। नगर आयुक्त ने कहा कि जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र में किन-किन प्रपत्र की आवश्यकता है, उसे बिंदुवार सभी जोनों में बोर्ड में लिखें, साथ ही बोर्ड पर सभी जोनल अधिकारी अपना नम्बर भी अंकित करें, यदि बोर्ड पर अंकित प्रपत्र अत्यधिक प्रपत्र कोई मांगता है, तो आवेदक शिकायत कर सके। उन्होंने सभी आवेदन ऑनलाइन फीड करने के भी निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने निर्देशित किया कि अपर नगर मजिस्ट्रेट स्तर पर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के 1 वर्ष से अधिक के अनुमति के लिए लम्बित प्रमाण-पत्रों की सूची प्रति सप्ताह 2 बार सूची भेजें कि इतने प्रकरण लम्बित हैं। उन्होंने प्रति सप्ताह सभी जोन से रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस सप्ताह में कितने आवेदन आए, कितने बने, कितने लम्बित है, इसकी सूचना भी मांगी।

उन्होंने कहा कि यदि प्रमाण-पत्रों का समय से निस्तारण किया जायेगा, तो अनियमितताओं की शिकायतें भी नहीं आयेंगी। बैठक में अपर नगर आयुक्त मो. अवेश, जगदीश यादव, जोनल अधिकारी, जोन-1 विद्या सागर यादव, जोन-2 विजय कुमार जोन-3 सीपी सिंह, जोन-4 राजेश सिंह, जोन-5 अनुपम त्रिपाठी, जोन-6 रवि शंकर यादव आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में बैठक करतीं महापौर और नगर आयुक्त।

- महापौर और नगर आयुक्त ने जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्रों को लेकर की बैठक

दीपक चौधरी के पिता व अन्य परिजन। अमृत विचार

पता चलता बेटा तनाव में है तो साथ ले जाते...

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आत्महत्या से पूर्व आईआईटी सॉफ्टवेयर डेवलपर की आखिरी बार मां से हुई थी बात

अमृत विचार। सॉफ्टवेयर डेवलपर दीपक चौधरी की आत्महत्या की खबर पर उसके परिजन मंगलवार को महाराष्ट्र से शहर पहुंचे। एकलौते बेटे का शव देखकर पिता फफक पड़े। पिता नितिन शिरीष चौधरी ने बताया कि बेटे ने व्यवहार से ऐसा महसूस ही नहीं होने दिया कि वह तनाव के दौर से गुजर रहा है। परिजनों में उसकी आखिरी बातचीत रविवार शाम उसकी मां विद्या से हुई थी। दीपक ने कहा था कि गणपति पूजा में घर आएगा। अगर पता होता कि बेटा कुछ इस तरह मिलेगा तो उसे पहले ही ले जाते।

दीपक चौधरी।

मूलरूप से महाराष्ट्र जलगांव के ग्राम पंचायत जबल कोठारी निवासी नितिन शिरीष चौधरी महाराष्ट्र इलेक्ट्रिकल बोर्ड में तैनात हैं। परिवार में पत्नी विद्या, बेटी पूजा व एकलौता बेटा दीपक था। उन्होंने बताया कि बेटी महाराष्ट्र में प्रोफेसर है। आईआईटी में साफ्टवेयर डेवलपर दीपक कल्याणपुर गूबा गार्डन स्थित विजय इंक्लेव अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 1514 में अपने दोस्त अमन के साथ रहता था। अमन के अनुसार रविवार देर रात खाना खाने के बाद दीपक सोने चला गया था। अगले दिन सुबह बेल बजाई, कॉल किया, लेकिन दीपक की ओर कोई जवाब नहीं मिला। इस पर कल्याणपुर पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस कमरे में घुसी तो दीपक का शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने दीपक के परिजनों को घटना की खबर दी। एकलौते बेटे की मौत की जानकारी पाकर घरवालों में कोहराम मच गया। मंगलवार सुबह दीपक के पिता बेटे का शव लेने कानपुर आए। पोस्टमार्टम हाउस पर उन्होंने बताया कि दो माह पहले ही वह कल्याणपुर आए थे, तब आठ दिन बेटे के साथ रुके थे। उस समय बेटे के चेहरे पर तनाव, चिंता ऐसी कोई बात सामने नहीं आई। उसने अपनी मां विद्या से कहा था कि गणेश पूजा पर वह गांव आएगा। बेटे ने करीब 15 मिनट तक मां से हंसते हुए बात की, ऐसा लगा ही नहीं कि वह तनाव में है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार दीपक की मौत हैंगिंग से हुई है। विसरा सुरक्षित रखा गया है।

गंदा नाला में कूदकर मजदूर ने दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पत्नी के इलाज को पैसे न होने पर परेशान था अधेड़

अमृत विचार। दादानगर स्थित 40 फीट गहरे गंदा नाला में कूदकर अधेड़ ने आत्महत्या कर ली। नाले में छलांग लगाते देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने नाले से शव निकलवाया।

गोविंदनगर के सेवाग्राम कालोनी निवासी 50 वर्षीय रामसेवक द्विवेदी दादानगर में मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी वंदना, बहू शालिनी और बेटा रोहित है, जो पेंटर का काम करता है। दादानगर चौराहा के आसपास गुमटी व ठेला वालों ने पुलिस को बताया कि रामसेवक सुबह आया और समीप ही काली मंदिर की सीढ़ियों पर बैठा था। कुछ देर बाद उसने वहीं अपनी चप्पल उतारी और मोबाइल मंदिर परिसर में ही रख दिया। इसके बाद गहरे गंदा नाला के पास खड़ा होकर कुछ देर तक इधर से उधर देखने के बाद छलांग लगा दी। यह देख चौराहा पर मौजूद लोग पहुंचे और तत्काल गोविंदनगर पुलिस को सूचना दी। घटना की खबर पाकर परिजन भी आ गए। पुलिस ने लोगों की मदद से नाले से शव निकलवाया। बेटे ने बताया कि मां की तबियत खराब है। उनका इलाज चल रहा है। इस समय पैसों की दिक्कत होने के कारण पिता को इलाज की चिंता थी। रुपयों का प्रबंध न हो पाने से वह कई दिनों से परेशान थे। जिसके चलते यह कदम उठाया है।

झांसी से गोविंदपुरी होते हुए पुरी को विशेष ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने की अतिरिक्त व्यवस्था

अमृत विचार। त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से वाया गोविंदपुरी स्टेशन (कानपुर) पुरी के लिए विशेष साप्ताहिक ट्रेन चलेगी।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 01929 प्रत्येक शुक्रवार को 19 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक झांसी से चलेगी जबकि गाड़ी संख्या 01930 प्रत्येक शनिवार को 20 सितंबर से 29 नवंबर 2025 तक पुरी से चलेगी। इस ट्रेन में स्लीपर 4, सेकंड एसी 2, थर्ड एसी 5, इकॉनामी कोच 6 और 2 पार्सल कोच होंगे।

गाड़ी संख्या 01929 झांसी से प्रत्येक शुक्रवार को पूवार्ह्न 11.55 बजे रवाना होगी। दतिया, डबरा, ग्वालियर, मालनपुर, सोनी, भिंड इटावा होते हुए गोविंदपुरी स्टेशन सायं 5.10 बजे पहुंचेगी और 5 मिनट बाद पुरी के लिए प्रसथान करेगी। गाड़ी संख्या 01930 पुरी से प्रत्येक शनिवार को रात 11.45 बजे रवाना होगी। भुवनेश्वर, कटक, बालासोर, मिदनापुर, बांकुर, आंद्रा, गोमोह, कोडरमा, फतेहपुर होते हुए गोविंदपुरी स्टेशन (कानपुर) रात 2.40 बजे पहुंचेगी और 5 मिनट बाद झांसी के लिए रवाना होगी।

कानपुर होते हुए चल रहीं कई ट्रेनों के फेरे बढ़े

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन होते हुए चलने वाली कई ट्रेनों में त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए फेरे बढ़ाने की घोषणा की है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह के मुताबिक गाड़ी संख्या 09185 मुंबई सेंट्रल से कानपुर अनवरगंज तक चलने वाली साप्ताहिक ट्रेन जिसके संचालन की अंतिम तारीख 28 सितंबर 2025 थी, अब ये ट्रेन 28 दिसंबर 2025 तक चलती रहेगी। गाड़ी संख्या 09031 उधना-जयनगर साप्ताहिक ट्रेन की अंतिम संचालन तिथि 28 सितंबर थी, जिसे बढ़ाकर 28 दिसंबर 2025 कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 09343 डॉ. अंबेडकर नगर-पटना 26 सितंबर 2025 संचालन तिथि घोषित थी, अब ये ट्रेन 25 दिसंबर 2025 तक चलती रहेगी। गाड़ी संख्या 09043 बांद्रा से बढ़नी ये ट्रेन 28 दिसंबर तक चलती रहेगी। पहले इस ट्रेन को 29 सितंबर 2025 तक चलाया गया था। गाड़ी संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज से मुंबई सेंट्रल स्टेशन 29 दिसंबर 2025 तक चलती रहेगी। पहले ये ट्रेन 29 सितंबर 2025 तक के लिए चली थी। गाड़ी संख्या 09039 उधना से धनबाद ये साप्ताहिक ट्रेन 26 सितंबर 2025 तक चलना था लेकिन अब इसके फेरे बढ़ा दिये गये हैं, ये ट्रेन 28 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

नगर निगम में ज्ञापन लेकर अपनी समस्या बतातीं हलीम की शिक्षिकाएं। अमृत विचार

हलीम मुस्लिम कॉलेज में फेंक रहे कूड़ा, दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चमनगंज स्थित हलीम मुस्लिम इंग्लिश स्कूल में आसपास की इमारतों से घर का कचरा फेंका जाता है। इससे आजिज आकर स्कूल प्रबंधन के लोग मंगलवार को नगर निगम पहुंचे। महापौर प्रमिला पांडेय के न मिलने पर उनके कार्यालय में शिकायती पत्र दिया।

प्रधानाचार्य सबा खान ने बताया कि प्राइमरी सेक्शन की दीवार से मिले फ्लैटों से स्कूल की छत पर व परिसर में कूड़ा-कचरा फेंका जाता है। कर्मचारी हर दिन सफाई करते है लेकिन फिर कूड़ा एकत्र हो जाता है। कई बार मना किया लेकिन फ्लैट वाले नहीं मानते। इससे स्कूल में गंदगी होती और मच्छर पनपते हैं। स्कूल में पढ़ने वाले छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को खतरा रहता है। साथ ही स्कूल की दीवार से लगा एक पकड़िया का विशाल पेड़ है। इसने स्कूल की छत व दीवार को फाड़ दिया है।

पेड़ के नीचे बैठने वाले अराजक तत्व बदसलूकी करते हैं। उन्होंने दोनों ही मामलों में कार्रवाई की मांग की है।

बीमारी से परेशान युवती ने फांसी लगा जान दी

कानपुर। काकादेव में डॉक्टर की रिसेप्शनिस्ट ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव फंदे से उतरवाया व जांच-पड़ताल की। राजापुरवा निवासी अमरेंद्र बहादुर प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनकी 27 वर्षीय बेटी काजल देवी गुमटी स्थित डॉक्टर जुनेजा की क्लीनिक पर दो साल से रिसेप्शनिस्ट थी। ममेरे भाई सोनू ने बताया कि काजल के गुर्दे का ऑपरेशन हुआ था, जिस कारण वह पेट संबंधी समस्या से परेशान रहती थी। सोनू के अनुसार सोमवार को उसके पिता अमरेंद्र, मां मंजू, बहन डॉली और भाई अनुज नौकरी व काम पर गए थे। घर पर काजल की बड़ी बहन प्रिया थी, वह कमरे में सो रही थी। इसी बीच काजल पहली मंजिल पर गई और रसोई में दुपट्टे से फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

कुत्तों को पीटकर बोरी में ले जाने वालों की तलाश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जाजमऊ पुलिस ने एमरॉल्ड गुलिस्तान के केयर टेकर से की पूछताछ

अमृत विचार। गली के कुत्तों को पीटने, पैर बांधकर बोरी में भरने और फिर उन्हें फेंकने के मामले में जाजमऊ पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। मंगलवार को पुलिस ने एमरॉल्ड गुलिस्तान के केयर टेकर से पूछताछ की। पुलिस ने गुलिस्तान गेट पर एंट्री रजिस्टर को भी देखा। बाइक और स्कूटी के नंबरों के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

जाजमऊ में बीते सोमवार को तीन वीडियो वायरल हुए। जिसमें बाइक और स्कूटी सवार जाजमऊ स्थित एमरॉल्ड गुलिस्तान के अंदर कुत्तों को पीटकर, मुंह और पैर रस्सी से बांधते दिखते रहे थे। बांधने के बाद युवक कुत्तों को एक बोरी में भरकर ले जा रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद जाजमऊ के रहने वाले विद्या भूषण तिवारी ने थाने में शिकायत की। दूसरे दिन मंगलवार को पुलिस ने एमरॉल्ड के केयर टेकर को थाने बुलाकर पूछताछ की।

थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि पूछताछ में केयर टेकर ने घटना से अपना किनारा किया। बताया कि वह काफी समय से नगरनिगम से कुत्तों को पकड़ने की शिकायत कर रहे थे, लेकिन उन्होंने बाहर से किसी को भी नहीं बुलाया है। पुलिस गुलिस्तान के प्रवेश द्वार पर रखे रजिस्टर चेक कर रही है। गेट पर तैनात होने पर वाले गार्डों से भी पूछताछ की जाएगी।

विवाहिता की हत्या का प्रयास, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेलबाजार में दहेज के लिए ससुरालियों ने विवाहिता को मारापीटा। जहर देकर हत्या का प्रयास किया। पता चलने पर विवाहिता के भाई ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया और आरोपी ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रेलबाजार के चंदारी सुजातगंज निवासी मोहम्मद अंसार के अनुसार उन्होंने अपनी बहन शीबा परवीन का विवाह 14 नवंबर 2024 को मीरपुर कैंट निवासी अब्दुल इस्लाम के साथ किया था। शादी के कुछ दिनों बाद से ही आरोपी पति, सास, देवर, ननद और चाचा अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर बहन को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। मोहम्मद अंसार ने बताया कि शादी के दो माह बाद पति मो. अंसार जॉर्डन देश में नौकरी करने चला गया। वहां से फोन करके दहेज लाने की मांग करता।

अंसार ने बताया कि बीती 24 अगस्त की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे बहन ने फोन करके बताया कि देवर, सास, ननद ने मिलकर मारापीटा है और जहर खिला दिया। जिसके बाद वह बहन की ससुराल पहुंचा और उसे टाटमिल स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आंकड़ों की कहानी

छह वर्षों में शहर को इस मद में 463 .98 करोड़ रुपये जारी किए गए

6 वर्षों के अंदर शहर के वायु प्रदूषण में आया 55 फीसदी सुधार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकार की ओर से लगातार फंड दिया जा रहा है। पिछले छह वर्षों में शहर को इस मद में 463.98 करोड़ रुपये जारी किए गए। इसके सापेक्ष शहर में 76.20 फीसदी यानि की 353.57 करोड़ रुपये ही नगर निगम खर्च किए। आंकड़ों के हिसाब से इस मद में कार्य की वजह से शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक पीएम 10 पहले से बेहतर हुआ है। शासन की ओर से आई रिपोर्ट के अनुसार 6 वर्षों में शहर की हवा में 55 फीसदी तक सुधार आया है।

एक्यूआई के मद में मिले बजट से नगर निगम वायु प्रदूषण को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कई कार्य करता है। इसमें मुख्य रूप से वायु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना, प्रदूषण नियंत्रण के लिए योजनाएं बनाना, और उन योजनाओं को लागू करना शामिल है।

नगर निगम वाहनों, उद्योगों, निर्माण स्थलों, और घरेलू ईंधन के जलने की पहचान करता और उनपर रोक लगाता है। अधिक से अधिक पेड़ लगाता है। साथ ही उड़ती धूल को रोकने के लिए सड़कों का निर्माण के साथ ही फुटपाथ भी बनाता है।

पनकी में प्रदूषण नियंत्रण कंट्रोल बोर्ड के आफिस में बगल में पसरा कूड़ा। अमृत विचार

फाइनेंशियल ईयर	पीएम 10 वैल्यू
2017-18	227
2018-19	217
2019-20	200
2020-21	169
2021-22	170
2022-23	143
2023-24	125
2024-25	102

- शहर में 76.20 फीसदी यानी 353.57 करोड़ रुपये कार्यों पर खर्च किए

2017 में 227 आज 102 आई पीएम वैल्यू

- 2017 में शहर की पीएम 10 वैल्यू 227 के करीब थी। जो 2018 में 17, 2019 में 200, 2020 में 169 और साल दर साल कार्य होने से इसमें सुधार होता गया। जो अब 2025 में 102 हो रही है। शासन की रिपोर्ट के अनुसार 8 वर्षों में 55 फीसदी का सुधार हुआ है। शासन के अनु सचिव संजय कुमार तिवारी एयर क्वालिटी पर और सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।

सिटी ब्रीफ

स्टेशन पर अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह की अगुवाई में चेकिंग के दौरान एनबीडब्लू में एक वारंटी राम चरन निषाद निवासी झोपड़ी माल गोदाम थाना कलक्टरगंज क्षेत्र को सुबह 11 बजे गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसे जेल भेजा गया है।

केस्को कर्मियों ने कॉल कर लिया फीडबैक

कानपुर। उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन के निर्देश पर केस्को में 1912 कॉल सेंटर पर विभिन्न माध्यमों से आई शिकायत के निस्तारण व गुणवत्ता की समीक्षा के लिए उपभोक्ताओं को कॉल कर फीडबैक लिया। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक 1488 उपभोक्ताओं को कॉल करने पर 1250 उपभोक्ता संतुष्ट नजर आए। बाकि 164 उपभोक्ताओं के शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।

पेंशनर्स आज देंगे ज्ञापन

कानपुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य बुधवार को लखनपुर स्थित वाणिज्य कल कार्यालय दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर पहुंचेंगे और यहां पर अपर आयुक्त ग्रेड-1 को ज्ञापन देकर अपनी मुख्य मांगों को रखेंगे। ताकि उनकी समस्या का समय पर समाधान हो सके।

डफरिन अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की मौत पर मचा हंगामा

आरोप, सुबह छह बजे से 11 बजे तक प्रसूता दर्द से तड़पती रही, किसी ने नहीं देखा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बड़ा चौराहा स्थित जिला महिला अस्पताल डफरिन में मंगलवार दोपहर प्रसव के बाद दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों प्रसूता के परिजनों ने अस्तपाल में हंगामा किया और लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्होंने पुलिस बुला ली। पुलिस ने डॉक्टरों से पूछताछ की और परिजनों को समझाकर शांत कराया।

शुक्लागंज निवासी ऑटो चालक मनोज वर्मा के मुताबिक मंगलवार को सुबह छह बजे वह पत्नी निधि कश्यप को लेकर डफरिन हॉस्पिटल पहुंचे थे। आरोप है कि सुबह छह बजे से लेकर 11 बजे तक पत्नी दर्द से तड़पती रही, लेकिन इस बीच किसी भी डॉक्टर ने नहीं देखा। 11 बजे के बाद एक डॉक्टर आई और पत्नी को सीधे ऑपरेशन थिएटर ले गई। जहां पर पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया। डॉक्टरों ने बेटे की हालत नाजुक बताते हुए

मृत शिशु को गोद में लिया पिता।

- दूसरी प्रसूता को डॉक्टरों ने सोमवार को भर्ती करने से मना कर दिया था

एनआईसीयू ले जाने की सलाह दी, लेकिन जब परिजन बेटे को लेकर एनआईसीयू पहुंचे तो डॉक्टर ने बेटे को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि बच्चे को खत्म हुए काफी समय हो चुका है। जबकि पत्नी के मुताबिक मंगलवार सुबह तक बच्चा पेट में मूवमेंट कर रहा था, सुबह डॉक्टर ने बोला था कि बच्चा नीचे आ जाए, तब देखेंगे। इसके बाद लालबंगला निवासी अंजली चौहान की बेटे की भी मौत हो गई। अंजलि की मां प्रभा देवी ने बताया कि दामाद विमल चौहान टेनरी में नौकरी करते हैं। बेटी अंजलि नौ माह की गर्भवती थी। उसे सोमवार को अस्पताल लेकर आए थे, लेकिन डॉक्टरों ने भर्ती करने से मना कर दिया था। बेटी पूरी रात दर्द से तड़पती रही और उसे मंगलवार सुबह फिर अस्पताल लेकर आए। यहां पर डॉक्टरों ने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे ऑपरेशन किया, जिस दौरान अंजलि ने बेटे को जन्म दिया। डॉक्टरों ने कहा कि बेटे की मौत हो गई हैं, जबकि एक घंटे पहले तक मां और बच्चा दोनों स्वस्थ्य थे। बच्चों की मौत होने पर परिजनों ने हंगामा किया और पुलिस बुला ली। पुलिस ने परिजनों व डॉक्टरों से पूछताछ की और उसके बाद दोनों बच्चों के शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए।

गर्भ में ही खत्म हो चुके थे दोनों बच्चे

- डफरिन अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डॉ .रुचि जैन ने बताया कि निधि कश्यप ने पहले डफरिन अस्पताल में जांच व परामर्श नहीं लिया था। सुबह 11 बजे के बाद जब प्रसव कराया गया तो बच्चे की धड़कन पहले से नहीं थी। मां में खून की भी कमी थी, जिसके कारण बच्चे की मौत हो सकती है। डॉक्टरों ने कई प्रकार से प्रयास किया, लेकिन उसकी धड़कन नहीं लौटी। अंजलि सुबह सवा 10 बजे आई थी और दोपहर साढ़े 12 बजे सीजेरियन प्रसव कराया गया, प्रसव के बाद बच्चे को सांस नहीं आ रही थी और ऑपरेशन से पहले ही बच्चे की हालत गंभीर थी। परिजनों द्वारा अगर कोई शिकायती पत्र दिया जाता है तो मामले की जांच कराकर संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका का दो किलो का पार्सल 3,386 रुपये में

कानपुर। अमेरिकी टैरिफ के जवाब में केंद्र सरकार के निर्देश पर डाक विभाग ने अमेरिकी डाक सेवा को सीमित कर दिया है। अब 100 डॉलर (लगभग 8,731 रुपये) से अधिक मूल्य का पार्सल ग्राहक अमेरिका नहीं भेज सकेंगे। मंगलवार को बड़ा डाकघर में हैवी पार्सल लेकर बुक कराने गए ग्राहकों को मायूस वापस लौटना पड़ा।

चीफ पोस्ट मास्टर रवि कुमार के मुताबिक फिलहाल केवल 100 डॉलर तक के पत्र, उपहार और जरूरी दस्तावेज ही भेजे जा सकते हैं। सरकार द्वारा ये प्रतिबंध अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा 800 डॉलर तक की वस्तुओं पर मिलने वाली न्यूनतम छूट समाप्त करने के बाद लगाया गया है।

अमेरिका भेजने वाले पार्सल की दरें

- एक किलो का पार्सल 1,7,46 .40 रुपये
- दो किलो का पार्सल 1,572 .40 रुपये
- स्पीड पोस्ट से एक किलो पार्सल 2,678 .60 रुपये
- स्पीड पोस्ट से दो किलो पार्सल 3,386 .60 रुपये

सेंट्रल स्टेशन पर समाजसेवी संस्था के साथ बैठक करते अधिकारी। अमृत विचार

पटरी किनारे झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को शिक्षित करेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गरीब बच्चों को शिक्षित करने एवं व्यक्तित्व निखारने का अभियान

अमृत विचार। कानपुर सेंट्रल स्टेशन, गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन, अनवरगंज रेलवे स्टेशन के आसपास की झुग्गी झोपड़ी मलिन बस्तियों में रहने वाले ऐसे बच्चे जो गलत संगत में पड़ गए हैं, उन्हें शिक्षित करने एवं सुधारने के लिए रेलवे ने एनजीओ के माध्यम से अभियान शुरू किया है। रेलवे का तर्क है कि कुछ बच्चे गलत कार्यों में लिप्त हो जाते हैं जिससे रेलवे की छवि के साथ-साथ जनमानस को समस्याएं होती हैं।

मंगलवार को उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड कानपुर ग्रुप एवं राग ड्रीम्स व्यूअर्स एसोसिएशन (समाज सेवी संस्था) जो गरीब बच्चों के सुधार एवं शैक्षिक कार्यों के लिए प्रेरित करने का प्रयास करती है, ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया और फिर सेंट्रल स्टेशन के मीटिंग हाल में बैठक हुई। अध्यक्षता उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड्स की उपाध्यक्ष आयुषी भटनागर ने की। संचालन राजू कुमार ने किया। बैठक में तय हुआ कि झुग्गी झोपड़ी, मलिन बस्तियों में बच्चों को शिक्षित करने का काम किया जाएगा। बच्चों को नुक्कड़ नाटक, इंट्रेस्टिंग गेम्स, व्यक्तिगत विकास आत्म निर्भरत बनाने के क्षेत्र में काम किया जाएगा। रविकांत शर्मा, मंजू जोशी, अवधेश कुमार द्विवेदी, डॉ. अंकित राजपूत, एके गुप्ता, विनय शर्मा, अशोक चौधरी, अभिषेक कुमार, अतुल कुमार, सागर सिसौदिया आदि मौजूद रहे।

विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी हो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर देहात, औरैया, फर्रुखाबाद इटावा, कन्नौज के डीएम पहुंचे
- व्यापार मंडलों के सहयोग से जीएसटी पंजीकरण में करें बढ़ोत्तरी

मंडलीय समीक्षा बैठक करते मंडलायुक्त के . विजयेंद्र पांडियन। अमृत विचार

अमृत विचार। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने परिषदीय विद्यालयों में उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था की समीक्षा की और शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि छात्रों की उपस्थिति मैन्युअल न होकर टैबलेट से ऑनलाइन दर्ज की जाए। जिन विद्यालयों में ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था है, वहां नियमित मॉनिटरिंग की जाए और बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

मंगलवार को मंडल आयुक्त के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में आयुक्त शिविर कार्यालय सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, फर्रुखाबाद, इटावा एवं कन्नौज जनपदों के जिलाधिकारी सहित विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया। मंडलायुक्त ने विकास कार्यों की गति तेज करने को कहा। मंडलायुक्त ने कहा कि छात्र-छात्राओं को शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एजुकेशन लोन प्राथमिकता के आधार पर दिया जाए इसके लिए बैंकों व शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। मंडलायुक्त ने अन्नपूर्णा भवनों की प्रगति की समीक्षा की। मंडल में अब तक 427 अन्नपूर्णा भवन बनाए जा चुके हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में शासन द्वारा प्रत्येक जनपद में 150 भवन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंडलायुक्त ने कहा कि मंडल में कुल 417 प्रकरण लंबित हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। सीएम डैशबोर्ड की जुलाई माह की रैंकिंग पर समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने बताया कि औरैया जनपद को 15वीं, कन्नौज को 6वीं, फर्रुखाबाद को 57वीं, कानपुर देहात को 54वीं, कानपुर नगर को 36वीं तथा इटावा को 23वीं रैंक प्राप्त हुई है। पीएम सूर्य घर योजना, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान तथा आयुष्मान वय वंदन योजना जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति में सुधार के निर्देश दिये।

लेटर पैड पर परशुराम वाटिका का पता, नोटिस

कानपुर। भगवान परशुराम सर्वकल्याण सेवा समिति को समिति के लेटर पेड पर परशुराम वाटिका के पते का प्रयोग करने पर नोटिस दी गई है। नगर निगम उद्यान विभाग ने समिति के महामंत्री शेष नारायण त्रिवेदी पप्पू को नोटिस देते हुए समिति के लेटर पैड पर नगर निगम की संपत्ति के पते का प्रयोग करने का कारण पूछा है। नगर निगम ने यह भी कहा है कि क्या समिति इस पार्क पर अपना स्वामित्व दिखाना चाहती है।

परशुराम वाटिका में बने कमरे का संचालन भगवान परशुराम सर्वकल्याण सेवा समिति करती है। परशुराम वाटिका का पता 8/65, बृजेन्द्र स्वरूप पार्क, आर्य नगर है, जिसे समिति ने अपने लेटर पेड पर लिखवाया है। इस मामले में नगर निगम के उद्यान अधीक्षक ने नोटिस जारी किया है और समिति के महामंत्री शेष नारायण त्रिवेदी पप्पू से कहा है कि यह प्रतीत होता है कि आपके द्वारा इस पार्क पर अपना स्वामित्व होने का दृष्टिकोण परिलक्षित हो रहा है।

दिव्यांगों को फ्री उपकरण बांटेंगे, आज से रजिस्ट्रेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

दक्षिण पार्टी कार्यालय में बैठक में बोलते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर होगा आयोजन

अमृत विचार। पीएम नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन को भाजपा सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पार्टी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेगी। पीएम मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर पर सांसद रमेश अवस्थी के नेतृत्व में भाजपा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निशुल्क दिव्यांग उपकरण वितरण समारोह आयोजित करेगी। मंगलवार को केशव नगर स्थित भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने जिला पदाधिकारियों, दक्षिण क्षेत्र के पार्षदों, मण्डल अध्यक्षों एवं एलिम्को के अधिकारियों के साथ बैठक कर रूप रेखा तैयार की। शिविर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांग जनों को पंजीकरण कराने के लिए आधार कार्ड, दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र, लेकर साइड नंबर वन में मातादीन पेट्रोल पम्प पहुंचना होगा। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि पंजीकरण शिविर का उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना है। वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग जन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। भाजपा दक्षिण जिला मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह के आवास किदवई नगर, साइड नंबर वन में मातादीन पेट्रोल पम्प एवं गुरुवार को छावनी विधानसभा में श्याम नगर में पार्षद निर्देश सिंह चौहान के कार्यालय और रेलबाजार मैदान में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा दिव्यांग उपकरण पंजीकरण शिविर लगाया जाएगा। यहां एलिम्को के अधिकारी सुबह साढ़े नौ बजे से सायं पांच बजे तक पंजीकरण करेंगे। बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को सिर्फ आधार कार्ड ले कर आने पर लाभ मिलेगा और कैंप में आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे। बैठक में राम बहादुर यादव, गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, विनोद मिश्रा, पीयूष सिंह, राजन चौहान, संजय कटियार, अनुराग शुक्ला, वीरेंद्र दिवाकर, बिट्टू परिहार, विनीत दुबे, पार्षद डॉ. अखिलेश बाजपेई, गिरीश बाजपेई, विद्या वर्मा , निक्कू तिवारी, आलोक वर्मा, एलिम्को के उप महाप्रबंधक एसके त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

जलकर कार्यालय में धरना देते पार्षद व जनता। अमृत विचार

जलभराव के विरोध में धरना

कानपुर। किदवई नगर जलकर कार्यालय पर वार्ड 63 की जनसमस्याओं को लेकर पार्षद श्वेता दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने समर्थकों के साथ धरना दिया। क्षेत्र में जल भराव और सीवर भराव से लोग परेशान हैं। इस समस्या के समाधान के लिए मांग उठाई। इस अवसर पर बसु अवस्थी, मनीष गुप्ता, लाल सविता, अभिषेक तिवारी, नीरज सिंह चंदेलश् सौरभ आर्य, मंजू दुबे, बीना गुप्ता, रेनू दुबे, शगुन गुप्ता, मीरा वर्मा, महजबी बानो, फिरोज, सायरा बानो, शबनम आदि लोग मौजूद रहे।

शुभम अवस्थी डब्लूएचडी के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल

कानपुर। सांसद रमेश अवस्थी के पुत्र और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता शुभम अवस्थी को वर्ल्ड ह्यूमैनीटेरियन ड्राइव इंडिया का डिप्टी सेक्रेटरी जनरल नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति सामाजिक न्याय, युवाओं के सशक्तिकरण और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए किए गए उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करती है। डब्लूएचडी की स्थापना ब्रिटिश-भारतीय वैश्विक शांति कार्यकर्ता डॉ. अब्दुल बसित सईद ने की थी।

इलेक्ट्रिक लोको शेड के बाहर प्रदर्शन करते रेल कर्मी। अमृत विचार

रेलवे कर्मियों ने की नारेबाजी 34 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

कानपुर। अपनी 34 सूत्रीय मांगों को लेकर रेल कर्मियों ने फजलगंज स्थित लोको शेड टीएम शाप पर नारेबाजी की और रेल अधिकारियों को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो जोनल स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

मंगलवार को नार्थ सेंट्रल इंप्लाइज संघ इलेक्ट्रिक लोको शेड टीएम शाप शाखा द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। संघ द्वारा बीते कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया, जुलूस भी निकाला लेकिन रेल अधिकारियों ने अनसुना कर दिया। संघ ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन होगा। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह, प्रयागराज मंडल मंत्री चंदन कुमार सिंह, संयुक्त मंडल मंत्री गोविंद रंजन,सहायक मंडल मंत्री एस रामाराव, सहायक मंडल मंत्री दिवाकर शुक्ला समस्त शाखा अध्यक्ष शाखा पदाधिकारी मौजूद रहे।

हेल्थ जोन

शरीर विकसित होने की उम्र में छह से 12 वर्ष के बच्चों को हो रही पथरी

बच्चों की पित्त की थैली में पथरी का कारण खोजेंगे

अमृत विचार EXCLUSIVE

विकास कुमार, कानपुर

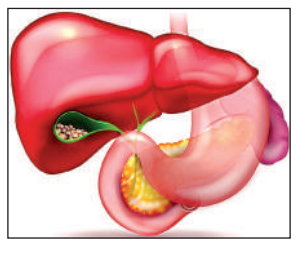

- 17 वर्षीय किशोर को फरवरी माह में पेट में दर्द की समस्या हुई थी। जब **केस 01** धीरे-धीरे दर्द असहनीय होने लगा और तकलीफ ज्यादा बढ़ने लगी तो परिजनों ने किशोर को पास के अस्पतालों में दिखाया। अल्ट्रासाउंड में पांच से 7 एमएम की पथरी की जानकारी हुई और हैलट में सर्जरी की गई।
- छह वर्ष के बच्चे को पेट में दर्द व सूजन आदि की समस्या होने पर जांच की गई तो उसके पित्त की थैली में चार से पांच एमएम की **केस 02** पथरी की जानकारी हुई। दवाओं से आराम नहीं मिलने पर लिपिड प्रोफाइल और टाइफाइड आदि संबंधित जांच कराई और ऑपरेशन किया गया।

अमृत विचार। जिस उम्र में बच्चों के शरीर का विकास होता है, वह खेलते-कूदते हैं और सभी चीजें खाते व पीते हैं, उस उम्र में बच्चों की पित्त की थैली में पथरी हो रही है। बच्चों को छोटी-छोटी पथरी होने के साथ ही बड़े आकार की भी पथरी हो रही है, जिसको लेकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग के डॉक्टर हैरान हैं। इसलिए उन्होंने बच्चों की पित्त की थैली में पथरी का कारण और उसका प्रकार जानने के लिए एक शोध शुरू किया है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.जीडी यादव ने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में इन दिनों पित्त की थैली में पथरी की समस्या बढ़ी है। प्रतिदिन की ओपीडी में ऐसे एक से दो केस देखने को मिल रहे हैं। बच्चों में तीन एमएम से लेकर सात एमएम तक की पथरी अभी तक देखी गई है, इसके अलावा कुछ पथरी टुकड़ों में भी नजर आई है। अभी तक पथरी की समस्या युवा वर्ग या अधेड़ वर्ग के लोगों में ही अधिकांश देखने को मिलती थी। बताया कि बच्चों में होने वाली पथरी की वजह जानने के लिए सर्जरी विभाग में एक शोध शुरू किया गया है, जो दो वर्ष तक चलेगा, जिसमें 100 बच्चों को शामिल किया जाएगा। शोध में पित्त की थैली की गहनता से जांच की जाएगी। उसके बाद स्टोन की जांच की जाएगी। स्टोन किस आकार का है मुख्य रूप से यह पता लगाया जाएगा। ऐसी स्टडी पहली बार शुरू हुई है, इसमें अधिकांश 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे शामिल किए जाएंगे। थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों में भी पथरी की समस्या देखी गई है, इसलिए उनको भी इस शोध में शामिल किया जाएगा। शोध में सामने आए तथ्यों के अनुसार उन्हें प्रकाशन के लिए इंटरनेशनल जनरल में भेजा जाएगा ताकि बच्चों में होने वाली पथरी का इलाज और आसान हो सके।

संजीव ने पास की वर्ल्ड एथलेटिक्स की ब्रॉन्ज लेवल परीक्षा

कानपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम के उत्तर मध्य क्षेत्रीय कार्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग में सहायक सचिव के पद पर कार्यरत संजीव कुमार सिंह ने इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन की लेवल वन परीक्षा पास करने के बाद अब वर्ल्ड एथलेटिक्स ब्रॉन्ज लेवल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। भावनीनगर निवासी संजीव ने यह परीक्षा पास कर जिले के दूसरे तकनीकी अधिकारी बन गए हैं। उत्तर प्रदेश के आठ तकनीकी अधिकारी की सूची में उन्होंने अपना नाम दर्ज कराया और जिले का गौरव बढ़ाया है। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एनके पांडेय, सचिव डॉ. नरेश चौधरी, उपाध्यक्ष विजय देवगन, वरिष्ठ संयुक्त सचिव दिनेश भदौरिया, सुरेंद्र सिंह, रंजीत सिंह ने बधाई दी।

सड़कों पर हजारों गड्ढे, नलों से गंदा पानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नगर आयुक्त को ज्ञापन देते सपा नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर की सड़कों पर हजारों गड्ढे हैं। इनमे से कई सड़कें ऐसी हैं, जिनमें बिना बारिश के भी जलभराव बना रहता है। बारिश में तो सड़कें बजरी में बदल चुकी हैं, जिनपर चलना दूभर हो गया है और लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा कई जगहों पर गंदगी फैली है, नालियां बजबजा रही हैं। लोग गंदा, दुर्गंध युक्त और पीला पानी पीने को मजबूर हैं। नगर निगम शहर की अनदेखी कर भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। यह आरोप सपा के प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त को दिए ज्ञापन में लगाए।

नगर निगम में मंगलवार को सपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने नगर आयुक्त सुधीर कुमार से मुलाकात की और शहर की वर्तमान हालत से अवगत कराते हुए उन्हें ज्ञापन दिया। गणेश चतुर्थी, बारावफात, नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा व भाई दूज के त्योहार पर शहरवासियों को समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसलिए सपा के प्रतिनिधिमंडल ने समस्याओं को हल कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि नगर निगम टूटी सड़कों की मरम्मत नहीं करा रहा है। कई ऐसे मोहल्ले हैं, जहां पीने के पानी की समस्या है। नलों से दूषित पानी, बदबू और पीला व मटमैला पानी तक आ रहा है। इस दौरान नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्पित यादव, परमवीर गंभीर, आनंद शुक्ला, नंदलाल जायसवाल, महेंद्र सिंह, रजत मिश्रा, सत्यनारायण गहरवार, शादाब आलम, अर्पित त्रिवेदी, दीपक खोटे, अरमान खान, अनूप यादव, सलाम इदरीसी व मोनू विश्वकर्मा आदि लोग रहे।

सिटी ब्रीफ

199 में से 29 शिकायतें ही निस्तारित हुईं

कानपुर। नौबस्ता और केशवपुरम हेल्पडेस्क पर मंगलवार को केस्को अधिकारियों ने कैंप का आयोजन किया, जिसमें मीटर, बिल वृद्धि, सोलर समेत आदि समस्या की 199 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से केस्को अभियंता सिर्फ 29 शिकायतों का ही निस्तारण कर सके। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक बुधवार को दादा नगर हेल्पडेस्क में कैंप लगेगा।

महामंत्री व उपाध्यक्ष का सम्मान

कानपुर। लॉयर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का मंगलवार को तलाक महल बेकनगंज स्थित अधिवक्ता हाजी नदीम अनवर के निवास पर अनवर मार्केट में एक समारोह के दौरान सम्मान हुआ। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष मंसूर आलम, अधिवक्ता हाजी नदीम अनवर, पूर्व संयुक्त मंत्री मयूर सैनी और अफरोज आलम ने नवनिर्वाचित महामंत्री भानु प्रताप सिंह चौहान और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्कर द्विवेदी का फूल–माला पहनाकर कर सम्मानित किया। अधिवक्ताओं के हित में चर्चा हुई। इस मौके पर सेवानिवृत्त पेशकार अनवर हुसैन, अधिवक्ता मृदुल त्रिवेदी, ऋषभ अवस्थी, शाहबाज हुसैन, सुफियान, असगर आलम आदि रहे।

सामवेदीय उपाकर्म में प्रायश्चित संकल्प

कानपुर। श्री शक्ति योगाश्रम नाना राव घाट मैस्कर घाट कैंट में आचार्य बलवंत भाऊ पटवर्धन के आचार्यत्व में सामवेदीय उपाकर्म संपन्न हुआ। जिसमें आचार्य ने प्रायश्चित संकल्प कराया। आचार्य बलवंत भाऊ पटवर्धन ने भक्तों को मंत्रमुग्ध किया। गंगा तट पर शिष्यों के साथ 10 विधि स्नान प्रारंभ हुआ। देवतर्पण, ऋषितर्पण, पितृतर्पण करके सूर्यार्घ देकर मध्यान्हसंध्या सूर्योपस्थान के बाद गणपति कलश एवं शालिग्राम जी की अर्चना की गई। अरुंधति एवं सप्त ऋषि पूजा करके वर्ष पर्यंत धारण करने वाले यज्ञोपवीत की ग्रंथि पूजा हुई। इसी के साथ ही देवताओं का यज्ञोपवीत में आह्वान करके अपने पितरों एवं गुरुजनों को यज्ञोपवीत दान किया गया। इसके बाद शिष्यों को यज्ञोपवीत धारण करवाया।

संस्कारों की जागृति से ही भविष्य होगा संरक्षित

महिला महाविद्यालय में छात्राओं को मानसिक, भावनात्मक व सामाजिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्वरूप नगर स्थित कानपुर विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में मंगलवार को समाज शास्त्र विभाग एवं आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी, गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार ने संयुक्त रूप से सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की। यह दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को संस्था द्वारा प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। आज की युवा पीढ़ी को कल के बेहतर समाज की नींव रखने के लिए तैयार करना है।

समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. पूर्णिमा शुक्ला ने छात्राओं को कार्यशाला की महत्ता से अवगत कराया। आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट, कन्वीनर व वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता सारस्वत ने छात्राओं को गहनता से उनके वातावरण, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, दिनचर्या आदि का जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसकी जानकारी वैज्ञानिक व आध्यात्मिक तरीके से साझा की। कहा कि संस्कारों की जागृति से ही नई पीढ़ी का भविष्य संरक्षित और संवर्धित हो सकता है।

ईश्वर के बाद यदि कोई सृजन कर सकता है तो केवल स्त्री। हमें अपने आत्मबल और शक्तियों को पहचान कर सही दिशा देकर एक नई ऊर्जा के साथ भावी पीढ़ी का निर्माण करना है। इस कार्यशाला में 55 छात्राओं ने प्रतिभाग लिया। छात्राओं को यह समझाया कि कैसे आज का युवा अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रहा है, जबकि वह उन्हीं शक्तियों का प्रयोग कर कई मुश्किल कार्य आसानी से कर सकता है। इस दौरान डॉ. पूर्णिमा शुक्ला, आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी की डिस्ट्रिक कॉर्डिनेटर नीरू तिवारी, शिक्षिकाएं व छात्राएं मौजूद रही।

मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।

कार्यशाला में मौजूद शिक्षिकाएं और छात्राएं। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं को व्यंजन बनाना सिखाया

कानपुर। सीएसजेएमयू परिसर में स्थित स्कूल आफ होटल मैनेजमेंट में अवधी पाक कला एवं आर्ट ऑफ आइसिंग एंड बेकिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। पहले दिन प्रसिद्ध अवधी व्यंजन पनीर बेगम बहार, शीरमाल, वेज दम बिरयानी, वेज गलौटी कबाब व स्पेशल स्वीट डिश मुंजूरे नजर को स्कूल आफ होटल मैनेजमेंट के सभी छात्र-छात्राओं को बनाना सिखाया। इसके साथ सभी छात्र-छात्राओं के साथ अवधी एवं मुगलई पाककला के बारे में भी जानकारी दी गई। डीन एकेडमिक प्रोफेसर प्रो. ब्रिष्टी मित्रा, अंशू यादव, डॉक्टर शिल्पा कायस्थ एवं डॉ. अंशू सिंह, स्कूल आफ होटल मैनेजमेंट के डायरेक्टर सौरभ त्रिपाठी, असिस्टेंट डायरेक्टर शेफ सिद्धार्थ सिंह आदि रहे।

प्रेम नगर में जलसे को संबोधित करते मौलाना। अमृत विचार

गरीबों को खाना जरूर खिलाओ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अल्लाह के रसूल पैगंबर मोहम्मद साहब के यौमे विलादत यानी (जन्मदिन) पर 4 सितंबर की रात में जश्ने चिरागां मनाया जाएगा। इस जश्न में पूरा शहर दुल्हन की तरह सजाने का काम शुरु हो चुका है।

मंगलवार को तंजीम बरेलवी उलमा-ए-अहले सुन्नत के द्वारा प्रेम नगर में जश्ने आमदे रसूल जलसा आयोजित किया गया। मौलाना मोहम्मद हस्सान कादरी ने अपने संबोधन में कहा कि जश्ने आमदे रसूल के मौके पर गरीबों को खाना खिलाएं, बेवाओं, यतीमों की मदद करें, चाहे वह किसी भी धर्म जाति का हो। मौलाना ने कहा कि अल्लाह के रसूल की जिंदगी को अपने अंदर उतारकर दीन दुनिया दोनों को संवारा जा सकता है। तंजीम के सदर हाफिज कारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी ने कहा कि अपने पड़ोसी को भूखा मत सोने दें, याद रखो कि अगर कोई शख्स भूखा सो गया तो कयामत के दिन अल्लाह की अदालत में पकड़े जाओगे और फिर जवाब देते नहीं बनेगा कि भूखे को खाना क्यों नहीं खिलाया था।

जश्ने चिरागां 4 को, 5 को जुलूस-ए-मोहम्मदी

रुअते हिलाल कमेटी के चेयरमैन एवं शहरकाजी डॉ. मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी ने ऐलान किया है कि माहे रबी उल अव्वल के चांद की तस्दीक हो गयी है, लिहाजा 4 सितंबर को जश्ने चिरागां होगा जबकि 5 सितंबर को ईद मीलादुन्नबी का आयोजन होगा।

काशी ज्वैलर्स ने 70वीं वर्षगांठ पर सोने के भाव में दी भारी छूट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काशी ज्वैलर्स ने अपनी 70वीं गोल्डन वर्षगांठ पर सोने के भाव में ग्राहकों को भारी छूट दी। मंगलवार को आखिरी दिन ग्राहकों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। काशी ज्वैल्र्स के मैनेजिंग पार्टनर व वाइस प्रेसिडेंट श्रेयांश कपूर ने बताया कि इस वर्ष अपनी 70वीं गोल्डन वर्षगांठ मनाते हुए अपने ग्राहकों एवं शुभचिंतको के लिये 10 हजार नई उत्कृष्ठ डिजाइनों की श्रृंखला बिरहाना रोड शोरूम में 22 अगस्त से 26 अगस्त के बीच आयोजित ज्वैलरी प्रदर्शनी में प्रस्तुत की। ग्राहकों को सोने के भाव में भारी छूट के साथ 20 प्रतिशत डायमंड ज्वैलरी पर डिस्काउंट और हर खरीद पर एक उपहार दिया गया। डॉ.देविका कपूर ने कहा कि बताया कि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित काशी ज्वैलर्स अब सम्पूर्ण भारत के सभी समुदाय के लोगों की पहली पसंद बन चुका है। काशी ज्वैलर्स निरंतर अपने बेहतरीन डिजाइन व कलेक्शन को लांच करता रहा है। जिसके चलते उसे कई बार पुरस्कृत भी किया जा चुका है।

काशी ज्वैलर्स में लगी प्रदर्शनी में ग्राहकों की भीड़। अमृत विचार

जौ की प्रजाति के लिए डॉ.विजय कुमार यादव सम्मानित

कानपुर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भारतीय गेहूं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल एवं राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर ने संयुक्त रूप से तीन दिवसीय 34वीं अखिल भारतीय गेहूं जौ अनुसंधान कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमे चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के वैज्ञानिकों द्वारा नवविकसित जौ की केबी 2031 (आजाद जौं 34) प्रजाति के विकास के लिए डॉ .विजय कुमार यादव को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने दिया। डॉ. विजय यादव ने बताया कि यह प्रजाति ऊसर भूमियों के लिए सहिष्णु है। ऊसर भूमियों में जौ के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रजाति 134 दिनों में पककर तैयार हो जाती है।

सहकारी न्यायाधिकरण, उत्तर प्रदेश, छठा तल, इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ
पत्रांक: 266/सह0न्या0 दिनांक: लखनऊ 22/08/2025
अपील संख्या 41/25
Bhai Banno Co-operative Housing Society Ltd.
Kanpur Nagar
बनाम
Nayayalaya Madhyastha/Sahayak Awas Ayukt/Sahayak Nibandhak, U.P. Awas Avam Vikas Parishad, Lucknow
दिनांक: 24.09.2025 को सुनवाई हेतु।
नोटिस बनाम:–
O.P. 1 Nayayalaya Madhyastha/Sahayak Awas Ayukt/Sahayak Nibandhak, U.P. Awas Avam Vikas Parishad, 104, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow.
O.P. 2 Smt. Nirmala Gupta (Deceased), W/o J.P. Gupta, resident of House No.- 51/74, Naughar, Kanpur Nagar
O.P. 3 Shri J.P. Gupta, resident of House No.- 51/74, Naughar, Kanpur Nagar
विषय : अपील उ0प्र0 सहकारी समिति अधिनियम 1965 की धारा 97/98 के अन्तर्गत
आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त अपील स्थगन/पुर्नस्थापन/पुर्नविलोकन/विलम्ब क्षमा प्रार्थना पत्र जिसकी प्रतिलिपि संलग्न है दिनांक 24/09/2025 को साढ़े दस बजे प्रातः न्यायाधिकरण के समक्ष लखनऊ में सुनवाई हेतु नियत है। अतः आप उक्त तिथि पर किसी अधिकृत प्रतिनिधि या अधिवक्ता द्वारा अपील/प्रार्थना पत्र का उत्तर देने हेतु उपस्थित हों अन्यथा उपरोक्त अपील/प्रार्थना पत्र की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में की जायेगी।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायाधिकरण की मोहर सहित आज दिनांक 22 माह 08 वर्ष 2025 को निकाली गयी।
सचिव
सहकारी न्यायाधिकरण,
उ0प्र0 लखनऊ

सहकारी न्यायाधिकरण, उत्तर प्रदेश, छठा तल, इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ
पत्रांक: 265/सह0न्या0 दिनांक: लखनऊ 22/08/2025
अपील संख्या 40/25
Bhai Banno Co-operative Housing Society Ltd.
Kanpur Nagar
बनाम
Nayayalaya madhyastha/Sahayak Awas Ayukt/Sahayak Nibandhak, U.P. Awas Avam Vikas Parishad, Lucknow
दिनांक: 24.09.2025 को सुनवाई हेतु।
नोटिस बनाम:–
O.P. 1 Nayayalaya Madhyastha/Sahayak Awas Ayukt/Sahayak Nibandhak, U.P. Awas Avam Vikas Parishad, 104, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow.
O.P. 2 Anurag Gupta, S/o Shri J.P. Gupta, resident of House No.- 51/74, Naughar, Kanpur Nagar
O.P. 3 Shri J.P. Gupta, resident of House No.- 51/74, Naughar, Kanpur Nagar
विषय : अपील उ0प्र0 सहकारी समिति अधिनियम 1965 की धारा 97/98 के अन्तर्गत
आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त अपील स्थगन/पुर्नस्थापन/पुर्नविलोकन/विलम्ब क्षमा प्रार्थना पत्र जिसकी प्रतिलिपि संलग्न है दिनांक 24/09/2025 को साढ़े दस बजे प्रातः न्यायाधिकरण के समक्ष लखनऊ में सुनवाई हेतु नियत है। अतः आप उक्त तिथि पर किसी अधिकृत प्रतिनिधि या अधिवक्ता द्वारा अपील/प्रार्थना पत्र का उत्तर देने हेतु उपस्थित हों अन्यथा उपरोक्त अपील/प्रार्थना पत्र की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में की जायेगी।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायाधिकरण की मोहर सहित आज दिनांक 22 माह 08 वर्ष 2025 को निकाली गयी।
सचिव
सहकारी न्यायाधिकरण,
उ0प्र0 लखनऊ

विद्यार्थियों ने संसद की गतिविधियां कीं जीवंत

कानपुर। कैंट स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में युवा संसद प्रतियोगिता के दूसरे दिन युवा संसद प्रतियोगिता के समापन समारोह में विद्यार्थियों ने संसद में होने वाली सभी गतिविधियों को जीवंत कर दिया। निर्णायक मंडल में सांसद रमेश अवस्थी, सहायक आयुक्त लखनऊ संभाग विजय कुमार और केंद्रीय विद्यालय जगदीशपुर भेल के प्राचार्य अम्बरीष गुप्ता ने सभी टीम से छह बेहतरीन वक्ता चुने। विजेता टीम पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चकेरी नंबर एक आगे जोनल स्तर पर आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में लखनऊ संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। सेना मेडल, ब्रिगेडियर शबरुल हसन ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी हमारे भारत का भविष्य हैं। आपकी प्रतिभा और मेधा ही हमारे भारत को विकसित भारत बनाएगी। सहायक आयुक्त लखनऊ संभाग विजय कुमार ने कहा कि कोई भी खाली हाथ नहीं जा रहा है, हर बच्चा कुछ न कुछ सीख कर जा रहा है। जगदीशपुर भेल के प्राचार्य अम्बरीष गुप्ता ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों ने पूरे समन्वय व टीम के साथ प्रतिभाग किया। इस दौरान प्राचार्य सोमपाल, मुख्य समन्विका डॉ.मीरा दुबे, समन्वयक द्वय मितलेश कुमारी, प्रदीप कुमार मिश्र, राजेश कुमार मिश्र, धीरज सिंह, केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य, जया शर्मा और शैलेश गुप्ता समेत आदि लोग रहे।

अखंड पाठ में मौजूद संगत। अमृत विचार

अखंड श्री संपट पाठ साहिब आरंभ

कानपुर। श्री संपट पाठ साहिब की आरम्भता के बाद सेवक रविंदर सिंह गोगी बेदी आवास पर कीर्तन, चौपाई साहब के बाद ज्ञानी त्रिलोचन सिंह ने अरदास की। इस दौरान बाबा श्री चंद्र दरबार की संगत मौजूद रही। अंत में लंगर का आयोजन किया गया। हरिंदर पाल सिंह, सतनाम सिंह सूरी, पिंकी, रेखी बेबी, नीतू,रानी, हरभजन कौरएवं नित्येश्वर आश्रम से भी लोगों ने शिरकत की।

सिटी डायरी

लोगों को मोबाइल लौटाते पुलिस अफसर।

101 मोबाइल शहरवासियों को लौटाए

कानपुर। कमिश्नरेट पुलिस ने लोगों के खोए 101 मोबाइल बरामद कर लौटाए तो उनके चेहरों पर खुशी झलकी। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह व एसीपी राजेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में सर्विलांस टीम प्रभारी पवन प्रताप सिंह का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। डीसीपी ने बताया कि सेंट्रल जोन सर्विलांस टीम ने खोए मोबाइल बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाया है। बरामद मोबाइल की कीमत करीब 22 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि कॉल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन ट्रैकिंग की आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके मोबाइल बरामद किए गए हैं। मोबाइल मिलने से लोगों के आर्थिक नुकसान की भरपाई हुई, वहीं उनका निजी डेटा भी सुरक्षित रहा है।

विजेता बच्चे प्रमाणपत्र के साथ।

जेएमडी वर्ल्ड स्कूल रहा प्रथम

कानपुर। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में टेक–ओ–इनोवा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे जेएमडी वर्ल्ड स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने बाजी मारी और स्कूल का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में युवराज सिंह ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए सैप इंजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्णिम सफलता अर्जित की। श्राविका अवस्थी व प्रांजना वर्मा ने टेक–इन मॉडल श्रेणी में प्रथम उपविजेता की ट्रॉफी हासिल कर स्कूल का गौरव बढ़ाया। प्रधानाचार्य मलिका अरोड़ा ने बधाई दी।

विजयदशमी के लिए तैयार हो रहा परेड मैदान

कानपुर। श्री राम लीला सोसाइटी परेड इस बार 149वीं विजयदशमी महापर्व का आयोजन करेगा। परेड मैदान को आयोजन के लिए तैयार किया जा रहा है। नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग, अतिक्रमण विभाग एवं श्री राम लीला सोसाइटी परेड द्वारा सुबह से देर रात्रि तक कार्य किया जा रहा है। नगर निगम के जोनल अधिकारी विद्या सागर, जोनल अभियंता एके तिवारी, जेई मानिक चंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित कुमार आलोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल रहे।

परेड मैदान में काम शुरू।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

कार्यालय नगर पालिका परिषद भरथना इटावा

पत्रांक: 226/ न0पा0प0भ0 / ईद्व–निविदा/2025–26/25 दिनांक 26–8 2025

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत (निविदा आमंत्रण सूचना)
(ई–निविदा सूचना)

कार्यालय नगर पालिका परिषद भरथना द्वारा ई–निविदा सूचना के माध्यम से 15 वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त टाइड/अन्टाइड ग्रान्ट/अवस्थाना निधि से प्राप्त धनराशि से 31 निर्माण कार्यो के ई–टेण्डर दिनांक: 04–06–2025 को कराया गया था, जिनमें से 24 निर्माण कार्यो के ई–टेण्डर दिनांक: 10–07–2025 को खोले गये थे, टाइड/अन्टाइड ग्रान्ट के शेष 07 निर्माण कार्यो के टेण्डर प्राप्त न होने के कारण पुनः 07 निर्माण कार्यो की ई–निविदा सूचना प्रकाशन करायी जा रही है, इस हेतु समस्त प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्म/पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28/08/2025 को समय प्रातः 10.00 बजे से 11/09/2025 तक दोपहर 02: 00 बजे तक ई–निविदायें (टेक्निकल एवं फाईनेन्शियल) आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा वेवसाईट www.etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। उक्त ई–निविदा दिनांक–12/09/2025 को दोपहर 02.00 बजे कार्यालय अपर जिलाधिकारी महोदय, इटावा के कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य विस्तृत जानकारी निम्नवत् है :–

क्र0सं0	नगर पालिका परिषद ANM Stage	Vendor Stage	प्रारम्भ दिनांक एव समय	अन्तिम दिनांक एव समय
01	Tender Release		28-08-2025 10.00 PM	-
02	–	Tender Download	28-08-2025 10.00 PM	11-09-2025 02.00 AM
03	Close of Bid	Bid Submission	-	11-09-2025 02.00 AM
04	Technical Bid Opening	-	-	11-09-2025 02.00 AM
05	Finance Bid Opening	-	-	After Approval of Technical Bid

नोट :– अन्य नियम व शर्तो को किसी भी कार्य दिवस में पालिका कार्यालय अथवा वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(सन्तोष कुमार मिश्रा)
अधिशासी अधिकारी
न0पा0परि0 भरथना, इटावा।

(अजय कुमार यादव)
अध्यक्ष
न0पा0परि0 भरथना, इटावा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने एल.बी.एस.एस.एन.आई.सी. बी.एन.डी. राजापुर प्रतापगढ़ से हाईस्कूल वर्ष 1999 में किया था, जिसका अंकपत्र अनुक्रमांक 0963831 वास्तव में कहीं खो गया है। **दिनेश कुमार मिश्रा पुत्र राम शंकर मिश्रा निवासी ग्राम व पोस्ट दोहरी थाना डीह तहसील सलोन जनपद रायबरेली**

सूचना
सूचित हो कि मैं दीपक सिंह (DEEPAK SINGH) पुत्र शिवशंकर सिंह (SHIV SHANKAR SINGH) माता ममता सिंह (MAMATA SINGH) पटेल नगर कसहाई रोड चित्रकूट, मो0– 7080711077, जन्म तिथि – 01/01/1998, मेरा हाईस्कूल – 2013 – अनु0 1961515. मा0शि0प0 (उ0प्र0), इण्टरमीडिएट – 2015– अनु0 1510946, बी0 एस0सी0 –2018 अनु0 3002876 – CSJMU KANPUR – BTC/DLEd-IISem – 2018 – अनु0 1916700046 – PNP PRAYAGRAJ मेरे उपरोक्त प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गये हैं।

सूचना
मैं राम सिंह कुशवाहा पुत्र श्री चंद्रिका सिंह कुशवाहा नि0: ग्राम रैया पोस्ट रामगढ़, सकलडीह, जिला चंदौली, उ0प्र0 घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री अंजलि कुशवाहा के कक्षा 8 केंद्रीय विद्यालय आर0डी0एस0ओ0 मानक नगर, लखनऊ की अंक तलिका व प्रमाण पत्र में उसकी जन्म तिथि 18.01.2011 अंकित है जो कि गलत है। उसकी सही जन्म तिथि 18.01.2010 है। जो कि ग्राम पंचायत रैया जिला चंदौली के अभिलेखों में (जन्म प्रमाण पत्र) तथा आधार कार्ड में अंकित है।

सूचना
मेरा नाम अन्जना कुमारी सिंह है। जबकि हाईस्कूल मार्कशीट एवं सर्टिफिकेट में भूलवश अन्जना कुमारी अंकित हो गया है। ये दोनों नाम एक ही समझा जाए। **अन्जना कुमारी सिंह पत्नी राकेश कुमार सिंह निवासिनी– लक्ष्मणपुरी नवाबगंज, बाराबंकी (उ.प्र.)– 225001**

सूचना
मेरा नाम हाईस्कूल के सर्टिफिकेट में रिजवान अली दर्ज है एवं आधारकार्ड आदि अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम रिज़वान अली हाशमी दर्ज है। रिजवान अली व रिज़वान अली हाशमी दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है। भविष्य में मुझे रिज़वान अली हाशमी (पुत्र नज़ीर अली हाशमी (पिता) व वकीला बेगम (माता) नि0 प्लॉट नं. 11 व 12, रहीमनगर, डुडौली, फैजुल्लागंज, बेहटा, लखनऊ) के नाम से जाना पहचाना जाये।

सूचना
सूचित हो कि मेरे पुत्र अयांश यादव का सही जन्मतिथि दि. 07–03–2018 है परन्तु नगर निगम प्रमाण पत्र में त्रुटिवश उसकी जन्मतिथि 07–03–2019 अंकित हो गयी है। जो कि गलत है। मेरी पुत्र की सही जन्मतिथि 07–03–2018 जन्म प्रमाण पत्र में अंकित की जाये– **कुसुम लता यादव पत्नी अमित कुमार निवासी– 91/5, चांदगंज गार्डन, लखनऊ**

सूचना
मैं **शांती देवी पत्नी अनंत राम, निवासी– नहरवल सुन्धियामऊ जिला बाराबंकी,** यह कि मेरा नाम पालिसी सं0 218722917 में राजेश्वरी देवी लिखा हुआ है जबकि सही नाम शांती देवी है जो सही व सत्य है। शांती देवी एवं राजेश्वरी देवी दोनों से जाना व पहचाना जाता है दोनों नाम मेरे ही है अन्य किसी व्यक्ति के नहीं है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2016 अनुक्रमांक 1443883 अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **वैशाली गुप्ता पुत्री ब्रिजेंद्र गुप्ता निवासी ग्रा. निगोही, पो. टेकारी दांदू, डीह, जिला रायबरेली।**

सूचना
मैंने अपना नाम राजीव कुमार शुक्ला से बदलकर राजीव शुक्ला रख लिया है भविष्य में मुझे राजीव शुक्ला पुत्र श्री वीरेंद्र कुमार ग्राम पिपरी, नोनाहा कलां, चौबेपुर कानपुर से जाना जाये

सूचना
मैं शिव दर्शन पुत्र परसुराम निवासी राम प्रसाद पुरवा तुलसीपुर माझा गोण्डा यह कि आधार कार्ड सं0 3974 3535 5158 है तथा आधार कार्ड में मेरा नाम सुदर्शन SUDARSHAN अंकित है, जबकि मेरा नाम शिव दर्शन पुत्र परसुराम परिवार रजिस्टर राम प्रसाद पुरपवा, तुलसीपुर मांझा जनपद गोण्डा में व खतौनी ग्राम–तुलसीपुर मांझा तहसील तरबंगंज, जनपद–गोण्डा में अंकित है। त्रुटिवश आधार कार्ड व पैन कार्ड संख्या–SFAPS37775D में भी सुदर्शन व वोटर कार्ड संख्या–ADK0001990 में भी अंकित है। अतः मेरे आधार कार्ड पैन कार्ड व मतदाता कार्ड में सुदर्शन के स्थान पर शिव दर्शन पुत्र परसुराम अंकित किया जाय।

सूचना
मैने अपने भाई आशीष शर्मा, अमित शर्मा पुत्र नरेन्द्र शर्मा, अजय कुमारी पत्नी अमित शर्मा, इन्दू शर्मा पत्नी आशीष शर्मा निवासीगण– गिरसी थाना रेउना कानपुर नगर से उनके आचरण एवं कृत्य बहुत खराब है से दुखी होकर उक्त पारिवारिक जनों से अपना सम्बध विच्छेद करती हूँ! **रेनू भट्ट पत्नी कुलदीप कुमार, निवासी– गिरसी, थाना रेउना कानपुर नगर**

सूचना
सूचित हो कि मैं **दिनेश कुमार पुत्र रामलखन** मेरा पुत्र प्रशांत शर्मा गलत सोहबत में पड़ गया है मेरे समझाने के बावजूद भी मेरे नियंत्रण से बाहर है ऐसी स्थिति में कोई व्यक्ति उससे किसी प्रकार का कोई लेन–देन अथवा अन्य प्रकार से वास्ता रखता है तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा। अगर वह किसी भी प्रकार का कोई नैतिक–अनैतिक कार्य करता है तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे पत्नी नीतू शर्मा व परिवार के कोई भी सदस्य से उसका कोई भी वास्ता नहीं होगा। **दिनेश कुमार पुत्र रामलखन नीतू शर्मा पत्नी दिनेश कुमार निवासी ग्राम लखना जिला इटावा**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पिता बाबूलाल निषाद पुत्र स्व0 लोटन निषाद निवासी अमवा मजरा बकटा खुर्द थाना राजापुर तहसील राजापुर जिला चित्रकूट हाल पता ग्राम सैदपुर थाना धाता तहसील खागा जिला फतेहपुर का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है अतः इनके द्वारा किसी भी प्रकार की चल अचल संपत्ति क्रय विक्रय करने वाले स्वयं जिम्मेदार होंगे । **सुनील निषाद, अनिल निषाद पुत्रगण बाबूलाल निषाद, निवासी– ग्राम अमवा मजरा बकटा खुर्द थाना राजापुर तहसील राजापुर जिला चित्रकूट, वर्तमान पता– ग्राम सैदपुर थाना धाता तहसील खागा जिला फतेहपुर, 8318670137**

सूचना
मैं **रोहन बाबू पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद निवासी 133/63 सांवलदास का मंदिर जूही नहरिया बारा देवी, कानपुर नगर** यह सूचित करता हूँ कि मेरी हाईस्कूल (10वीं) की वर्ष 2023 की अंकपत्र (मार्कशीट) रोल नंबर 1231266821 की मूल प्रति दिनांक 11.08.2025 को रास्ते में गुम हो गई है। यदि किसी को यह दस्तावेज़ प्राप्त हो तो कृपया उपरोक्त पते या मोबाइल नंबर 9336938693 पर संपर्क करें।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरा नाम अक्षत शर्मा पुत्र दिनेश कुमार ,माता का नाम अंजू देवी था।मुझे दिनाँक 02–05–2014 को श्रीमती छविराजी पत्नी वृज बिहारी शर्मा के द्वारा रजिस्टर्ड गोदनामा संख्या 229/232 के आधार पर गोद लिया गया है। दिनाँक 02–05–2014 से मेरा नाम बदलकर विवेक शर्मा पुत्र वृजबिहारी शर्मा,माता का नाम छविराजी के नाम से जाना व पहचाना जाय। एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता हैं कि उपयुक्त के सम्बंध में समस्त विधिक औपचारिकताये स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं। **विवेक शर्मा पुत्र वृजबिहारी, निवासी– ग्राम करौहा, पोस्ट करोहामान तहसील मनकापुर जिला गोंडा**

सिटी ब्रीफ

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला युवक का शव

नवाबगंज उन्नाव अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के सेमरा गांव के सामने कानपुर-लखनऊ रेलवे ट्रैक पर एक 35 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। वह काले रंग का लोवर व लाल-काला चेकदार शर्ट पहने था। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से प्रयास किये जा रहे हैं। शव मोर्चरी में रखवाया गया है।

पीस कमेटी की बैठक में कोतवाल ने दिये निर्देश

नवाबगंज उन्नाव अमृत विचार। गणेश चतुर्थी व बारावफात आदि पर्वों को देखते हुए अजगैन कोतवाली में मंगलवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने की। इसमें क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं व डिजिटल वालंटियर्स ने हिस्सा लिया। बैठक में सभी ने आपसी सौहार्द बनाए रखते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का संकल्प दोहराया। कोतवाली प्रभारी ने मौजूद लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि त्योहारों के समय कानून-व्यवस्था व सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने व सामाजिक सद्भाव बनाए रखने पर जोर दिया।

संस्थापक के जन्मदिन पर होगा वार्षिकोत्सव

उन्नाव अमृत विचार। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज सिविल लाइन के संस्थापक पं. रामशंकर त्रिपाठी के 98वें जन्मदिन पर आयोजित 38वां त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव 28 से 30 अगस्त तक कॉलेज परिसर में होगा। जानकारी देते हुए प्रबंधक ओम शंकर त्रिपाठी व प्रधानाचार्य अशोक शुक्ला ने बताया कि 28 अगस्त को निबंध लेखन व अंतर विद्यालयीय प्रतियोगिताएं होंगी। 29 को शैक्षिक व सांस्कृतिक प्रदर्शनी व पुरस्कार वितरण होगा। 30 अगस्त को हवन-पूजन व मंगल कामना के साथ प्रसाद वितरण होगा। अपरान्ह 4 बजे से कवि गोष्ठी आयोजित की गई है।

सौहार्द के लिए हुई पीस कमेटी की बैठक

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। गणेश चतुर्थी और बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के उद्देश्य से मंगलवार को गंगाघाट कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एडीएम सुशील कुमार ने की। इस मौके पर एएसपी अखिलेश सिंह, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी, सीओ सिटी दीपक यादव व कोतवाली प्रभारी पीके मिश्रा मौजूद रहे। बैठक में थाना क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, विभिन्न धर्मों के गुरुओं और डिजिटल वालंटियर्स ने भाग लिया। अधिकारियों ने सभी से प्रशासन को सहयोग करने और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि शांति और सौहार्द कायम रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचना चाहिए।

जयंती पर याद किए गए अनवार अहमद

उन्नाव अमृत विचार। समाजवादी पार्टी से सांसद, मंत्री, एमएलसी व सपा के जिलाध्यक्ष रहे स्व. अनवार अहमद 'बाबू जी' की जयंती पर एक गोष्ठी का आयोजन सपा कार्यालय में किया गया। इसमें जिलाध्यक्ष राजेश यादव सहित अन्य नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने 'बाबूजी' के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व व जीवन को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पूर्व मंत्री सुधीर रावत, अंकित परिहार, जिला उपाध्यक्ष हाजी सैय्यद इरफान, शिवशंकर वर्मा, नरेंद्र लोधी, अमन अंजुम, लकी यादव, राहुल अग्निहोत्री, अंकित यादव, जितेंद्र कुशवाहा, रामबहादुर यादव, प्रेम यादव, शरीफ ख़ान, मोहित लोधी, नितिन पटेल, मनीष सैनी, नीरज यादव, बच्चूलाल यादव, अजय यादव, छोटेलाल भारतीय आदि रहे।

घर में पधारो गजानन जी, मेरे घर में पधारो

गणेश चतुर्थी पर घरों और पंडालों में आज विराजेंगे गणपति महाराज, स्वागत की तैयारियां हुईं पूरी

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। नगर में विघ्नहर्ता और मंगलमूर्ति गणेश के आगमन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक दस दिनों तक गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि विधान के साथ प्रतिमाओं की स्थापना कर महोत्सव का शुभारंभ होगा।

इस अवसर पर नगर के मंदिरों, सोसाइटियों और घरों में भी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। श्री सिद्ध विनायक गणपति मंडल की ओर से साकेतपुरी नेहरू नगर में 27 अगस्त से 6 सितंबर तक गणेश महोत्सव मनाया जाएगा। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। कुछ श्रद्धालु नगर के बाहर गगनीखेड़ा झील के किनारे भी मूर्तियों का विसर्जन करेंगे। इसके अलावा श्री गणेश नवयुवक सेवा समिति की ओर से गायत्रीनगर में 29वां गणेश महोत्सव धूमधाम से आयोजित होगा। त्योहार को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था की तैयारियां पूरी कर ली हैं। राजधानी मार्ग, पोनी रोड, मिश्रा कॉलोनी, चंपापुरवा, नेहरू नगर, कंचन नगर और साकेतपुरी समेत कई स्थानों पर आज गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। वहीं श्रीनगर और ब्रह्म नगर गणेश महोत्सव समिति द्वारा तिरंगा चौराहे पर भव्य आयोजन होगा। गणेश महोत्सव के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। दूसरी ओर बाजारों में गणपति के प्रिय भोग मोदक की मांग बढ़ गई है। दुकानों पर चावल, गुड़, नारियल, पंजीरी और बूंदी के लड्डू विशेष रूप से बनाए जा रहे हैं। इनकी कीमत 450 से 850 रुपये प्रति किलो तक है। गणपति बप्पा के स्वागत को लेकर नगर उत्साह से सराबोर है। श्रद्धालु आज घरों और पंडालों में गणपति की प्रतिमा स्थापित कर महोत्सव की शुरुआत करेंगे।

साकेतपुरी में तैयार होता पंडाल और वहां रखी गणपति की प्रतिमा। अमृत विचार

राजधानी मार्ग पर बप्पा की प्रतिमा खरीदते लोग। अमृत विचार

प्रतिमा विसर्जन रूट का निरीक्षण कर अधिकारियों ने दिए निर्देश

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। गणेश महोत्सव की शुरुआत से पहले मंगलवार को गगनीखेड़ा झील पर प्रतिमा विसर्जन व रूट व्यवस्था का निरीक्षण अधिकारियों ने किया। एडीएम सुशील कुमार, एएसपी अखिलेश सिंह, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी व सीओ सिटी दीपक यादव ने झील का दौरा कर स्थल की तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ईओ मुकेश कुमार मिश्रा को झील के आसपास साफ-सफाई, बैरीकेडिंग और लाइटिंग व पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने विसर्जन मार्ग को लेकर भी चर्चा की। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु उन्नाव और मगरवारा से प्रतिमाओं को सहजनी मार्ग से गगनीखेड़ा झील तक ले जाएंगे। इसके अतिरिक्त चंपापुरवा-नेतुआ मार्ग से भी प्रतिमा विसर्जन की सुविधा रहेगी। एडीएम ने बताया कि आरओबी के निर्माण कार्य के कारण मरहला चौराहे से मार्ग बंद है, लेकिन राज्य सेतु निगम से अनुमति मिलने पर शुक्लागंज की प्रतिमाओं को इसी मार्ग से निकाला जा सकता है।

भादों के मंगल पर संकट मोचन का हुआ शृंगार

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। भादौ माह के मंगल के अवसर पर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हनुमान मंदिरों में बाबा का भव्य श्रंगार किया गया। इस दिन विशेष रूप से सुंदरकांड का आयोजन हुआ। भादौ के मंगल को लेकर सुबह से ही नगर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मची रही। वहीं पोनी रोड तिराहे स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर में विशेष श्रंगार किया गया और बाबा के गुणगान के साथ भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। शाम को स्थानीय कलाकारों ने झांकी प्रस्तुत की, जिसमें मण्डलीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सोनू सैनी, अर्जुन साहू, विशाल गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, चल्लू, विकास, दीपक, सोनू सविता, अजय गुप्ता और अरविंद चौधरी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। वहीं देर रात विशाल धनुषभंग का आयोजन भी किया जायेगा।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में किया गया भव्य शृंगार। अमृत विचार

श्री सीताराम महाराज की पुण्यतिथि पर हुये अनुष्ठान

शुक्लागंज (उन्नाव)। चंपापुरवा स्थित पंचमुखी और चिंताहरण हनुमान जी महाराज मंदिर एवं श्री सीताराम बाबा आश्रम में श्री सीताराम महाराज जी की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आश्रम के पुजारी गोविंद दास ने बताया कि मंगलवार को महाराज जी के अखंड सीताराम कीर्तन और चरण पादुका पूजन हुआ। बुधवार को पुण्यतिथि के दूसरे दिन महाराज जी की शोभायात्रा एवं श्रृंगार होगा। कार्यक्रम में नासिक से विलास शुक्ला, हरिश्चंद्र बाजपेई, छोटू, अनुराग कुशवाहा, अंकित राय और अभिषेक बाजपेई समेत अन्य सेवक शामिल हुए।

अनवार अहमद को याद करते कार्यकर्ता।

अनवार अहमद की जयंती मनाई

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। उन्नाव जिले के पूर्व ज़िला अध्यक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता और प्रदेश सरकार में मंत्री रहे अनवार अहमद बाबूजी की जयंती श्रद्धा और सादगीपूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता उमा लाल यादव के आवास पर आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बाबूजी के चित्र पर माल्यार्पण कर हुई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उमा लाल यादव ने उन्हें समाजवादी विचारधारा का वाहक और हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बताया। वहीं समाजसेवी वीरेंद्र शुक्ला ने कहा कि बाबूजी ने राजनीति को समाज सेवा का माध्यम बनाया और गरीब, किसान, मजदूर वर्ग की आवाज़ बने। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजन कनौजिया, सुनील यादव लाली, त्रिमल सिंह, दिलीप यादव, राकेश, दीपू लोधी, पंकज यादव, शिव यादव, सुरेश निषाद, पवन निषाद, अनिल सिंह, सुशील जायसवाल, विशाल नेता समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24 घंटे में 6 सेमी घटा गंगा का जलस्तर, मुसीबतें जस की तस

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने के कारण नगर के पॉश इलाके व तटीय क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गए थे। अधिकतर परिवारों ने दूसरी मंजिल या छतों पर डेरा डाल रखा है। हालांकि केन्द्रीय जल आयोग की मानें तो बीते 24 घंटे में जलस्तर में 6 सेंमी की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार शाम 6 बजे जलस्तर 112.780 मीटर था। जो मंगलवार शाम 6 बजे 112.720 मीटर पर आ गया।

हालांकि जलस्तर घटने के बावजूद गोताखोर, कर्बला, हुसैन नगर, चंपापुरवा, मनसुख खेड़ा, मोहम्मद नगर, तेजीपुरवा, गगनीखेड़ा, इंद्रानगर, रविदासनगर, श्रीनगर, गंगानगर, रहमत नगर, विष्णुपुरी, अखलाक नगर और झब्बूपुरवा सहित करीब दो दर्जन मोहल्लों में अभी भी पानी भरा हुआ है। निचले इलाके और प्लाटों में पानी जमा होने के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ पीड़ितों को खुले आसमान के नीचे खाना बनाने और रोजमर्रा के कामकाज में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में पानी धीरे-धीरे बाहर निकल रहा है, लेकिन अधिकांश घरों के आसपास अब भी जलभराव बना हुआ है। प्रशासन ने राहत कार्यों को तेज कर दिया है।

समाजसेवी ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री देते समाजसेवी।

शुक्लागंज (उन्नाव)। समाजसेवी वीरेंद्र शुक्ला ने मंगलवार को उन्होंने गंगा किनारे बसे परियर के देवीपुरवा, बंदनपुरवा और हाजीपुर गांवों में लंच पैकेट बांटे। बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री मिलने पर लोगों ने कृतज्ञता जताई। वीरेंद्र शुक्ला ने कहा कि आपदा की घड़ी में हर किसी को जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर उमा लाल यादव, मिंटू निषाद, राजन कनौजिया, पूर्व प्रधान राज वर्मा, अविरल शुक्ला, मयंक तिवारी, ईशांत तिवारी, सुरेश निषाद और पूर्व प्रधान सुंदर निषाद मौजूद रहे।

कलह के चलते वृद्ध ने पेड़ से लटककर दी जान

उन्नाव अमृत विचार। गांव के बाहर बाग में लगे पेड़ पर फंदे से लटककर 62 वर्षीय वृद्ध ने जीवनलीला खत्म कर ली। उसका शव लटका देख बेहाल परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। इसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। वृद्ध पर अपनी जमीन को धोखाधड़ी से दो बार बेचने का दर्ज था। इसे लेकर उसकी परिजनों से कलह होती थी।

पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गांव बनिगांव निवासी गेंदालाल (62) पुत्र स्व. मिश्रीलाल कानपुर में रिक्शा चलाता था। बीते एक सप्ताह से वह घर पर था। बताते हैं कि उसने अपने हिस्से भूमि बहुत पहले बेची थी। लेकिन क्रेता ने उसका दाखिल-खारिज नहीं कराया। इसका फायदा उठाकर उसने फिर से वही भूमि दूसरे को बेच दी। इस पर पहले खरीददार ने पुलिस ने शिकायत की। जिसकी जांच में आरोप सही मिलने पर उस पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ था। इसे लेकर उसकी पत्नी धनावती व बेटे पिता के इस कृत्य का विरोध करते थे। इसे लेकर परिवार में कलह भी होती थी। इससे परेशान गेंदालाल भोरपहर शौच के लिए घर से निकला और गांव के बाहर रामचंद्र सिंह के बाग में आम के पेड़ में मफलर का फंदा बनाकर लटक गया। पुलिस ने जांच के बाद शव नीचे उतरवाया और मोर्चरी भेजा। गेंदालाल के चार बेटों में बड़ा मनोज कुवैत में है। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि पारिवारिक कलह में वृद्ध ने आत्महत्या की है।

एसिड अटैक के दोषी को 10 साल की सजा

उन्नाव अमृत विचार। मारपीट के दौरान एसिड से हमला करने के दोषी युवक को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने उस पर 26 हजार का जुर्माना भी लगाया है। पुरवा कोतवाली पुलिस ने वादी की तहरीर पर 2 अक्टूबर-2016 को क्षेत्र के मोहम्मदपुरवा गांव निवासी राज कुमार पर मारपीट व गाली गलौज के साथ तेजाब से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज की थी। 3 दिसंबर-2016 को पुलिस ने उसे पकड़कर जेल भेजा था। आईओ शिवनरेश सिंह ने जांच में साक्ष्य एकत्र कर 22 दिसंबर-2016 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस कोर्ट में विचाराधीन था। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई एडीजे-1 की कोर्ट में पूरी हुई। न्यायाधीश स्वतंत्र प्रकाश सिंह ने शासकीय अधिवक्ता दीपक मिश्रा की दलील व साक्ष्य के आधार पर राजकुमार को दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई।

तालाब में उतराता मिला युवक का शव, कोहराम

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के सरांय जोगा गांव में मंगलवार सुबह नहर की पुलिया के नीचे एक 40 वर्षीय युवक का शव पड़ा देख वहां ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने जांच कराकर पहचान होने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

लवकुश यादव।

प्रतापगढ़ जिला के थाना रानीगंज के दांदूपुर नई बाजार गांव निवासी लवकुश यादव (40) सोहरामऊ क्षेत्र के सरांय जोगा गांव स्थित एक वेयर हाउस में सुपर वाइजर था। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे उसका शव गांव के बाहर से निकली नहर में पुलिया के नीचे फंसा देख वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव बाहर निकलवाकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। लवकुश गांव में लल्लू लोधी के घर में किराए पर रहता था। उसकी दो बेटियां नैंसी (15) व नैना (11) हैं। पति की मौत की खबर से पत्नी सपना व मां शांति देवी रो-रोकर बेहाल हैं। पिता इंद्रमणी यादव ने बताया कि लवकुश तीन भाइयों में अशोक व अजय से बड़ा था।

एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होगा। सभी बिंदुओं में जांच चल रही है।

डूबने से मौत की पुष्टि सिर में चोट मिली

उन्नाव अमृत विचार। लवकुश की मौत के बाद परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने शव का पीएम कराया। लवकुश के शराब का लती होने की बात भी सामने आई है। पीएम रिपोर्ट में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई लेकिन सिर में एक चोट मिली है। इससे उसके पुलिया से गिरने की भी संभावना जताई गई है। पुलिस इसकी गहनता से जांच कर रही है।

बैठक को संबोधित करते सीडीओ। अमृत विचार

सीडीओ ने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। जिला पोषण समिति की बैठक सीडीओ कृति राज की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। इसमें एफआरएस, पोषण टैकर, सैम बच्चों का चिन्हांकन, नैफेड व टीएचआर द्वारा आपूर्ति पोषाहार, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अन्तर्गत पंजीकृत लाभार्थियों की प्रगति, पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती बच्चे, सैम बच्चों को उपलब्ध होने वाले दूध, आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण, कायाकल्प अभियान प्रगति समीक्षा की गई। समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत लाभार्थियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने व सम्भव अभियान में चिन्हित सैम बच्चों को ई-कवच पोर्टल पर फीडिंग कराने व आंगनवाड़ी केन्द्रों को समय से पूर्ण कराने से सम्बन्धित कन्वर्जन विभागाध्यक्षों व बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिये गये। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्साधीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

पत्नी का शव देख फफक पड़ा पति

उन्नाव अमृत विचार। ससुर के साथ बीमार बेटे की दवा लेने जाते समय ई-रिक्शा की टक्कर से महिला की मौत हो गई। इसकी सूचना पर चेन्नई में नौकरी कर रहे पति के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पत्नी का शव देख वह बेहाल रहा। मौरावां थानाक्षेत्र के टोपरा गांव के मजरा भैयाखेड़ा निवासी संदीप पुत्र रंजन चेन्नई में एक मैदा मिल में नौकरी करता है। घर में उसकी पत्नी पूजा (25) छेदना अपने ससुर के साथ बेटी प्रतिभा व 6 माह के बेटे अयांश के साथ रहती थी। बीती सोमवार देरशाम बेटे की तबियत खराब होने पर पूजा ससुर के साथ बाइक से दवा लेने गई थी। तभी थानाक्षेत्र के पुरवा-मौरावां मार्ग पर बसहा तिराहे के पास स्थित कुरैता मोड़ पर तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने बाइक में टक्कर मार दी। इसमें 100 बेड अस्पताल पहुंचने तक उसकी मौत हो गई। वहीं ससुर को भी चोट आई थीं। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाया था। हादसे की खबर पर संदीप किसी तरह किराए की व्यवस्था कर हवाई जहाज से सोमवार सुबह मोर्चरी पहुंचा और पत्नी का शव देख बेहाल हो गया।

पौधरोपण के दौरान बैठे डीएसएम के बच्चे। अमृत विचार

पौधरोपण कर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

- हरे परिधान पहन कर स्कूल पहुंचे बच्चों ने मोह लिया मन

अमृत विचार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए डीएसएम पब्लिक स्कूल में मंगलवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे हरे परिधान में सजकर पहुंचे और छोटे-छोटे पौधे लगाकर प्रकृति से जुड़ाव का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया।

पौधरोपण में ऐश्वर्य, अद्विका, अक्षिता, कृषि, आद्रीका, क्रियांश, वाची, शताक्षी, रूद्र, रक्षित समेत कई बच्चों ने शिक्षिकाओं के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न पौधे लगाए। इस दौरान बच्चों के उत्साह से पूरा वातावरण आनंदमय हो उठा। प्रधानाचार्या रीता सिंह ने कहा कि पौधरोपण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वहीं विद्यालय प्रबंधक अवनीश शुक्ला ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण सुरक्षित रह सके।

हरतालिका तीज पर विशेष | रौतापुर स्थित मंदिर में शिवलिंग त्रेता युग में महर्षि वाल्मीकि द्वारा स्थापित किये जाने की है मान्यता, खुदाई में मिले थे धनुष-बाण

लवकुश की क्रीड़ास्थली रहा है सिद्धनाथपुरी शिव मंदिर

पुनीत अवस्थी, सरोसी उन्नाव

अमृत विचार। शहर से 18 किमी दूर रौतापुर गांव स्थित प्राचीन 'सिद्धनाथपुरी शिव मंदिर' आस्था का बड़ा केंद्र है। मान्यता है कि यह स्थान भगवान श्रीराम के पुत्र 'लव व कुश की क्रीड़ास्थली' रहा है। बुजुर्गों के अनुसार यह शिवलिंग त्रेता युग में महर्षि वाल्मीकि द्वारा स्थापित किया गया था। कभी घने जंगलों के बीच स्थित यह मंदिर आज गंगा किनारे ग्रामीण आस्था का केंद्र बना हुआ है।

मंदिर परिसर में कभी एक विशाल कुआं भी था। पुरानी खुदाई में यहां से विशेष प्रकार के 'धनुष-बाण' मिलने का उल्लेख भी ग्रामीण करते हैं जो लव-कुश की स्मृतियों से जुड़ा है। मंदिर के ठीक पीछे से गंगा की धारा बहती है। सावन अलावा 'भाद्रपद मास की हरतालिका तीज' पर यहां विशेष भीड़ उमड़ती है। महिलाएं व्रत रखकर गंगा स्नान करती हैं और शिवलिंग पर दूध-बेलपत्र चढ़ाकर पूजा करती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर परिसर के पीपल के पेड़ पर निवास करने वाले दो फन वाले प्राचीन नाग-नागिन का जोड़ा कई बार देखा गया है। लोगों का कहना है कि अक्सर उन्हें मंदिर में प्रवेश करते देखा जाता है। आश्चर्य की बात है कि अब तक उन्होंने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। मंदिर की देखरेख के लिए करीब '18 बीघा कृषि भूमि' लगी है। उससे होने वाली आय से ही मंदिर का रखरखाव किया जाता है। यहां कभी संत 'विश्वम्भर दयालु त्रिपाठी' ने रहकर वर्षों तक मंदिर की सेवा की। उस समय एक बार शिवलिंग बीच से चटक गया था। संत ने ग्रामीणों से रोजाना 'दूध और बताशे' से अभिषेक करने को कहा। चमत्कारिक रूप से 15 दिन में शिवलिंग फिर से जुड़ गया। आज भी श्रद्धालु इस घटना को शिव शक्ति का चमत्कार मानते हैं। लगभग 150 वर्ष की आयु में संत का निधन होने पर मंदिर प्रांगण में ही उनकी समाधि और मूर्ति बनाई गई है।

रौतापुर गांव स्थित प्राचीन सिद्धनाथपुरी शिव मंदिर। अमृत विचार

मंदिर में स्थापित शिवलिंग।

महिलाओं ने रखा हरितालिका व्रत

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। पति की दीर्घायु के लिये रखे जाने वाले व्रत के लिए महिलाओं सोमवार को खरीददारी की। महिलाओं ने पूजा अर्चना के लिए भगवान शिव पार्वती की प्रतिमाएं खरीदी। जिसके बाद मंगलवार को विधि विधान से गंगा स्नान कर पूजा अर्चना की।

हिन्दू धर्म के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरितालिका तीज का व्रत किया जाता है। यह व्रत महिला प्रधान है। इसी दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रहकर अपने परिवार की सुख शान्ति तथा अखंड सौभाग्य के लिए भगवान से प्रार्थना करती हैं। व्रत करने वाले को शरीर के कष्ट सहना पड़ता है इसलिए इसे तप भी कहा जाता है माता पार्वती ने ऐसा ही तप कर भगवान शंकर जी को पति के रूप में प्राप्त किया था। महिलाओं ने दिन भर व्रत रखने के बाद शाम के समय गंगा स्नान किया। जहां आनंद घाट, गंगा विशुन घाट, दोनों पुलों के बीच, शिव पंडा घाट में महिलाओं की भीड़ रही। हरतालिका तीज का व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती को रेशम के वस्त्र अर्पित करने का विधान है। तीज की पूजा सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में करना सबसे शुभ माना जाता है। हरतालिका तीज व्रत में रात्रि जागरण का विशेष महत्व होता है।

हरितालिका तीज पर नमामि गंगे घाट पर गंगा स्नान करतीं महिलाएं।

अमृत विचार

बुधवार, 27 अगस्त 2025

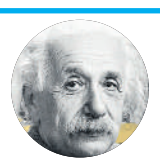

बीते कल से सीखो, आज के लिए जियो, कल के लिए आशा रखो।

–अल्बर्ट आइंस्टीन, जर्मन वैज्ञानिक

संप्रभुता पर समझौता नहीं

अमेरिका 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ थोपेगा, संभवतः प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी पहले से थी, इसलिए आधिकारिक नोटिस आने से पहले ही उन्होंने सार्वजनिक कर दिया कि भारत किसका क्या खरीदेगा, यह कोई और तय नहीं करेगा। भले ही ऊंचे टैरिफ का दबाव झेलना पड़े, पर वे अपनी संप्रभुता के निर्णयों से कोई समझौता नहीं करेंगे। साहसिक और प्रभावी नेतृत्व का परिचय देते हुए उन्होंने अमेरिका या ट्रंप का नाम लिए बिना एक सख्त संदेश दिया। उनके इस रुख से स्पष्ट हुआ कि अमेरिका चाहे जितनी महाशक्ति हो, पर भारत भी ऐसी ताकत है जो किसी की बेजा इच्छाओं के समक्ष झुकेगा नहीं। अब देशवासियों के सामने यह बात स्पष्ट है कि सरकार कृषि, किसानों, छोटे उद्यमियों, दुकानदारों और टैरिफ से प्रभावित होने वाले अन्य कमजोर वर्गों के साथ दृढ़ता से खड़ी है।

प्रधानमंत्री ने अमेरिका, राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी आर्थिक स्वार्थपरक राजनीति को कूटनीतिक कुशलता और शालीनता के साथ बिना नाम लिए ही पूरी तरह उजागर किया। बिना किसी का नाम लिए ही सब कुछ कह देने की उनकी शैली ने विश्व राजनीति पर प्रभाव डाला है और लोग उन्हें एक समर्थ कूटनीतिज्ञ के रूप में देख रहे हैं। प्रधानमंत्री अमेरिकी टैरिफ का प्रबल प्रतिकार कर रहे हैं, पर यह 50 प्रतिशत टैरिफ भारत के बाजार और अर्थव्यवस्था को प्रभावित अवश्य करेगा। इसके अलावा यह दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय राजनीति पर असर डालने के साथ-साथ ग्लोबल साउथ और समूचे विश्व की भूराजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर सकता है।

भारत, जिसका कि चीन के साथ गंभीर सीमा विवाद है और कुछ मुद्दों पर तीखे मतभेद हैं, अब कुछ मामलों में निकट आता दिख रहा है। रूस के साथ मित्रता भी गहरी होती जा रही है। इसके चलते ब्रिक्स देशों की मजबूती बढ़ेगी और यूरोप के कई देश अपने नए समीकरण तलाशेंगे। फिलहाल यह टैरिफ वाणिज्य-व्यापार का मामला है, इसलिए सबसे बड़ा असर व्यापार पर ही होगा। हालांकि अमेरिका जितना बड़ा नुकसान भारत को पहुंचाना चाहता है, उसमें वह पूरी तरह सफल नहीं होगा। अमेरिकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी स्वीकार करती है कि भारत पर इस टैरिफ का प्रभाव बहुत मामूली रहेगा।

जीएसटी की नई दरों और आंतरिक मांग के चलते निर्माण, खरीद और उपभोग बढ़ सकते हैं। बाहरी निवेश और आंतरिक विकास की वजह से सकल घरेलू उत्पाद की दर भी संतुलित बनी रहने की संभावना है। इसके लिए भारत चीन और रूस के साथ नजदीकी बढ़ाने के अलावा ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और आसियान जैसे देशों से ट्रेड डील पर बातचीत शुरू कर चुका है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान का नारा बुलंद किया। यदि लोगों ने इस पर अमल किया तो इसके दूरगामी प्रभाव की पूरी संभावना है। हालांकि कपड़ा, इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील और कृषि उत्पादों पर असर पड़ेगा। उद्योगों में ऑर्डर घटने से नौकरियां प्रभावित होंगी। रुपया, डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है। पर इसके साथ ही यूरोप, अफ्रीका और एशिया-पैसिफिक देशों में नए बाजार खोजने से निर्यात में विविधीकरण भी बढ़ेगा। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय नुकसान की आशंका कम है।

प्रसंगवश

राजनीतिक सिनेमा और सिनेमा पर राजनीति

राजनीतिक सिनेमा ही अच्छे सिनेमा की रीढ़ है, उसकी जान है और इसके कई आयाम हैं। राजनीतिक सिनेमा में बिल्कुल जरूरी नहीं है कि राजनेता को ही दिखाया जाए। पूरा सिस्टम ही शासक, शासन या नेता का प्रतीक बन सकता है। मेरा मानना है कि अगर कोई सिनेमा जिंदा रहेगा, बचेगा तो वह राजनीतिक सिनेमा ही होगा। व्यावसायिक सिनेमा ने राजनीतिक विषय को भले सतही तौर पर छुआ हो, लेकिन राजनेताओं की भ्रष्ट नीति और अपराधी गिरोहों के गठबंधन को खुले रूप में प्रस्तुत किया है।

सुरेंद्र अग्निहोत्री

लेखक

हिंदी सिनेमा में सामाजिक सरोकार और राजनीतिक विचारधारा को पोषित करने में विमल राय की अजानगढ़ और पहला आदमी उल्लेखनीय हैं। राजकपूर की जागते रहो ने तल्ख सच्चाई से दर्शकों को रूबरू कराया। फिर इसके बाद 1970 तक किसी ने भी ऐसी कोशिश नहीं की। भारतीय राजनीति के विद्रूप चेहरे का अक्स राजनीतिक नेता रहे अमृत लाल नहारा की फिल्म किस्सा कुर्सी में रूपांतरित होकर पर्दे पर आया। किस्सा कुर्सी का फिल्म की व्यंग्यात्मक शैली से सत्ता प्रतिष्ठान तक प्रभावित हुए, जिसके परिणाम स्वरूप आपातकाल में इस फिल्म के निगेटिव तक जला दिए गए थे।

प्रतिष्ठान विरोधी इस फिल्म की कहानी कई टुकड़ों में बंटी हुई है। एक जगह मीरा (रेहाना सुल्तान) गोपाल (आदिल) और चार-पांच लोग बैठे निर्णय करते हैं कि बिना प्रतिभा के किसी को भी सड़क से उठाकर कुछ भी बना सकते हैं। सड़क पर एक जमूरे (मनोहर सिंह) को लच्छेदार भाषण के साथ दवा बेचते देखते हैं, तो वे उसे पकड़कर चुनावी जंग में प्रत्याशी बनाकर उतार देते हैं। कुछ विरोधियों को पैसे देकर बैठा दिया जाता है, कुछ को डरा-धमका कर। एक सेठ जी भी चुनाव मैदान में हैं, उन्हें समझाया जाता है कि चुनाव लड़ने की परेशानी उठाने से अच्छा होगा, इस जमूरे को खरीदना। आखिरकार चुनाव जीतकर जमूरा देश का राष्ट्रपति बन जाता है।

1974 में गुलजार ने आंधी फिल्म बनाई। इसमें मुख्य पात्र का जीवन एक बहुत ही प्रमुख नेता के जीवन पर आधारित बताया गया था। फिल्म पर आपातकाल में रोक लगा दी गई। जनता पार्टी की सरकार बनने पर रोक हटा ली गई। 1980 में मेरी आवाज सुनो नामक फिल्म बनी। इसमें तस्कर और अन्य समाज विरोधी तत्वों का राजनेताओं के साथ गहरे सबंध को स्पष्ट रूप से दिखाया गया था। यहां तक कि देश के गृहमंत्री भी उनके साथ मिले दिखलाए गए थे। इस फिल्म को राजनीति के सच को उजागर करने के कारण प्रसिद्धि और सफलता मिली। इससे राजनीतिक विषयों तथा सामाजिक सरोकार युक्त फिल्मों के निर्माण का नया रास्ता खुला।

सार्थक सिनेमा के बीज महबूब खान की औरत (किसानों की परेशानी को रेखांकित करने वाली फिल्म) नजमा (मुसलमानों की सामाजिक स्थिति का चित्रण करने वाली फिल्म) विमल राय की उदयरे पथ, दो बीघा जमीन, राजकपूर की आवारा और जागते रहो के विस्तार में आक्रोश, अर्धसत्य, मंथन, चक्र, अंकुर, निशांत, तरंग, दामुल जैसी फिल्में बनीं। दूसरी ओर कानून क्या करेगा, कानून मेरी मुट्ठी में, अंधा कानून, प्रतिघात, अंधा युद्ध, हक, अर्जुन, मेयर साहब, कॉलेज गर्ल, घायल, इंकलाब जैसी फिल्मों की लंबी श्रृंखला है। बहरहाल एक सवाल यक्ष प्रश्न की तरह हमेशा खड़ा है कि राजनीतिक फिल्में देखकर कब तक दर्शक घर जाकर सोएगा। राजनीतिक फिल्में सामाजिक परिवर्तन की कब वजह बनेंगी!

थोरियम से भारत में आएगी ऊर्जा क्रांति

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत के पास लगभग 8.46 लाख टन थोरियम का भंडार है। यह दुनिया में सबसे अधिक है। यह भंडार भारत की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल सकता है।

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 2025 में भारत की जीडीपी लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है और अनुमान है कि 2030 तक यह सात ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगी, लेकिन इस विकास यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती है- ऊर्जा। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 80% आयात करता है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा तेल और गैस का है। हर साल भारत को ऊर्जा आयात पर 150 अरब डॉलर से अधिक खर्च करना पड़ता है। ऐसे समय में थोरियम भारत के लिए न केवल ऊर्जा सुरक्षा का स्रोत है, बल्कि जीडीपी वृद्धि का भी नया इंजन बन सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि भारत के पास लगभग 8.46 लाख टन थोरियम का भंडार है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसके बाद ब्राजील के पास करीब 6.32 लाख टन, ऑस्ट्रेलिया के पास लगभग 5.95 लाख टन और अमेरिका के पास तकरीबन 5.95 लाख टन भंडार है। चीन के पास लगभग चार लाख टन और तुर्की के पास तीन लाख टन, वहीं नॉर्वे के पास 3.5 लाख टन भंडार है। भारत का भंडार सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है। ये भंडार मुख्य रूप से केरल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटीय रेत में पाए जाते हैं। यह स्थिति भारत को एक 'थोरियम महाशक्ति' बनने का अवसर देती है।

थोरियम को भविष्य का परमाणु ईंधन कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, एक टन थोरियम से उतनी ही ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जितनी 25 टन यूरेनियम या लगभग 2,50,000 टन कोयले से मिलती है। थोरियम से चलने वाले रिएक्टर अधिक सुरक्षित होते हैं और इनमें परमाणु दुर्घटना की संभावना बेहद कम होती है। इसके अलावा थोरियम से निकलने वाला रेडियोधर्मी कचरा बहुत कम और अल्पजीवी होता है। यही कारण है कि थोरियम को स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा का भविष्य माना जा रहा है।

भारत ने इस दिशा में दशकों पहले योजना बनाई थी। भारत का तीन-स्तरीय परमाणु कार्यक्रम इसी लक्ष्य की ओर इशारा करता है। पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करके बिजली उत्पादन किया गया, दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तैयार किए गए और अब तीसरे चरण में थोरियम रिएक्टर पर काम हो रहा है। भारत का लक्ष्य है कि वह 2050 तक अपनी 25% बिजली थोरियम से उत्पन्न करे।

थोरियम का भारत की जीडीपी पर प्रभाव कई स्तरों पर होगा। सबसे पहले यह विदेशी मुद्रा की भारी बचत करेगा। आज भारत हर साल लगभग 22 लाख करोड़ रुपये का तेल और गैस आयात करता है। यदि थोरियम आधारित बिजली उत्पादन शुरू होता है तो इसमें 30-40% की कमी आ सकती है। यानी सालाना लगभग 7-8 लाख करोड़ रुपये की बचत संभव है। यह बचत सीधे भारत की जीडीपी वृद्धि में योगदान करेगी। दूसरा बड़ा प्रभाव उद्योगों पर पड़ेगा।

ऊर्जा भारत के औद्योगिक उत्पादन की सबसे बड़ी लागत है। सस्ती और स्वच्छ बिजली उपलब्ध होगी तो उत्पादन लागत घटेगी। इसका असर निर्यात पर भी होगा, क्योंकि भारतीय उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इससे भारत की निर्यात आय में सालाना 50-60 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

तीसरा, थोरियम आधारित परियोजनाएं नए रोजगार पैदा करेंगी। एक अनुमान के अनुसार, यदि भारत थोरियम ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश करता है तो अगले 20 वर्षों में 15-20 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इसमें इंजीनियरिंग, निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्र की नौकरियां शामिल होंगी। चौथा, थोरियम भारत को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण-हितैषी राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाएगा।

जब पूरी दुनिया नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, तब भारत यदि थोरियम आधारित ऊर्जा को अपनाता है तो यह न केवल घरेलू स्तर पर लाभकारी होगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने का भी अवसर बनेगा। ग्रीन एनर्जी निवेशकों के लिए भारत एक प्रमुख गंतव्य बन सकता है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि भारत 2040 तक थोरियम को अपने ऊर्जा मिश्रण में 15-20% तक ला देता है, तो उसकी जीडीपी वृद्धि दर में हर साल 0.5 से 1% अतिरिक्त बढ़ोतरी संभव है। इसका अर्थ है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2040 तक 10 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो सकती है।

वैश्विक परिदृश्य में देखें तो अमेरिका, चीन और ब्राजील भी थोरियम पर शोध कर रहे हैं, लेकिन उनके पास न तो भारत जितना बड़ा भंडार है और न ही दशकों का अनुभव। भारत यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व करता है तो वह थोरियम तकनीक और ऊर्जा का निर्यातक बन सकता है। यह स्थिति भारत को वैसा ही वैश्विक महत्व देगी जैसा तेल उत्पादक देशों को 20वीं सदी में मिला था। कहा जा सकता है कि थोरियम भारत के लिए सिर्फ ऊर्जा का विकल्प नहीं है, यह भारत के भविष्य का आर्थिक इंजन है। भारत ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करेगा, विदेशी मुद्रा की बचत करेगा, नए रोजगार पैदा करेगा और अपनी जीडीपी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। अब यह भारत की नीतियों, अनुसंधान और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर है कि वह इस 'सुनहरे अवसर' को किस तरह पकड़ता है।

आमने

हमने परिवारवाद नहीं किया है। अपने बेटे को पद से हटा दिया है। दूसरी पार्टी के लोग हटाकर देखें। यह बदलाव है। बेटे ई. सरवन को दूसरी और बड़ी जिम्मेदारी देंगे।

–डॉ. संजय निषाद

अध्यक्ष

निषाद पार्टी

सामने

यह पॉलटिकल ड्रामेबाजी है। डॉ. संजय अपने बेटे को हटाने का ड्रामा कर रहे हैं। किसी पार्टी का विधायक दूसरी जगह पदाधिकारी हो ही नहीं सकता। अभी भी पार्टी में उनके परिवार के लोग ही भरे पड़े हैं।

–जयप्रकाश निषाद

भारतीय जनता पार्टी के नेता

मेक इन इंडिया अब 'मेक फॉर द वर्ल्ड'

डॉ. ओपी त्रिपाठी

लेखक

अमरीका का भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू हो गया है। भारत ने न झुकने की नीति अपनाई है। पीएम मोदी ने साफ कहा है कि मेक इन इंडिया में 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की शुरुआत है।

दबाव कितना भी हो, हम झेलने की ताकत बढ़ाते जाएंगे- ये संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 अगस्त को अहमदाबाद में करोड़ों देशवासियों के सामने दोहराया। गुजरात में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, औद्योगिक प्रगति और सामाजिक सुधारों पर खुलकर बात की। अपने पूरे भाषण में पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद पर खड़े 'विकसित भारत' के सपने को बार-बार दोहराया। उन्होंने कहा कि 2047 में जब भारत आजादी के 100 साल मनाएगा, तब यह देश विकसित बन चुका होगा। भारत अब सिर्फ सपने नहीं देखता, उन्हें साकार करने का सामर्थ्य भी रखता है। मंगलवार को भी उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया में अब 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की शुरुआत है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनीति यह है कि यदि रूसी तेल के राजस्व को तोड़ दिया जाए तो रूस को युद्ध समाप्त करने को विवश होना पड़ेगा। यह सोच ही कुंठित और अर्ध सत्य की है, क्योंकि रूस को अमेरिका से जो राजस्व मिल रहा है, क्या राष्ट्रपति पुतिन उसे तिजोरी में सजा कर रखेंगे? दरअसल अमेरिका को भारत एक 'आसान निशाना' लगता है, लेकिन भारत ने टैरिफ बढ़ाने के आदेश को गलत, अतार्किक और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि रूस के साथ तेल और हथियारों के व्यापार जारी रहेंगे, लेकिन अमरीका के साथ रणनीतिक साझेदारी पर कोई संकट नहीं मंडराएगा।

भारत की यह विनम्र नीति भी उचित नहीं है। अमेरिका ने चीन पर जब 145 फीसदी का टैरिफ घोषित किया था, तो चीन ने पलटवार में प्रतिक्रिया जताई थी, नतीजतन राष्ट्रपति ट्रंप की 'हवा' निकल गई थी। अंततः उन्होंने टैरिफ 30 फीसदी तक लुढ़का दिया। यह भारत के साथ भी संभव है, यदि भारत कुछ कड़ा कदम उठाए और व्यापार समझौते को फिलहाल लटका दे। इन स्थितियों में द्विपक्षीय व्यापार समझौता संभव भी नहीं है।

ट्रंप फिलहाल बदहवास मनोस्थिति में लगते हैं। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लागू होने पर तीन लाख करोड़ रुपये का टैरिफ बढ़ेगा। हालांकि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर बहुत कम असर पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और प्रमुख आर्थिक एजेंसियों के आकलन हैं कि 2025-26 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर करीब 6.5 फीसदी रहेगी, जो विश्व में सर्वाधिक होगी।

भारत की तरफ से कपड़ा, ऑटो, समुद्री उत्पाद, हीरा, सोना, मशीनरी, इस्पात, एल्युमीनियम, सिले हुए कपड़े आदि क्षेत्रों में अमेरिका को निर्यात किया जाता रहा है। अमेरिका में 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से जाती हैं। फिलहाल उन पर कोई टैरिफ नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि आने वाले एक-डेढ़ साल में दवाओं पर 150 फीसदी तक टैरिफ लगाया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों लोग काम करते हैं। यदि इन उत्पादों का निर्यात प्रभावित होता है और अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्तुएं महंगी मिलती हैं, तो एक नकारात्मक संदेश भी जाएगा। फिर भी भारत अडिग है कि वह 1.4 अरब लोगों के ही हित में काम करेगा। ट्रंप की कुंठाएं रूस तक ही सीमित हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को बेअसर करने के लिए मोदी सरकार मिशन मोड में आ चुकी है। इस सिलसिले में आने वाले दिनों में कुछ बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। सरकार ने अगले 100 दिन में लिए जाने वाले संभावित बड़े आर्थिक फैसलों पर काम करना शुरू कर दिया है। इन फैसलों में चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों को नरम करना, ई-कामर्स एक्सपोर्ट हब की शुरुआत, चमड़ा उद्योग के लिए पर्यावरण नियमों में छूट, स्टार्टअप को टैक्स में और छूट, जीएसटी में सुधार, तंबाकू व फार्मा व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण की समय सीमा बढ़ाना और तेजी से औद्योगिक मंजूरी के पोर्टल को अपडेट करना शामिल है। पीएमओ इस दिशा में नीति आयोग, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और कैबिनेट की आर्थिक समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर रहा है। उधर शेयर बाजार में भी हरियाली बरकरार है।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीएसटी की दरों को और तर्कसंगत बनाया जाएगा। जीएसटी में इस कटौती से कई चीजें सस्ती होंगी। अमेरिकी फाइनेंशियल कंपनी मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि इस फैसले से भारत की आर्थिक विकास दर में 0.5 प्रतिशत से 0.7 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि जीएसटी में इस सुधार से बाजार में करीब 2.40 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग आएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा से जहां कुछ विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली शुरू कर दी, वहीं खुदरा निवेशकों ने इन शेयरों को बड़े पैमाने पर खरीदा है। यानी टैरिफ का खुदरा निवेशकों पर कोई असर नहीं हुआ। वित्त वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में 62 प्रतिशत कंपनियों में खुदरा निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई, जिनकी आय का बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है। मार्च तिमाही में यह संख्या सिर्फ 23 प्रतिशत थी। घरेलू म्यूचुअल फंड्स में भी जून तिमाही में 77 प्रतिशत कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई। वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार सक्रिय हो गई है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 25,000 करोड़ रुपये की एक समर्थन योजना तैयार की है, जो छह साल की अवधि में लागू होगी।

सोशल फोरम

वैज्ञानिक बोलेंगे 'वी डोंट नो'

कॉस्मोलॉजी, ब्रह्मांड विज्ञान बहुत ही जटिलताओं और विरोधाभासों से भरा विषय है। इसमें आप जो चाहे कल्पना कर सकते हैं, लेकिन ये कल्पनाएं भाववाद और ऊल-जुलूल दावों से अलग हो तभी इसमें मजा आता है, हालांकि साइंसदान भी ऐसी ही कल्पनाएं करतें हैं, लेकिन वो इसे कल्पनाओं को 'संभावना' कहना ज्यादा पसंद करते हैं। साइंसदान अपनी चर्चाओं में अकसर एक जुमला इस्तेमाल करते हैं और वो जुमला है, 'वी डोंट नो'। आप पूछो कि बिग बैंग से पहले क्या था? वैज्ञानिक बोलेंगे 'वी डोंट नो'। वो बोलेंगे कि हो सकता है कि हमारी तरह ही और भी अनगिनत यूनिवर्स वजूद में हों और ये बिग बैंग वाला छोटा बिंदु (सिंगुलैरिटी) शायद किसी दूसरे यूनिवर्स से आया हो? ये संभव हो सकता है, लेकिन अभी 'वी डोंट नो'।

वाचस्पति शर्मा

ब्लॉगर

तो ये 'वी डोंट नो' से लेकर किसी दावे के सिद्धांत बनने तक के सफर को 'वैज्ञानिक पद्धति' कहते हैं। इस सफर में 'हाइपोथेसिस' (परिकल्पना) एक महत्वपूर्ण चरण होता है, जहां हम किसी प्रश्न का संभावित उत्तर सुझाते हैं। परिकल्पना मतलब कि अभी मान लिया गया है, आगे के प्रयोग और उनके निष्कर्ष ही सिद्ध करेंगे कि ये सही है या नहीं। उसी के बाद किसी भी दावे को 'सिद्धांत' के रूप में मान्यता मिलती है।

उदाहरणार्थ- पृथ्वी के जन्मने और यहां जीवन पनपने को आधार मानकर किसी दूसरे ग्रह पर जीवन की संभावनाओं के बारे में सोचना बहुत ही रोमांचक विचार होता है। सामान्य तौर पर लोग यही मानते हैं कि किसी दूसरे ग्रह पर बुद्धिमान सभ्यता पनपने के लिए सबसे जरूरी है कि जहां पानी, ऑक्सीजन और पृथ्वी के जैसा वातावरण हो, लेकिन सच ये है कि ऐसा कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि जीवन होने के लिए पृथ्वी जैसा वातावरण और कंडीशन ही जरूरी है। किसी दूसरे ग्रह पर जहरीले रसायनों से भरे समुद्रों या कहीं एसिड की बारिश होते प्लैनेट्स पर भी जीवन पनप सकता है। ये ब्रह्मांड के अपने नियम हैं। उसके बाद, किसी भी ग्रह पर थोड़ा बहुत कम ज्यादा लेकिन हमारे जैसे ही जीव हों ये भी जरूरी नहीं। हो सकता है कि कहीं सेमी सॉलिड या ट्रांसपेरेंट टाइप के जीव हों! परग्रही जीव हमारी तरह खाना न खाते हों और उनका एनर्जी सोर्स सिर्फ वहां के सूरज की गर्मी या उनकी हवा में मौजूद अवयव हों!

पीके फिल्म में आमिर खान बोलता है कि हमारे गोले पर तो कोई भाषा ही नहीं है। हम लोग तो बस एक-दूसरे को स्पर्श करके कम्युनिकेट करते हैं। आश्चर्य नहीं कि कोई पराग्रही सभ्यता शरीर के कंपन और हाव भावों से कम्युनिकेट करती हो! तो ये ब्रह्मांड इतना विशाल है कि जीवन किसी भी रूप में, किसी भी परिस्थिति में पनप सकता है।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

मोटापा, समाज और ट्रोलर्स

हल्द्वानी की एक खबर ने सुबह-सुबह ध्यान खींचा। शहर की एक महिला को पड़ोसन के मोटी कहने पर इतना गुस्सा आया कि उसने उस पर चाकू से हमला कर दिया। यह घटना दिखने में तो केवल उत्तेजना में आकर किया गया एक सनसनीखेज अपराध लग सकता है, लेकिन यह भारतीय समाज की उस मानसिकता का प्रतीक है, जहां महिलाओं के शरीर को लेकर टिप्पणी करना सहज माना जाता है। घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों मोटी जैसे शब्द किसी महिला को अत्यधिक व्यथित कर उसे हिंसा तक के लिए उकसा देते हैं! लोग भूले नहीं होंगे कि बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु को भी मां बनने के बाद मोटी होने पर ट्रोल किया गया था। उन्होंने इसका डटकर प्रतिकार किया और कहा कि मीम्स व ट्रोल्स उन्हें विचलित नहीं करते। बिपाशा की यह साहसिक प्रतिक्रिया हर महिला के आत्म-सम्मान की आवाज थी, लेकिन सच यह है कि हर महिला उनकी तरह बुलंद आवाज नहीं उठा पाती।

चंद्रशेखर बेंजवाल

लेखक

स्त्री काया को लेकर सोशल मीडिया और ग्लैमर इंडस्ट्री ने सौंदर्य के झूठे मानदंड गढ़ दिए हैं। छरहरे शरीर को ही सुंदरता का पैमाना मान लिया गया है। इसमें संदेह नहीं कि छरहरी काया के प्रति स्त्री के आत्म मोह और समाज की दृष्टि के बावजूद हाल के वर्षों में भारत में स्त्रियों के मोटा और थुलथुला होने के अनुपात में तेजी से वृद्धि हुई है। पुरुषों में तो मोटापा मुख्यतः अव्यवस्थित जीवन-शैली से पैदा होता है, किंतु महिलाओं के मोटा होने के लिए एकाधिक कारण जिम्मेदार हैं। इनमें से एक कारण आधुनिक जीवनशैली भी है, जिससे शहरी क्षेत्रों में शारीरिक गतिविधियों में भारी कमी आई है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं पर्याप्त शारीरिक श्रम से दूर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि घर और ऑफिस के कामों में शारीरिक श्रम घटते जाने से महिलाएं दिन भर में कम कैलोरी खर्च कर पाती हैं, जो विशेषकर युवावस्था में मोटापे का मुख्य कारण है। खान-पान तो आपके शरीर की बनावट को प्रभावित करता ही है।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शहरी महिलाओं के बीच जंक फूड के सेवन की आदत उनमें मोटापे की दर बढ़ा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो चेतावनी दी है कि भारत जैसे विकासशील देशों में जंक फूड की बढ़ती खपत मोटापे की महामारी का रूप ले सकती है। महिलाओं में रजोनिवृत्ति और मोटापे के बीच सीधा संबंध है। स्त्री रोग विशेषज्ञों के अनुसार, एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे शरीर पहले की तुलना में कम कैलोरी जला पाता है। रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में पेट के आसपास चर्बी जमा होने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है, जिसे अकसर बढ़ती उम्र का मोटापा कहा जाता है। प्रसव के बाद महिलाओं का वजन बढ़ना भी एक आम समस्या है।

बाल रोग और पोषण विशेषज्ञों का मानना है कि प्रसव बाद बच्चे की देखभाल, नींद की कमी और तनाव के कारण महिलाएं अकसर स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे वजन कम कर पाना मुश्किल हो जाता है। तनाव का सीधा असर वजन पर होता है। जब कोई व्यक्ति तनाव में होता है तो कोर्टिसोल नामक हार्मोन का उत्पादन बढ़ जाता है। कोर्टिसोल भूख बढ़ाता है, खासकर मीठे और वसायुक्त भोजन की इच्छा को, जिससे वजन बढ़ सकता है। तनाव और नींद की कमी वजन बढ़ने में योगदान करते हैं, इसलिए महिलाओं का मोटा होना हमेशा आलस्य या इच्छाशक्ति की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि जैविक और सामाजिक कारणों से जुड़ा हुआ है। स्त्री का शरीर उसके व्यक्तित्व का एक पहलू है, न कि उसकी परिभाषा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आजादी के पहले फूलबाग स्थित केईएम हॉल में ब्रिटिश अफसर अंग्रेजी नाटकों का मंचन करते थे, आज वीरान पड़ा है। मर्चेंट चेंबर आडिटोरियम, लाजपत भवन या रागेन्द्र स्वरूप सेंटर फॉर परफार्मिंग आर्ट्स प्रेक्षागृह सभी जगह पहले की तरह नाटकों का मंच नहीं सजता है। लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद उम्मीद की किरण जगा रही है 2005 से सक्रिय संस्था अनुकृति रंगमंडल जो 'गिरिजा के सपने', 'मुख्यमंत्री', 'बकरी', 'जांच पड़ताल', 'मोटेराम का सत्याग्रह' जैसे 35 से ज्यादा नाटकों के 50 से अधिक शहरों में शो कर चुकी है।

कनपुरिया रंगमंच तलाश रहा फिर शिखर के लिए अवसर

अनुकृति से जुड़ी 'सिग्नेचर प्ले पुरुष', 'एक मामूली आदमी', 'टेररिस्ट की प्रेमिका', 'कोई एक रात' व 'सच कहें तो', में केन्द्रीय भूमिका निभाने वाली युवा रंगकर्मी संध्या सिंह कानपुर में थिएटर के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं, उनका कहना है कि अनुकृति ने पिछले साल जुलाई में लखनऊ, सितंबर में शिमला के बाद इसी साल मार्च में कानपुर में नाट्य समारोह आयोजित करके दिखाया है कि दर्शकों का रुझान एक बार फिर रंगमंच की तरफ लौट रहा है। कभी नाटकों के लगातार हाउसफुल शो का रिकार्ड बनाने वाला और महानायक अमिताभ बच्चन अभिनीत 'दो और दो पांच', 'मिस्टर नटवरलाल', 'याराना' समेत दो दर्जन से अधिक फिल्मों के स्क्रिप्ट राइटर ज्ञानदेव अग्निहोत्री के शहर कानपुर का रंगमंच आज ओटीटी जैसी चुनौतियों के बीच एक बार फिर मजबूती से रंगमंच के राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाने में जुटा है। आजादी से पहले और बाद में तीन दशक ऐसे रहे हैं, जब कानपुर के रंगमंच के हिस्से में सिनेमा से ज्यादा सुर्खियां, सीटियां और तालियां दर्ज हैं। 1942 में पीपीएन कॉलेज ग्राउंड में आयोजित इप्टा के राष्ट्रीय सम्मेलन में बलराज साहनी यहां आये थे, वरिष्ठ रंगकर्मी राधेश्याम दीक्षित के अनुसार तब उन लोगों ने कृष्ण चंदर का नाटक 'कुत्ते की मौत' किया था। इसके कुछ साल बाद सोहराब मोदी ने नाटक 'झांसी की रानी' किया। 1945 में देश की जानी मानी पृथ्वी थिएटर कंपनी बंबई से अपने सुपरहिट नाटक 'दीवार', 'पठान', 'पैसा और शंकुतला' लेकर कानपुर आई। आर्य नगर के बड़े मैदान (अब गैंजेस क्लब) में हुए इन नाटकों में पृथ्वीराज कपूर का शानदार अभिनय देखकर हजारों की भीड़ मंत्रमुग्ध रह गई थी।

कभी सिनेमा से ज्यादा सुर्खियां, सीटियां और तालियां बटोरता था नाटकों का मंचन

हाउसफुल शो तथा टिकटों की एडवांस बुकिंग के टूटे रिकार्ड

80 के दशक में देश-विदेश में ख्याति बटोर चुके बब्बन खां के कॉमेडी नाटक "अदरक को पंजे" के लगातार एक हफ्ते तक हाउसफुल शो ने उस वक्त टिकटों की एडवांस बुकिंग के रिकार्ड तोड़ दिए थे। दिग्गज कलाकार जुगनू के नाटक 'सखाराम बाइंडर' के भी एक हफ्ते तक हाउसफुल शो लाजपत भवन में हुए थे। अनुकृति की कोषाध्यक्ष निशा वर्मा के अनुसार दस्यु सुंदरी फूलन देवी के आत्मसमर्पण के बाद साहित्यकार कामतानाथ ने नाटक लिखा फूलन। वरिष्ठ रंगकर्मी, निर्देशक विजय दीक्षित ने लाजपत भवन में इसका सफल मंचन किया। 2018 में कानपुर के लेखक पद्मश्री गिरिराज किशोर की मौजूदगी में उनके प्रसिद्ध नाटक 'प्रजा ही रहने दो' का मंचन देखने वाला था।

आजादी के बाद का स्वर्णिम सफर

1960 से 67 के बीच कानपुर ड्रामेटिक एसोसिएशन (काडा) ने 'नेफा की एक शाम', 'चिराग जल उठा', 'शुतुरमुर्ग' जैसे नाटकों के सफल मंचन किए। लेकिन 70 से 80 का दशक रंगमंच का स्वर्णिम दौर कहा जा सकता है, तब शहर में दर्पण, एंबेसडर, शिल्पी, प्रतिध्वनि, नाट्य भारती, आयाम, रंगलोक, अनुभूति, नाट्यांगन, कलाविद्, एकजुट, तक्षशिला, अलंकृत, कलानयन समेत दो दर्जन से अधिक संस्थाएं तथा प्रेम स्वरूप निगम, विजय दीक्षित, वीरेंद्र सक्सेना, कृष्णा सक्सेना, सुरेन्द्र सविता, अंबिका सिंह वर्मा, राजेंद्र सिंह, डा राजेंद्र वर्मा, रतन राठौर, दीप सक्सेना, विजय बनर्जी, पियूष विद्यासागर, राकेश डग, राकेश चतुर्वेदी, डेनिस क्लेमेट, संजीव सिकोरिया, असित डेनियल, संतोष गुप्ता, अवधेश मिश्रा, एनके नेब सरीखे रंगकर्मी रंगमंच पर नित नये नाटकों का मंचन करते थे।

लेखक
डॉ ओमेन्द्र कुमार
रंग कर्मी

- धीरे-धीरे लाइव परफॉर्मेंस से जुड़ रहा दर्शकों का बड़ा वर्ग : रंगकर्मी दीपक राज राही कहते हैं कि 90 के दशक में पहले टीवी चैनल्स, फिर इंटरनेट क्रांति से छोटे शहरों के थिएटर को काफी नुकसान पहुंचा। घर बैठे मनोरंजन के तमाम विकल्पों ने दर्शको को ड्राइंगरुम में कैद कर दिया। हालांकि अब दर्शकों का बड़ा वर्ग एक बार फिर लाइव परफॉर्मेंस की ओर लौट रहा है।
- कंटेंट दमदार तो फीके कॉस्ट्यूम, सेट और लाइट ले चल जाता काम : थियेटर में कंटेंट ही किंग था, और रहेगा। यदि नाटक विषय-वस्तु के स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ जाता है तो उन्हीं का हो जाता है। फिर सेट, कॉस्ट्यूम, प्रकाश परियोजना किसी भी स्तर के हों दर्शक नाटक को हाथों हाथ ले लेते हैं। यह बताते हुए डा. ओमेन्द्र कुमार इस बात पर निराशा जताते हैं कि नाटकों में आजकल पहले की अपेक्षा कंटेट पर सबसे कम ध्यान दिया जा रहा है। उनके अनुसार यह एक सामूहिक कला है। इसलिए सभी साथियों में तालमेल और लंबे समय तक उनका साथ बने रहना भी जरूरी है।

आस्था, संस्कृति व परंपरा का मिलन है नंदा देवी महोत्सव

सरोवर नगरी नैनीताल 28 अगस्त से भक्ति, संस्कृति और परंपरा की अनुपम छटा से सराबोर होगी। इस दिन से कुमाऊं अंचल का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व अटूट धार्मिक आस्था का उत्सव नंदा देवी महोत्सव आरंभ होगा, जो पांच सितंबर तक चलेगा। यह महोत्सव सदियों से क्षेत्रीय संस्कृति, लोक कला, रीति-रिवाजों और सामूहिक श्रद्धा का परिचायक है। इस महोत्सव की नींव 16वीं शताब्दी में राजा कल्याण चंद के शासनकाल में रखी गई थी। उन्होंने अपनी बहन नंदा देवी की स्मृति में यह पर्व आरंभ किया था। वर्ष 1902 में अल्मोड़ा के मोतीराम साह ने नैनीताल में नंदा देवी महोत्सव के भव्य आयोजन की शुरुआत की थी। 1926 से श्रीराम सेवक सभा ने इस महोत्सव की जिम्मेदारी ले ली, और तब से लगातार आयोजन कर रही है। यह धार्मिक महोत्सव देवी नंदा और सुनंदा को समर्पित है। महोत्सव की शुरुआत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कदली वृक्ष लाने के साथ होती। राम सेवक सभा का एक दल श्रद्धालुओं के साथ कदली (केले का पेड़) लेने जाता है, अगले दिन कदली वृक्ष को नगर भ्रमण कराया जाता है, फिर कदली वृक्षों से नंदा व सुनंदा की मूर्तियां तैयार की जाती हैं। यह एक पारंपरिक और पवित्र प्रक्रिया है। मूर्ति निर्माण के बाद नंदाष्टमी के दिन मूर्तियों को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा जाता है। मंदिर में विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। नंदा देवी महोत्सव नैनीताल के नयना देवी मंदिर परिसर में मनाया जाता है। मां नंदा देवी और सुनंदा देवी कुमाऊं क्षेत्र की कुलदेवी मानी जाती हैं। महोत्सव के अंतिम दिन मां नंदा सुनंदा की मूर्तियों को शहर में शोभायात्रा निकाली जाती हैं। नगर भ्रमण के बाद मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है। यह महोत्सव कुमाऊं की संस्कृति, परंपरा और एकता का प्रतीक है।

नैनीताल के साथ अल्मोड़ा, भवाली, बिन्दुखत्ता और हल्द्वानी में भी होता महोत्सव का आयोजन

झोड़ा, चांचरी व भगनौल लोकगीत व छोलिया नृत्य

- महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। जिसमें झोड़ा, चांचरी व भगनौल आदि लोकगीत व छोलिया नृत्य आयोजित किए जाते हैं। इसमें कुमाऊं के कलाकार भाग लेते हैं। यह महोत्सव नैनीताल के अलावा अल्मोड़ा, हल्द्वानी, बिन्दुखत्ता, चंपावत मुनस्यारी रानीखेत व भवाली समेत अन्य जगहों पर भी मनाया जाता है। महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान पंच आरती, कन्या पूजन, हवन और यज्ञ नयना देवी मंदिर परिसर में आयोजित किए जाते हैं। महोत्सव में इको फ्रेंडली वस्तुओं और प्राकृतिक रंगों का प्रयोग किया जाता है।

लेखक
मुकेश जोशी, मंटू
पूर्व अध्यक्ष, श्रीराम सेवक सभा, नैनीताल।

सांस्कृतिक-सामाजिक एकता का सार्वजनिक उत्सव

भगवान गणेश की आराधना का पर्व गणेशोत्सव धार्मिक आयोजन से कहीं आगे बढ़कर हमारी सांस्कृतिक धड़कन जैसा है। सनातन परंपरा, सामूहिक शक्ति और सामाजिक एकता का संवाहक है। शिवाजी ने जहां इसे मुगलों के विरुद्ध जनभागीदारी का उत्सव बनाया, वहीं अंग्रेजों ने जब हिंदू पर्वों और सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगाने की कोशिश की, तो लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस उत्सव को जन-जन की एकता से जोड़कर स्वतंत्रता संग्राम का जयघोष बना दिया।

गणेश उत्सव का महत्व

भाद्रपद चतुर्थी को गणपति स्थापना से आरंभ होकर अनंत चतुर्दशी को होने वाले विसर्जन तक गणपति विविध रूपों में पूरे देश में विराजमान रहते हैं। उन्हें मोदक तो प्रिय हैं ही, परंतु गणपति अकिंचन को भी मान देते हैं, अतः दूर्वा, नैवेद्य भी उन्हें उतने ही प्रिय हैं।

इसलिए कहा जाता लंबोदर

- ज्योतिषशास्त्र में तीन गणों का उल्लेख मिलता है, देव, मनुष्य और राक्षस। गणपति समान रूप से देवलोक, भूलोक और दानव लोक में प्रतिष्ठित हैं। श्रीगणेश ब्रह्मस्वरूप हैं और उनके उदर में यह तीनों लोक समाहित हैं इसी कारण इनको लंबोदर कहते हैं। लंबोदर होने का अर्थ है जो कुछ उनके उदर में चला जाता है, फिर वहां से निकलता नहीं है।

लोक मंगल के देवता

- गणों के अधिपति श्रीगणेश प्रथम पूज्य हैं। किसी भी शुभ कार्य या कर्मकांड में विघ्नहर्ता के रूप में उनकी पूजा-आराधना सबसे पहले की जाती है। गणेश लोक मंगल के देवता हैं, जहां भी अमंगल होता है, उसे दूर करने में अग्रणी रहते हैं। वह रिद्धि और सिद्धी के स्वामी हैं। भाद्रपद की शुक्लपक्ष चतुर्थी गणपति की प्राकट्य तिथि है। गणेशोत्सव का आरंभ इसी दिन से होता है।

गणपति विसर्जन की कथा

- पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि वेद व्यास ने महाभारत लिखने के लिए भगवान गणेश से प्रार्थना की। गणेश जी ने वेद व्यास जी की बात मान ली और 10 दिनों तक बिना रुके महाभारत लिखते रहे। 10 दिन बाद वेद व्यास जी ने जब अपनी आंखें खोलीं, तो उन्होंने देखा कि गणेश जी का शरीर बहुत गर्म हो गया है। वेद व्यास जी ने गणेश के शरीर को ठंडा करने के लिए उन्हें एक सरोवर में स्नान कराया। कहा जाता है कि इसी से गणेश विसर्जन की प्रथा शुरू हुई। यह भी माना जाता है कि गणेश विसर्जन का अर्थ जीवन-मृत्यु के चक्र को समझना तथा मोह माया से मुक्ति पाना है।

लेखक
पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य

ईसा पूर्व का इतिहास, पेशवा राज में प्रमाण

श्रीगणेश उत्सव का इतिहास काफी प्राचीन है। महाराष्ट्र में सातवाहन, राष्ट्रकूट और चालुक्य वंश के शासकों के दौर में गणेशोत्सव की प्रथा थी। 200 ईसा पूर्व से दूसरी सदी (ईसा के बाद) तक दक्षिण भारत के बड़े इलाके पर सातवाहन वंश का शासन था। इस वंश के राजाओं के समय गणेश पूजा शुरू हुई थी। पेशवाओं के दौर में गणेश पूजा का चलन तेजी से बढ़ा। मुगल शासन के दौरान सनातन संस्कृति बचाने के लिए छत्रपति शिवाजी ने माता जीजाबाई के साथ मिलकर गणेश महोत्सव की शुरुआत की थी। पेशवाओं के बाद यह उत्सव कमजोर पड़कर केवल मंदिरों और राजपरिवारों तक सिमट गया। 1892 में भाऊसाहब लक्ष्मण जबाले ने सार्वजनिक गणेशोत्सव प्रारंभ किया। लोकमान्य तिलक ने 1893 में अपनी पत्रिका 'केसरी' के कार्यालय में गणपति की स्थापना की और लोगों से स्थापना के लिए प्रेरित किया।

एक धरोहर जो अब खंडहर, यहीं था कोह-ए-नूर हीरा

वारंगल किला

यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल वारंगल किला, तेलंगाना के वारंगल जिले में स्थित है। किले में चार सजावटी द्वार हैं, जो अब खंडहर हो चुके हैं पर किसी समय शिव मंदिर के प्रवेश द्वार थे। इस किले के निर्माण को लेकर इतिहासकार और पुरातत्वविद् मानते हैं कि पहले ईंट की दीवार वाली संरचना थी जिसे गणपतिदेव (1199 ईस्वी-1262 ईस्वी) द्वारा पत्थर से बदल दिया गया था, और उनकी बेटी रुद्रमा देवी ने इसे पूरा किया, जिन्होंने 1289 तक शासन किया था। 1309 में, अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफ़ूर ने बड़ी सेना के साथ किले पर हमला कर इसे घेर लिया था, तब राजा प्रतापरुद्र द्वितीय और उनके लोगों ने खुद को किले के भीतर सुरक्षित कर लिया और हमलावर सेना के साथ कई महीनों तक बहादुरी से युद्ध किया। बाद में हुए युद्धविराम में कई कीमती खजानों के साथ कोह-ए-नूर हीरा भी काफूर दिल्ली ले गया। किले की छह माह से ज्यादा चली घेराबंदी का वर्णन अमीर खुसरो ने किया है। 1318 में फिर से, वारंगल किले पर कुतुबुद्दीन मुबारक शाह की सल्तनत सेना ने हमला किया। 1320 में, खिलजी की जगह लेने वाले दिल्ली के तत्कालीन शासक सुल्तान गियासुद्दीन तुगलक ने अपने बेटे उलुग खान (बाद में मुहम्मद तुगलक) को वारंगल किले पर एक बार फिर हमला करने के लिए भेजा, क्योंकि प्रतापरुद्र द्वितीय ने तुगलकों को अधिपति के रूप में स्वीकार नहीं किया था और उन्हें कर देने से इनकार कर दिया था। उलुग खान ने 1323 में 63,000 तीरंदाज घुड़सवार सैनिकों के साथ किले पर हमला किया 5 महीने तक दीवारों को तोड़ने के लिए क्रूर रणनीति का इस्तेमाल किया। इसने प्रतापरुद्र द्वितीय को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया और किले के द्वार खोल दिए गए। तब सल्तनत की सेनाओं ने पत्थर की दीवार के भीतर और बाहर राजधानी को लूटा और स्वयंभू शिव मंदिर भी नष्ट कर दिया, जो राज्य देवता, चतुर्मुख लिंग स्वामी (शिव के चार चेहरों वाला लिंग) था। मंदिर में अब जो कुछ भी दिखाई देता है वह किले के केंद्र के आसपास बिखरे अवशेष हैं। इसके बाद वारंगल शहर का नाम बदलकर सुल्तानपुर कर दिया गया और 1324 से 1332 तक वहां शाही सिक्के ढाले गए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,786.54	24,712.05
गिरावट	849.37	255.70
प्रतिशत में	1.04	1.02

सोना 1,00,770 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,18,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 27 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

होटल क्षेत्र की कमाई 12.9 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। भारत के अतिथ्य उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में होटल के प्रत्येक कमरे से हुई आय में 12.9 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई है। जेएलएल की 'होटल मोमेंटम इंडिया (एचएमआई) दूसरी तिमाही-2025' रिपोर्ट के अनुसार, आतिथ्य क्षेत्र ने सालाना आधार पर प्रति उपलब्ध कमरे की आमदनी में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। पिछली तिमाही के आधार पर इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। होटल के प्रत्येक कमरे से हुई आय की वृद्धि के मामले में बेंगलुरु 29.4 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा। जेएलएल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष (होटल एवं आतिथ्य समूह, भारत) रूपा जॉर्ज ने कहा कि कुछ तिमाहियों में उद्योग ने अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है।

इटर्नल पर 40 करोड़ का कर एवं जुर्माना

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी इटर्नल को जीएसटी विभाग से तीन नोटिस मिले हैं। इनमें ब्याज और जुर्माना सहित कुल 40 करोड़ रुपये से अधिक की कर मांग की गई है। ये नोटिस संयुक्त आयुक्त-4 बेंगलुरु से जुलाई 2017 से मार्च 2020 तक की अवधि के लिए प्राप्त हुए हैं। इटर्नल के चार प्रमुख व्यवसाय जोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर हैं। कंपनी ने कहा कि वह कर मांग नोटिस के खिलाफ अपील दायर करेगा। इटर्नल शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को 25 अगस्त 2025 को जुलाई 2017 से मार्च 2020 की अवधि के लिए संयुक्त आयुक्त अपील-4 (बेंगलुरु) द्वारा पारित तीन नोटिस मिले हैं।

ओला ने पीएलआई प्रमाणन किया हासिल

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के जनरेशन-3 स्कूटर खंड को मोटर वाहन एवं उसके घटकों के क्षेत्र के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने ओला के सात- एस1 जनरेशन-3 स्कूटर को प्रमाणन दिया है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक का जनरेशन-2 और 3 स्कूटर खंड अब पीएलआई-प्रमाणित हो गया है।

स्वदेशी हर किसी का मंत्र होना चाहिए : मोदी

प्रधानमंत्री बोले- 'मेक इन इंडिया' ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल बनाया

अहमदाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी हर किसी का जीवन मंत्र होना चाहिए। मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' की उनकी परिभाषा सरल है। प्रधानमंत्री ने कहा, कि मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पैसा किसका लगा है, डॉलर है या पाउंड.. या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन हो, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए।

गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाएगी। मोदी ने लोगों से केवल स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि निवेश कौन करता है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की कड़ी मेहनत हो। उन्होंने कहा कि इस तरह मारुति सुजुकी भी एक स्वदेशी कंपनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बन जाना चाहिए। आइए, स्वदेशी को गर्व से अपनाएं। जापान में जो चीजे यहां बनेंगी, वे भी स्वदेशी होंगी। स्वदेशी की मेरी परिभाषा बहुत सरल है। मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि किसका पैसा निवेश किया गया है...चाहे वह डॉलर हो या पाउंड, या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन किया जाए, उसमें मेरे देशवासियों

मारुति सुजुकी के समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल व जापानी सदस्य।

का पसीना होना चाहिए। उन उत्पादों में मेरे देश की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए।

भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनाने के अपने संकल्प का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों से देश की भावी पीढ़ियों के लिए इस स्वदेशी आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2047 में हम भारत को ऐसा बनाएंगे कि आने वाली पीढ़ियां आपके त्याग एवं योगदान पर गर्व करेंगी। आपकी आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए, आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को साकार करने के लिए, मैं आज अपने देशवासियों को आमंत्रित कर रहा हूं। आइए, हम सब आगे बढ़ें और भारत को एक विकसित देश बनाएं। मोदी ने इस बात का जिक्र भी किया कि 2012 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल में मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन आवंटित की गई थी। उन्होंने कहा कि उन दिनों भी मेरे मन में 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत का ही दृष्टिकोण था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए एक बड़ा दिन है क्योंकि देश में बने ई-वाहनों का निर्यात 100 देशों में किया जाएगा। दुनिया भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाएगी।

सुजुकी मोटर भारत में 70,000 करोड़ का करेगी निवेश: तोशीहिरो

हंसलपुर (गुजरात)। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने मंगलवार को कहा कि देश में अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए पांच से छह साल में कंपनी 70,000 करोड़ का निवेश करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत में बनी मारुति ई-विटारा का जापान सहित 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा। मोदी ने सुजुकी, तोशिबा और डेंसो के लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र का भी उद्घाटन किया जो हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी उत्पादन में सहायक होगा। इस अवसर पर तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि सुजुकी पांच से छह वर्ष में भारत में 70,000 करोड़ से अधिक का निवेश करेगी। सुजुकी ने चार दशक से भी अधिक समय से भारत की परिवहन यात्रा में गर्व से भागीदारी की है। हम भारत के हरित परिवहन के दृष्टिकोण का समर्थन करने और विकसित भारत में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिकी शुल्क से पहले शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने पर एक मसौदा नोटिस जारी करने के बाद मंगलवार को शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली हुई और प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 849 अंक टूटकर 81,000 अंक से नीचे आ गया। इसके अलावा विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया।

बीएसई का सेंसेक्स 849.37 अंक गिरकर 80,786.54 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 25 शेयर गिरावट के साथ और पांच बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 949.93 अंक की भारी गिरावट आई थी। वहीं, एनएसई का निफ्टी 255.70 अंक टूटकर 24,712.05 अंक पर बंद हुआ। यह सत्र के दौरान 278.15 अंक टूटा था। रियल्टी, फार्मा, बैंकिंग और धातु शेयरों में बिकवाली का सबसे अधिक असर पड़ा, जबकि एफएमसीजी शेयरों ने मामूली बढ़त से अपेक्षाकृत मजबूती दिखाई। सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मास्युटिकल, टाटा स्टील, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, अडाणी पोर्ट्स, टाइटन, बीईएल और लार्सन एंड टुब्रो में उल्लेखनीय गिरावट हुई। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी इंडिया, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहे।

- चौतरफा बिकवाली के कारण सेंसेक्स 849 अंक टूटकर 81,000 अंक से नीचे आया

स्मॉल व मिडकैप भी गिरे

बीएसई का स्मॉलकैप 1.68, मिडकैप 1.34 प्रतिशत गिरा। क्षेत्रवार बात करें तो रियल्टी में 2.24, धातु में 2.10, दूरसंचार में 2.04, ऊर्जा में 1.68, स्वास्थ्य सेवा में 1.65, उपयोगिताओं में 1.61, औद्योगिक उत्पादों में 1.59 और बिजली में 1.53 प्रतिशत की गिरावट आई। केवल एफएमसीजी ही लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

ग्रासिम का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ के करीब : बिड़ला

नई दिल्ली, एजेंसी

आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) दो लाख करोड़ रुपये के करीब है। कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने मंगलवार को कंपनी की 78वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में यह जानकारी दी।

ग्रासिम ने वित्त वर्ष 2019- 20 और वित्त वर्ष 2024-25 के बीच पांच वर्षों में 67,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है। बिडला ने कहा कि इसमें से 51,000 करोड़ मुख्य क्षेत्रों के विकास, रणनीतिक निकटता, डिजिटल नवाचार और स्थिरता से जुड़ी परियोजनाओं के लिए निर्देशित किए गए, जिससे हमारे नेतृत्व को

- चेयरमैन कुमार मंगलम ने कंपनी की 78वीं आम बैठक में बोले- 67,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय किया

मजबूती मिली और भविष्य के लिए लचीलापन पैदा हुआ। शेयरधारकों से बिड़ला ने कहा कि आपकी कंपनी ने एक नया शिखर छुआ है तथा अबतक के उच्चतम बाजार पूंजीकरण 1,95,000 करोड़ पर है, जो अब 2,00,000 करोड़ के लक्ष्य के करीब है। हमारा एकीकृत राजस्व बढ़कर 1,50,000 करोड़ के उच्चस्तर पर पहुंच गया, जो उद्यम के पैमाने, जुझारू क्षमता और गति का प्रमाण है।

शुल्क से तिरुपुर, नोएडा, सूरत की निर्यात इकाइयों ने उत्पादन रोका

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार को भारतीय वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि तिरुपुर, नोएडा तथा सूरत के कपड़ा विनिर्माताओं ने इन भारी शुल्कों के कारण उत्पादन रोक दिया है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क 27 अगस्त से बढ़कर 50% हो जाएगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि इस कदम से भारतीय वस्तुओं का निर्यात बाजार बाधित होगा। उन्होंने इसको झटका बताते हुए कहा कि इससे अमेरिका को भारत के निर्यात पर गंभीर असर पड़ सकता है। भारत का ज्यादातर निर्यात अब चीन, वियतनाम, कंबोडिया, फिलिपीन और अन्य दक्षिण-पूर्वी तथा दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में कम प्रतिस्पर्धी होगा। फियो, अमेरिका के भारतीय सामानो पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाने पर चिंता व्यक्त करता है, जिससे कई निर्यात श्रेणियों पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

जीएसटी में सुधारों से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता, एजेंसी

आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री मोदी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार के आह्वान की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि इस कदम से उपभोग, निवेश, वृद्धि और रोजगार का एक अच्छा चक्र शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि खाद्यान्न सहित आवश्यक वस्तुओं की सामर्थ्य एवं सुलभता पर सरकार का ध्यान मध्यम वर्ग, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और किसानों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगा। पुरी ने कहा, दैनिक उपभोग की वस्तुओं की सामर्थ्य एवं सुलभता

- आईटीसी के चेयरमैन ने की प्रधानमंत्री के जीएसटी ढांचे में सुधार के आह्वान की सराहना

बढ़ाकर जीवन को आसान बनाने के सरकार के संकल्प से मध्यम वर्ग, एमएसएमई और किसानों को लाभ होगा। पारदर्शी, सरलीकृत एवं विकासोन्मुख कर संरचना से न केवल उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा, बल्कि कारोबार सुगमता एवं लागत दक्षता को भी बढ़ावा मिलेगा। पुरी ने कहा, प्रस्तावित उपाय अर्थव्यवस्था को संगठित बनाने, अधिक कर-अनुपालन वाले समाज का निर्माण करने एवं आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करने में सक्षम होंगे। केंद्र ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह के समक्ष योग्यता और मानक वस्तुओं व सेवाओं के लिए 5 और 18% की द्वि-स्तरीय कर संरचना के साथ 5-7 वस्तुओं के लिए 40% की दर का प्रस्ताव रखा है। इसमें मौजूदा 12-28% कर 'स्लैब' को समाप्त करना शामिल है। इससे अमेरिकी शुल्क से निपटने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय

साजिश के तहत हो रहा जनसांख्यिकीय परिवर्तन

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों से धार्मिक अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक "सोची समझी साजिश " के तहत हो रहा है और वे देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों से धार्मिक अतिक्रमण पर उचित कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमाओं से 30 किमी के दायरे में सभी अतिक्रमण हटाने चाहिए। उन्होंने समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर कई अतिक्रमण को हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा की। यहां दो दिवसीय 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' (वीवीपी) कार्यशाला में गृह मंत्री ने कहा कि वीवीपी तीन प्रमुख बिंदुओं पर आधारित है -- सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकना, यह सुनिश्चित करना कि सीमावर्ती गांवों के प्रत्येक नागरिक को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिले और वीवीपी के तहत गांवों को सीमा और राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए मजबूत उपकरण के रूप में विकसित करना। शाह ने जिलाधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद नागरिक अपने गांवों को न छोड़ें, पलायन को रोका जाए और गांव की आबादी भी बढ़े।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन चिंता का विषय है। मंत्री ने कहा कि वीवीपी में शामिल कलेक्टरों को इस पर बारीकी से ध्यान देकर समाधान करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश और उसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं। यह नहीं माना जाना चाहिए कि ऐसा भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हो रहा है, बल्कि, यह एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है। उन्होंने राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने को कहा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीवीपी शुरू करने का एक मकसद यह भी था कि सीएपीएफ और सेना को होने वाली आपूर्ति का स्रोत स्थानीय स्तर पर हो।

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को संबोधित करते अमित शाह।

सीमांत गांव के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाएंगी सरकार

गृह मंत्री ने वीवीपी 'लोगो' का अनावरण करते हुए कहा कि अरुणाचल में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बाद कई सीमावर्ती गांवों की जनसंख्या बढ़ी है। यह सीमावर्ती गांवों के लिए संदेश है कि इन गांवों में लौटने की प्रवृत्ति सही दिशा में बढ़ रही है। शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने वीवीपी की अवधारणा प्रस्तुत की तो यह निर्णय लिया गया कि इसे चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। न केवल हर सीमांत गांव को सभी सुविधाओं से युक्त किया जाए, बल्कि सीमांत गांवों में रहने वाले हर नागरिक को भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लैस करके उनके व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाया जाए। शाह ने कहा कि इन गांवों को देश और सीमा की सुरक्षा के मजबूत उपकरण के तौर पर विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के अंतिम गांव को देश के पहले गांव के रूप में नामित कर सीमावर्ती गांवों को देखने का लोगों का नजरिया बदल दिया। अरुणाचल में आईटीबीपी (भारत तिब्बत सीमा पुलिस) ने वाइब्रेंट गांव से दूध, सब्जियां, अंडे और अनाज जैसी वस्तुएं खरीदने का प्रयोग किया है और उन्होंने इसको लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

रीजीजू ने लद्दाख में दुर्घटना का शिकार हुए दो लोगों की मदद की

करगिल। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कश्मीर से कारगिल जाते समय लद्दाख में एक निजी वाहन को द्रास नदी में गिरा देख मदद के लिए काफिला रुकवाया।

अधिकारियों ने बताया कि गुमरी जा रहा 'कैंपर 207' वाहन मिनिमर्ग पुलिस चौकी के पास खुशाल मोड़ पर सड़क से फिसलकर नदी में गिर गया, उसमें सवार दोनों लोग बनिहाल के चालक हारून राशिद और रामबन के खलासी मोहम्मद अब्बास को पुलिस ने बचा लिया। रीजीजू ने एक्स पर कहा, लद्दाख के द्रास पहुंचने से पहले, हमारे काफिले के ठीक आगे एक वाहन नदी में गिर गया। सौभाग्य से, हम समय पर पहुंच गए और दोनों लोग बच गए। मंत्री ने पीड़ितों से बातचीत का वीडियो भी पोस्ट किया। पीड़ित पानी के तेज बहाव के बीच पलटे वाहन पर चढ़कर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

रेड्डी को बुलाने के लिए बिहार से माफी मांगे राहुल-प्रियंका

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा से कहा कि वे अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आमंत्रित करने के लिए बिहार की जनता से माफी मांगें। भाजपा नेता ने यह टिप्पणी पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में की।

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान रेड्डी को सुपौल जिले में प्रियंका व राहुल के साथ देखा गया। प्रधान ने कहा कि राहुल और प्रियंका गांधी को बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। रेड्डी ने कहा था कि बिहार का डीएनए घटिया है। यात्रा में उनके साथ मौजूद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को भी माफी मांगनी चाहिए। प्रधान ने विपक्षी गठबंधन पर वोट चोरी की अफवाहें फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमारा देश रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों के लिए धर्मशाला नहीं है। वे गूगल, ग्रोक और चैटजीपीटी पर बिहार में वोट चोरी के बारे में पता करें। नतीजों में राजद और कांग्रेस के सत्ता में आम बात थी। वहीं, ज्ञान भवन के बाहर भाजयुमो कार्यकर्ताओं की कांग्रेस की छात्र शाखा और एनएसयूआई के उन कार्यकर्ताओं से मारपीट हुई, जो काले झंडे लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

- विपक्षी गठबंधन की यात्रा पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साधा निशाना

आरएसएस प्रार्थना विवाद पर शिवकुमार बोले- माफी मांगता हूं

बेंगलुरु, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का प्रार्थना गीत गाने पर पार्टी के भीतर आलोचनाओं का सामना कर रहे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा में संगठन का गीत गाने से अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह माफी मांगते हैं और वह एक कांग्रेसी हैं और मरते दम तक कांग्रेसी ही रहेंगे। शिवकुमार कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष भी हैं।

उन्होंने हाल में सदन के अंदर आरएसएस का प्रार्थना गीत गाकर सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने कहा, पार्टी आलाकमान से किसी ने भी मुझसे इस बारे में सवाल नहीं किया है। उन्होंने विधानसभा में किसी संदर्भ में इसका उल्लेख किया था। उन्होंने

- कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कहा-वह एक कांग्रेसी हैं और मरते दम तक कांग्रेसी रहेंगे

कहा, मैं किसी से बड़ा नहीं हूं। मैं हर किसी की मुश्किल में उनके साथ खड़ा रहा हूं, आज भी उनके साथ हूं... एक वफादार कांग्रेसी होने के नाते मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता... अगर आप माफी चाहते हैं, तो हां, मैं इसके लिए तैयार हूं। सभी कांग्रेसियों और विपक्षी के कई राजनीतिक दलों के मित्रों को संभवतः इससे ठेस पहुंची है।

एक तिहाई स्कूली बच्चे निजी कोचिंग लेते हैं शहरों में यह प्रवृत्ति अधिक : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के एक तिहाई स्कूली छात्र निजी कोचिंग का सहारा लेते हैं और यह प्रवृत्ति शहरों में आम है। केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा पर कराए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएमएस) में यह खुलासा हुआ है। सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्कूल पूरे भारत में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण अहम भूमिका निभाते हैं और अब भी विद्यालयों में नामांकित कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की है।

सर्वेक्षण अनसार, गांवों में यह दर अधिक है, जहां दो-तिहाई (66 %) छात्र सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 30.1% है। निजी गैर-सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों में देशभर में 31.9% छात्र नामांकित हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर का हिस्सा, सीएमएस शिक्षा सर्वेक्षण, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में वर्तमान में नामांकित छात्रों के घरेलू खर्च पर केंद्रित था। सर्वेक्षण के दौरान कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) का उपयोग करके पूरे भारत में 52,085 परिवारों और 57,742 छात्रों से आंकड़े एकत्रित किए गए। करीब एक तिहाई छात्र (27%) चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान निजी कोचिंग ले रहे थे या ले चुके थे। यह प्रवृत्ति गांवों (25.5%) की तुलना में शहरों (30.7 %) में अधिक आम थी।

- शिक्षा पर कराए गए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण में हुआ खुलासा
- स्कूलों में नामांकित छात्रों में 55.9% हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की

शहरों में गांवों की तुलना में कोचिंग खर्च आधे से अधिक

शहरों में प्रति छात्र निजी कोचिंग पर औसत खर्च (3,988 रुपये) है जो गांवों (1,793) की तुलना में अधिक है। यह अंतर उच्च कक्षाओं के साथ बढ़ता जाता है। शहरी क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर निजी कोचिंग पर औसतन 9,950 रुपये खर्च किये जाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4,548 रुपये है। राष्ट्रीय स्तर पर कक्षाओं के साथ कोचिंग का खर्च भी बढ़ता है और पूर्व प्राथमिक में जहां औसतन 525 रुपये खर्च होते हैं, वह उच्चतम माध्यमिक कक्षाओं में बढ़कर 6,384 हो जाते हैं। भारत में स्कूली शिक्षा पर खर्च करने वाले छात्रों में से 95 प्रतिशत ने बताया कि उनके वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत परिवार के अन्य सदस्य हैं। यह ग्रामीण (95.3%) और शहरी (94.4:) दोनों क्षेत्रों में समान रूप से देखी गई।

एकता के लिए एकरूपता की जरूरत नहीं : मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में एकजुटता का संदेश देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने एकता के लिए एकरूपता की जरूरत को नकारते हुए मंगलवार को कहा, विविधता में भी एकता है और विविधता एकता का ही परिणाम है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों से उन्होंने हिंदुओं को भूगोल और परंपराओं की व्यापक रूपरेखा में परिभाषित किया और कहा कि कुछ लोग जानते हैं, लेकिन खुद को हिंदू नहीं मानते, जबकि कुछ अन्य इसे नहीं जानते। वह विज्ञान भवन में आयोजित आरएसएस की 100 वर्ष यात्रा: नए क्षितिज विषय पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की विषयवस्तु भौगोलिक नहीं है, बल्कि भारत माता के प्रति समर्पण और पूर्वजों की परंपरा है जो सभी के लिए समान है। हमारा डीएनए भी एक है... सद्भावना से रहना हमारी संस्कृति है। हम एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानते; विविधता में भी एकता है। विविधता, एकता का ही परिणाम है। भागवत ने कहा कि भारत आजादी के 75 वर्षों में वह वांछित दर्जा हासिल नहीं कर सका जो उसे मिलना चाहिए था। आरएसएस का उद्देश्य देश को "विश्वगुरु" बनाना है और दुनिया में भारत के योगदान का समय आ गया है।

शताब्दी समारोह में शामिल हुईं कई हस्तियां हुईं

योग गुरु रामदेव, जद(यू) नेता केसी त्यागी, अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत तथा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं अनुप्रिया पटेल मंगलवार को आरएसएस के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। 100 वर्ष की संघ यात्रा : नए क्षितिज विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के व्याख्यान शृंखला के पहले दिन, भागवत ने भारत के भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण और उसे आकार देने में स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के तीसरे दिन, वह उपस्थित लोगों के प्रश्नों के उत्तर देंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

द्रुज्बा पाइपलाइन पर हमले से हंगरी नाराज

बुडापेस्ट। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने एक बार फिर यूक्रेन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह जबरन वसूली, धमकियों और तटस्थ देशों को समर्थन देने के लिए मजबूर करने हेतु ईंधन एवं ऊर्जा के मार्गों पर बमबारी करके यूरोपीय संघ में प्रवेश नहीं कर सकता। यूक्रेन ने द्रुज्बा तेल पाइपलाइन पर हमला करके उसे नष्ट करने की कोशिश की है। आरटी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ओरबान ने यूक्रेनी सेना पर जानबूझकर पाइपलाइन को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह बुडापेस्ट की ऊर्जा सुरक्षा पर एक लक्षित हमला था। क्योंकि हम उनकी यूरोपीय संघ की सदस्यता का समर्थन नहीं करते हैं। यह बमबारी यूक्रेन के 34वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हुई।

इमरान जेल में सुविधाएं न मिलने पर हुए खफा

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पुलिस में एक शिकायत दायर कर पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जेल में उन्हें बुनियादी सुविधाएं देने से इन्कार करने का मामला दर्ज करने की मांग की है। क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन पर कई मुकदमे दर्ज हैं। फ़िलहाल, वह रावलपिंडी की अडियाला जेल में हैं। मरयम और आठ अन्य जेल अधिकारियों के खिलाफ अपनी शिकायत में खान ने रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख को लिखा कि उनके इशारे पर उन्हें जेल में बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया : गोलीबारी में दो अफसरों की मौत

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के एक ग्रामीण इलाके में मंगलवार को एक संपत्ति का निरीक्षण करने गई पुलिस को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर फरार है। गोलीबारी की घटना दोपहर के समय हुई जब पुलिस पोरेपुंका में एक संपत्ति का निरीक्षण करने गई थी। पोरेपुंका, मेलबर्न से 320 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है जिसकी आबादी 1,000 से थोड़ी ही ज्यादा है।

दक्षिण अफ्रीका में सिख समुदाय की शांति पहल

जोहानिसबर्ग। सिख समुदाय द्वारा अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में शांति स्थापना के लिए आयोजित कार्यक्रम में 300 से अधिक धार्मिक नेता एकत्र हुए। रविवार शाम सैंडटन में हुए इस कार्यक्रम का विषय था 'विश्वासों को जोड़ना : अफ्रीका में अंतरधार्मिक सद्भाव के माध्यम से शांति को बढ़ावा देना'। आयोजकों ने कहा कि अपनी तरह का यह पहला आयोजन पूरे महाद्वीप में शांति और सहयोगात्मक आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने में आधारशिला बनेगा।

नेपाल : हिंदू महिलाओं ने उपवास रखकर मनाई हरितालिका तीज

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल की हिंदू महिलाओं ने मंगलवार को उपवास, प्रार्थना और भगवान शिव की पूजा कर हरितालिका तीज का त्योहार मनाया और अपने परिवार के कल्याण, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की।

विवाहित महिलाएं इस अवसर पर लाल साड़ी, कांच के मोतियों की हार (पोटे), सोने के आभूषण (तिलहरी) और सौभाग्य के प्रतीक सिंदूर लगाकर पति की लंबी उम्र के लिए उपवास किया। कई अविवाहित लड़कियों ने भी योग्य वर की कामना करते हुए व्रत रखा। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और तीज को 'भक्ति, संयम और आत्म-अनुशासन' का त्योहार बताया।

तीज के अवसर पर काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर सहित प्रमुख शिव मंदिरों में महिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई।

हिंदू माह भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला तीन दिवसीय त्योहार तीज की पूर्व संध्या पर डार (चावल की खीर, फल, मिठाई, दही और अन्य व्यंजनों का भोज) के साथ शुरू हुआ। महिलाएं तृतीया को उपवास रखती हैं, सुबह स्नान और भगवान शिव को समर्पित संध्याकालीन पूजा करती हैं।

हर सप्ताह करीब 150 महिलाएं गंवाती हैं जान

दहेज का राक्षस

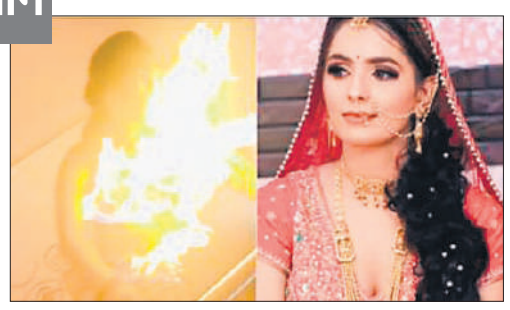

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में निक्की नाम की युवती को जिंदा जलाकर मार देने की घटना ने एक बार फिर देश में दहेज के लिए बेटियों पर अत्याचार के सवाल को सुर्खियों में ला दिया है। कई दशकों से भारत में दहेज उत्पीड़न एक गहरी सामाजिक समस्या है जो सांस्कृतिक परंपराओं और आर्थिक असमानता के साथ जुड़ी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक देश में हर साल दहेज उत्पीड़न के औसतन 90 हजार मामले दर्ज किए जाते हैं। हर साल साढ़े छह हजार से ज्यादा मौतें होती हैं, जिनमें करीब 50 प्रतिशत हत्याएं और इतनी ही आत्महत्याएं होती हैं जो साफ इशारा करती हैं कि भारत में दहेज उत्पीड़न अभी भी गंभीर समस्या है। सख्त कानून होने के बावजूद सामाजिक मानसिकता के कारण यह प्रथा पूरी तरह खत्म नहीं हो पाई है। दहेज उत्पीड़न की तमाम घटनाएं सामाजिक दबाव और लोकलाज की वजह से छिपी भी रह जाती हैं।

देश में दहेज की विभीषिका

- एनसीआरबी के मुताबिक देश में दहेज उत्पीड़न से संबंधित साढ़े छह हजार मामले रोज दर्ज होते हैं।
- हर दिन करीब 20 महिलाओं की हत्या होती है यानी हर सप्ताह करीब 150 महिलाएं जान गंवाती हैं।
- पारिवारिक न्यायालयों के आंकड़ों के मुताबिक 15 से 20 प्रतिशत शादियां दहेज के कारण टूट जाती हैं।
- वर्ष 2012 में पूरे देश में दहेज हत्या के 8,233 मामले दर्ज किए गए थे, अब तक ये आंकड़ा सर्वाधिक है।

फर्जी केस भी

- दहेज उत्पीड़न रोकने के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट कई बार टिप्पणी कर चुका है।
- एनसीआरबी के अनुसार दर्ज होने वाले मामलों में से करीब 15-20% मामले कोर्ट में झूठे साबित होते हैं।
- वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी किए थे कि ऐसे मामलों में गिरफ्तारी से पहले जांच की जाए।

सुर्खियों में रहीं ये घटनाएं

- वर्ष 1998 में दिल्ली में निर्मला देवी को ससुराल वालों ने जिंदा जला दिया था। इसके बाद दहेज प्रतिषेध अधिनियम को और कड़ा बनाया गया था।
- दिल्ली में ही वर्ष 2014 में आनंदिता दास की भी दहेज के लिए हत्या की गई जो काफी सुर्खियों में रही थी। आनंदिता एमबीए की छात्रा भी थी।
- केरल में 2020 में 24 वर्षीय डॉक्टर अखिला को पति और ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया।

क्या कहता है कानून

- दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 के मुताबिक दहेज लेना, देना और मांगना संगीन अपराध है।
- पति या किसी रिश्तेदार की ओर से दहेज के लिए मानसिक शारीरिक उत्पीड़न पर सजा का प्रावधान।
- दहेज संबंधी मौतों के लिए 7 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की हो सकती है सजा।
- मदद के लिए महिला हेल्पलाइन 181, महिला आयोग और महिला पुलिस स्टेशन जैसी संस्थाएं।

दहेज उत्पीड़न पर दहेज, वाटर, पार्च्ड आदि कई फिल्में बनी हैं। उपन्यास सम्राट प्रेमचंद ने गोदान और निर्मला जैसे उपन्यासों में भी इस कुरीति को प्रमुखता से चित्रित किया है।

दूसरे देशों में भी ऐसी कुरीतियां

- पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल समेत कई पड़ोसी देशों में भी भारत जैसी दहेज संस्कृति है, वहां भी दहेज उत्पीड़न और हत्याओं की घटनाएं होती हैं।
- युगांडा, नाइजीरिया जैसे अफ्रीकन देशों में ब्राइड प्राइस के तहत लड़की के परिवार को धन व पशु दिए जाते हैं ये परंपरा कई बार हिंसा की वजह बनती है।
- मध्य एशिया के देश किर्गिस्तान और कजाकिस्तान में वर्षों पुरानी कुछ ऐसी प्रथाएं हैं जिनमें शादी के लिए जबरन लड़कियों का अपहरण किया जाता है।

एससीओ घोषणापत्र में आतंकवाद की निंदा की कोशिशों में जुटा भारत

बैठक में भाग लेने चीन जा रहे मोदी कई देशों के साथ करेंगे द्विपक्षीय बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

मोदी की जापान और चीन यात्रा के बारे में जानकारी देते विदेश सचिव विक्रम मिसरी।

भारत सरकार ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) अगले हफ्ते चीन के तियानजिन शहर में होने वाले अपने वार्षिक शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा करेगा। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा से पहले आई है।

मोदी 29 अगस्त से एक सितंबर तक जापान और चीन की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। अपनी यात्रा के पहले चरण में वह प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोक्यो जाएंगे। दोनों प्रधानमंत्री तोक्यो के बाहर भी मिलेंगे। जापान यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी 31 अगस्त और एक सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तियानजिन जाएंगे।

एक संयुक्त प्रेसवार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि नई दिल्ली, शिखर सम्मेलन की घोषणा में आतंकवाद की कड़ी निंदा सुनिश्चित करने के लिए अन्य एससीओ सदस्य देशों और भागीदारों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो आज भी एक चुनौती बनी हुई है।

लाल ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा एससीओ सदस्यों के लिए प्राथमिकता बनी हुई है और उन्होंने कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद का मुकाबला करने पर एक संयुक्त वक्तव्य का स्मरण किया जिसे 2023 में समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान अपनाया गया था। उन्होंने कहा, अतीत में जिन वक्तव्यों को अंतिम रूप दिया गया है, उनमें सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई है, जिसमें वह संयुक्त वक्तव्य भी शामिल है जिसका मैंने उल्लेख किया है, जिसे शिखर सम्मेलन की हमारी अध्यक्षता के दौरान अंतिम रूप दिया गया था।

उन्होंने कहा, अभी इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हम अन्य सदस्यों और साझेदारों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य आतंकवाद की फिर से कड़ी निंदा की जाए। लेकिन पाठ को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। लाल की यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में आई कि एससीओ आतंकवाद के खतरे से कैसे निपटेगा।

शिखर सम्मेलन से अलग चिनफिंग से मिलेंगे मोदी

एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करने की उम्मीद है। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रधानमंत्री रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, मिसरी ने कहा कि मोदी की बैठकों को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 और 30 अगस्त को मोदी की जापान यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि इससे सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र तथा उसके बाहर शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि होगी। यह लगभग सात वर्षों में मोदी की पहली जापान यात्रा होगी। विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि मोदी की जापान यात्रा पूरी तरह से द्विपक्षीय एजेंडे के प्रति समर्पित होगी।

भरोसा है युद्ध समाप्त कराने में योगदान देगा भारत : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश के स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को आभार व्यक्त किया और कहा कि कीव को रूस के साथ युद्ध समाप्त कराने संबंधी भारत के योगदान पर भरोसा है। जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूक्रेन शांति के प्रति भारत के समर्पण की सराहना करता है। अब जब पूरी दुनिया इस भयानक युद्ध को गरिमामय तरीके और स्थाई शांति के साथ समाप्त कराने का प्रयास कर रही है, हमें भारत के योगदान पर भरोसा है। उन्होंने कहा, कूटनीति को मजबूत करने वाला प्रत्येक निर्णय न केवल यूरोप बल्कि हिंद-प्रशांत और उससे परे भी बेहतर सुरक्षा की ओर ले जाता है।

चीन ने जापान के बयान पर जताई नाराजगी

बीजिंग। चीन के 80वें विजय दिवस में अन्य देशों से शामिल न होने के जापान के आह्वान को चीन ने गंभीरता से लेते हुए गहरी नाराजगी जताई है। जापान ने दूतावासों के माध्यम से देशों से आहवान किया है कि चीन के विजय दिवस समारोह में न जाएं, क्योंकि यह जापान पर विजय के उपलक्ष्य में आयोजित होता है और जापान के विरुद्ध है। जापान ने इन देशों से यह भी कहा है कि इस समारोह में भाग लेने से पहले वे इस विषय में एक बार सोचें।

सुंदरता का मुकाबला

मिस टीन इंटरनेशनल 2025 की प्रतिभागियों ने मंगलवार को आगरा में ताजमहल के भ्रमण के दौरान तस्वीर खिंचवाई।

खराब मौसम: स्पेसएक्स ने रद्द किया स्टारशिप का प्रक्षेपण

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने प्रतिकूल मौसम के कारण सोमवार को अपने शक्तिशाली स्टारशिप रॉकेट का 10वां उड़ान परीक्षण रद्द कर दिया।

शुरुआत में प्रक्षेपण टेक्सास में कंपनी की स्टारबेस सुविधा से रविवार के लिए निर्धारित थी लेकिन इसमें समस्या आने के कारण स्थगित कर दिया गया और सोमवार के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था।

कल प्रक्षेपण की कोशिश को टी-माइनस 40 सेकंड पर रोक दिया गया जिसके बाद स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि प्रतिकूल मौसम के कारण प्रक्षेपण रद्द कर दी गई है। स्पेसएक्स ने कहा कि टीम प्रक्षेपण के लिए अगले सर्वोत्तम उपलब्ध अवसर का पता लगा रही है।

ऑस्ट्रेलिया का ईरान पर यहूदी विरोधी हमले कराने का आरोप राजदूत को किया निष्कासित

मेलबर्न, एजेंसी

- ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को घोषित करेगा आतंकी संगठन

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों में ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया और जवाब में मंगलवार को तेहरान के साथ राजनयिक संबंध खत्म कर लिए। उन्होंने कहा, ये ऑस्ट्रेलिया की धरती पर किसी अन्य राष्ट्र द्वारा रची गई असाधारण और खतरनाक आक्रामकता की घटनाएं थीं।

अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) ने निष्कर्ष निकाला है कि ईरान सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में कोषेर (यहूदी धार्मिक कानूनों के अनुसार तैयार किया गया भोजन) खाद्य कंपनी 'लुईस कॉन्टिनेंटल किचन' और पिछले साल दिसंबर में मेलबर्न में अदस इजराइल आराधनालय पर हमले का निर्देश दिया था। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने किसी राजदूत को निष्कासित किया है। हमास और इजराइल के बीच 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। अल्बनीज ने कहा, ईरान ने अपनी संलिप्तता छिपाने की कोशिश की लेकिन एएसआईओ का आकलन है कि हमलों के पीछे ईरान का ही हाथ था। अब ऑस्ट्रेलिया ईरान के इस्लामिक 'रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए कानून बनाएगा।

फ्रांस: यहूदी विरोधी आरोपों पर अमेरिका का दूत तलब

पेरिस। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने यहूदी विरोधी आरोप लगने के बाद अमेरिकी राजदूत चार्ल्स कुशनर को तलब किया है। अमेरिकी राजदूत ने फ्रांस पर आरोप लगाया था कि उसने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी को फ्रांस के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप माना गया है जो वास्तविकता से कोसों दूर है।

श्रीलंका: पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को भ्रष्टाचार मामले में जमानत

कोलंबो। श्रीलंका की एक अदालत ने सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मंगलवार को जमानत दे दी। वे इस मामले में हिरासत में थे।

कड़ी सुरक्षा और अदालत परिसर के बाहर प्रदर्शनों के बीच विक्रमसिंघे ने कोलंबो के राष्ट्रीय अस्पताल की आईसीयू से डिजिटल माध्यम से सुनवाई में भाग लिया। सुनवाई 'कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट' निलुपुली लंकापुरा की अध्यक्षता में हुई। पूर्व राष्ट्रपति को पिछले सप्ताह शुक्रवार को सीआईडी ने गिरफ्तार किया था। 'कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट' अदालत में 26 अगस्त तक रिमांड की मंजूरी

- गिरफ्तारी के बाद तबीयत बिगड़ने से अस्पताल में भर्ती थे विक्रमसिंघे

पर शुक्रवार आधी रात उन्हें मुख्य 'मैगजीन रिमांड' जेल ले जाया गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें राष्ट्रीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। विक्रमसिंघे पर 2023 में ब्रिटेन की एक निजी यात्रा के लिए 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है।

नागरिक अशांति दबाने के लिए तैयार रहें नेशनल गार्ड: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- एक स्थाई त्वरित प्रतिक्रिया बल का गठन करने का भी निर्देश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि हर अमेरिकी प्रांत में नेशनल गार्ड किसी भी प्रकार की नागरिक अशांति से निपटने के लिए तैयार रहें।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ने रक्षा मंत्री से स्थायी त्वरित प्रतिक्रिया बल के गठन का आग्रह किया है कि जिसे इस तरह की अशांति के बारे में सूचना मिलने पर कहीं भी भेजा जा सके। यह आदेश रक्षा मंत्री को निर्देश देता है कि वे राष्ट्रीय राजधानी में जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष डीसी नेशनल गार्ड इकाई का गठन करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि राज्य के नेशनल गार्ड भी इसी तरह प्रशिक्षित हों और देशभर में नागरिक अशांति को दबाने में सहायता के लिए तैयार रहें। विगत 1 अगस्त को ट्रंप ने आपातकाल के बीच वाशिंगटन डीसी में 800 नेशनल गार्ड की तैनाती का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राजधानी के बाद वह न्यूयॉर्क, शिकागो, बाल्टीमोर, ऑकलैंड और लॉस एंजिल्स जैसे उच्च अपराध दर वाले अन्य शहरों में भी इसकी व्यवस्था बहाल करेंगे।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार देर रात फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त कर दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। ट्रंप ने कहा कि वह कुक को इसलिए बर्खास्त कर रहे हैं क्योंकि उन पर संपत्ति ऋण धोखाधड़ी का आरोप है। कुक पर यह आरोप ऋण क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों 'फैने मेई' और 'फ्रेडी मैक' को नियंत्रित करने वाली एजेंसी में ट्रंप द्वारा नियुक्त बिल पुल्टे ने पिछले हफ्ते लगाए थे। कुक को पद से हटाने का यह कदम तब उठाया गया जब उन्होंने कहा कि ट्रंप के इस्तीफा मांगने के बावजूद वह अपना पद नहीं छोड़ेंगी। ट्रंप के इस कदम के गहरे आर्थिक और राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि उनके पास कुक को हटाने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन ऐसा करने से एक स्वतंत्र इकाई के रूप में फेडरल रिजर्व के नियंत्रण पर सवाल उठेंगे। इसे अमेरिका में शेष बचीं कुछ स्वतंत्र एजेंसियों में एक पर नियंत्रण पाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की अल्पकालिक ब्याज दर में कटौती न करने के लिए बार-बार आलोचना की है और उन्हें बर्खास्त करने की धमकी भी दी है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 15.44 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

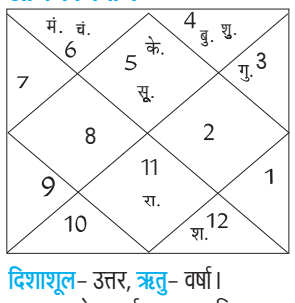

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-हस्त 06.04 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष आज कार्यक्षेत्र में विरोधी परेशान करेंगे। छाती व फेफड़ों में समस्या आ सकती है। दवाइयों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन जबरदस्त है। सहकर्मी आपकी सहायता करेंगे। लेकिन आज आपको अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

वृष आज आपके विनम्र व्यवहार के कारण व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। आज आपको अव्यावहारिक निर्णय लेने से बचना चाहिए। पेट में जलन की शिकायत हो सकती है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी। अध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोग आज किसी साधना को लेकर विचारशील रहेंगे।

मिथुन आज नकारात्मक विचारों के कारण काम में मन नहीं लगेगा। स्वादिष्ट भोजन व विलासी जीवनशैली का आनन्द लेंगे। पुराने लोन के कारण थोड़े चिन्तित होने की संभावना बन रही है। शाम को किसी कारण घर में झगड़ा हो सकता है।

कर्क आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की संभावना बन रही है। व्यवसाय में सहयोगियों के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहेगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

सिंह आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। शरीर मे थकावट व ऊर्जा में कमी महसूस करेंगे। कुण्ठित यौन आकर्षण आपके काम में बाधा बन सकते हैं। योग व प्राणायाम से मन को संतुलित करें। काम का दबाव बढ़ने से आप थोड़े नाखुश हो सकते हैं।

कन्या आज नई जॉब ढूंढ रहे लोगों को सफलता मिल सकती है। अनुभवी लोगों की राय से लाभ होगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे। व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा।

तुला आज अपनी क्षमता से अधिक खर्च का बजट न बनायें। धन को लेकर परिवार में झगड़ा हो सकता है। आवश्यक न हो तो आज लम्बी यात्रा न ही करें। सामाजिक कार्यों में न चाहते हुए भी सम्मिलित होना पड़ सकता है।

वृश्चिक आज आप अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। वैवाहिक जीवन बेहद रोमान्टिक रहेगा। घर में प्रसंनता का वातावरण रहने वाला है। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। युवा साथी अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान व आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त होगा।

धनु आज व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। पुराने संपर्क से लाभ होगा। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें। जीवनशैली में कुछ परिवर्तन आ सकते हैं। जिसे अपनाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। अधिकारी गण आपकी राय व विचारों के आधार पर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है। व्यापार को लेकर नये अनुबंध हो सकते हैं।

कुंभ आज नया काम शुरु न करें। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व कम होगा। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। पुरूष जातकों की महिला सहकर्मियों से अनबन हो सकती है। दांपत्य संबंधों में अविश्वास की स्थिति उत्पन्न न होने दें।

मीन आज कारोबार में नए प्रयोग करना लाभकारी हो सकता है। पहले की गई मेहनत का सुखद परिणाम प्राप्त होगा। प्रेम विवाह को परिवार की सहमति मिल सकती है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं समय पर पूर्ण होंगी।

सुडोकू-81

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			8			4		5
		8		7			6	
	1		2			3		
3	9		1			6		
		1						8
		6			5		2	
	8				4		5	
	5			6		7		
7		9			3			

सुडोकू - 80 का हल

6	8	1	4	9	2	5	7	3
9	4	5	7	3	6	8	1	2
7	3	2	5	1	8	9	6	4
5	7	9	2	4	3	1	8	6
8	2	6	9	5	1	4	3	7
3	1	4	8	6	7	2	5	9
1	5	3	6	2	9	7	4	8
4	9	7	3	8	5	6	2	1
2	6	8	1	7	4	3	9	5

> मुझे लगता है कि टी20 प्रारूप में, यह एशिया कप हमारे 2026 के टी20 विश्व कप के लिए एक बेहतरीन तैयारी का काम कर सकता है। यह देखने का मौका है कि किन नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाना चाहिए और किसे टीम में शामिल किया जा सकता है। –वीरेंद्र सहवाग

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, बुधवार, 27 अगस्त 2025

चोट के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार सूर्यकुमार

बोले- अच्छा महसूस कर रहा हूं, रिहैबिलिटेशन के अनुभव को किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी हाल की चोट के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि यह ब्रेक अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर लौटने का एक मौका था। उन्हें चोट के कारण सर्जरी करानी पड़ी और छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा। चौंतीस साल के सूर्यकुमार ने जून में आईपीएल के अंत में पेट के दाहिने निचले हिस्से में समस्या का पता चलने के बाद म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

सूर्यकुमार अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं और नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई द्वारा मंगलवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में सूर्यकुमार ने कहा मैं अभी अच्छा महसूस कर रहा हूं। पांच-छह हफ्ते हो गए हैं। यह एक अच्छी प्रक्रिया है। पिछले छह हफ्तों से अच्छी दिनचर्या है और उम्मीद है कि मैं बहुत अच्छा महसूस करूंगा। उन्होंने कहा रिहैब के दौरान सबसे जरूरी बात यह है कि आपके आस-पास अच्छे लोग हों जो आपका अच्छी तरह से मार्गदर्शन करें और पिछले दो-तीन वर्षों में मैं जब भी मैं रिहैब में था तो मैंने यही किया। मैंने इसे अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर में वापसी करने के अवसर के रूप में देखा। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा अगर मैं यहां छह हफ्ते, आठ हफ्ते या 12 हफ्ते के लिए होता तो मैं एक-एक हफ्ते को ध्यान में रखकर योजना बना सकता था। खुद को मानसिक रूप से उस तरह तैयार कर सकता था और बस सुविधाओं का उपयोग करता और सही दिशा में आगे बढ़ सकता था। पहली बार अपनी चोट की गंभीरता का एहसास होने को याद करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि यह समस्या काफी हद तक वैसी ही थी जैसी उन्होंने पहले अनुभव की थी। सूर्यकुमार ने कहा आईपीएल के अंत के करीब इसका पता चला। मुझे यह महसूस हुआ क्योंकि पिछले साल भी मुझे इसी तरह की चोट लगी थी और इसी से मुझे पता चला। सूर्यकुमार की 2023 में टखने की और 2024 की शुरुआत में स्पोर्ट्स हर्निया की एक और सर्जरी हुई थी।

भारत एशिया कप जीतेगा : सहवाग

■ **नई दिल्ली :** बहुप्रतीक्षित एशिया कप 2025 से पहले, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत में वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि भारत एशिया कप जीतेगा। एशिया कप 2025 के आधिकारिक प्रसारक, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ एक विशेष बातचीत में, वीरेंद्र सहवाग ने भारत की संभावनाओं पर कहा हम विश्व चैंपियन हैं। हमने अभी-अभी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जीता है और मुझे यकीन है कि हम एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ टीम हैं और उम्मीद है कि हम एशिया कप जीतेंगे। भारत के अभियान के लिए युवाओं की तुलना में उनका अनुभव कितना महत्वपूर्ण है? उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमारी टीम बहुत अच्छी है और स्काई (सूर्यकुमार यादव) आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और वह टी20 प्रारूप में एक शीर्ष खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन है कि उनकी कप्तानी में हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि हमने पहले भी देखा है कि जब स्काई ने कमान संभाली थी, हमने कई टी20 मैच जीते थे और मुझे यकीन है कि हम एशिया कप भी जीतेंगे।

हाईलाइट

कोहली ने पुजारा को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली : स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भारतीय टीम के अपने पुराने साथी चेतेश्वर पुजारा को मंगलवार को टेस्ट बल्लेबाजी क्रम में उनका काम आसान बनाने के लिए धन्यवाद दिया। दोनों लगभग एक दशक तक मध्यक्रम में मजबूत जोड़ी रहे। सैंतीस वर्षीय पुजारा ने रविवार को अपने शानदार करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में अपने करियर की शुरुआत की थी। इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा (नंबर) चार पर मेरा काम आसान करने के लिए शुक्रिया पुजारा। आपका करियर शानदार रहा है। बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं।

कोयल बार ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाए

अहमदाबाद : भारतीय भारोत्तोलक कोयल बार ने मंगलवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में महिलाओं की 53 किग्रा स्पर्धा में दो नए युवा विश्व रिकॉर्ड स्थापित करके युवा और जूनियर दोनों खिताब जीते। जूनियर और युवा दोनों वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए इस किशोरी ने कुल 192 किग्रा (85 किग्रा + 107 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने पहले 85 किग्रा भार उठाकर युवा स्नैच विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर क्लीन एंड जर्क में अपने दूसरे प्रयास में 107 किग्रा भार उठाकर 105 किग्रा के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। इसके साथ ही, उन्होंने 188 किग्रा के मौजूदा युवा विश्व कुल रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

हॉकी एशिया कप में निशुल्क प्रवेश

पटना : हॉकी इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि 29 अगस्त से बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में शुरू हो रहे एशिया कप में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश मिलेगा। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा प्रशंसक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू टिकट जिनी डॉट इन या हॉकी इंडिया ऐप के जरिए मुफ्त टिकट पा सकते हैं। उन्हें प्रक्रिया पूरी करने पर वर्चुअल टिकट मिलेगा। हीरो पुरुष एशिया कप में आठ टीमें भारत, जापान, चीन, कजाखस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै भाग लेंगे। भारत को पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। भारत को 29 अगस्त को चीन से, 31 को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है।

फिडे विश्व कप गोवा में 30 अक्टूबर से

मुंबई : फिडे शतरंज विश्व कप का आयोजन गोवा में 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में अगले साल के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन स्थान और 20 लाख डॉलर की इनामी राशि दांव पर लगी होगी। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डी गुकेश, मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करुआना और आर प्रज्ञानानंदा सहित 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

यूएस ओपन के पहले दौर में अमेरिका की एलिसिया पार्क्स के खिलाफ एक अंक जीतने के बाद खुशी जतातीं रूस की मीरा एंड्रीवा।

अल्काराज ने दूसरे राउंड में प्रवेश किया

● यूएस ओपन में रीली ओपेल्का को सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्लोस अल्काराज ने दूसरे यूएस ओपन खिताब की अपनी तलाश की शुरुआत आत्मविश्वास से की और आज आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिकी खिलाड़ी रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हरा दिया।

नए हेयर स्टाइल के साथ न्यूयॉर्क पहुंचे स्पेनिश स्टार ने एटीपी टूर के सबसे मजबूत सर्विस करने वाले खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए अपनी एकाग्रता और सटीकता का परिचय दिया। शुरुआती सेट में, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया, अपने सभी 20 सर्विस पॉइंट जीते और केवल तीन बार पहली सर्विस मिस की। अपनी तेज सर्विस के बावजूद, ओपेल्का को उस दौर में दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को परेशान करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। अमेरिकी खिलाड़ी ने अगले दो सेटों में अपना स्तर बढ़ाया और तीन ब्रेक-पॉइंट के मौके बनाए, लेकिन अल्काराज के लचीलेपन और समय पर शॉट लगाने से यह सुनिश्चित हुआ कि कोई भी चूक न हो। तीसरे सेट में 4-4 के स्कोर पर एक महत्वपूर्ण पासिंग शॉट ने निर्णायक ब्रेक का रास्ता तैयार कर दिया, जिसने ओपेल्का की किस्मत को पूरी तरह से तय कर दिया।

कार्लोस अल्काराज। एजेंसी

सीधे सेटों में मिली जीत का मतलब था कि अल्काराज ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में अपना बेदाग रिकॉर्ड 19-0 तक पहुंचा दिया। पिछले साल के यूएस ओपन में डचमैन बोटिक वैन डे ज़ैंडशुल्प से दूसरे दौर में मिली चौंकाने वाली हार को छोड़कर, अल्काराज 2022 में न्यूयॉर्क में ट्रॉफी जीतने के बाद से लगातार हर बड़े टूर्नामेंट के कम से कम क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। 22 वर्षीय इस खिलाड़ी ने इस सीजन में टूर पर सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। अब उनके नाम टूर में सबसे ज्यादा 55 जीत और 2025 में छह खिताब हैं।

सिंधु और प्रणय की जीत से शुरुआत

विश्व चैंपियनशिप

पेरिस, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु और एचएस प्रणय मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सीधे गेम में जीत के साथ क्रमशः महिला और पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए।

विश्व की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आई, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और अपने आक्रामक खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए महिला एकल के अपने पहले दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग की बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को 23-21, 21-6 से हराया। विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में फिनलैंड के विश्व में 47वें नंबर के खिलाड़ी जोकिम ओल्डॉर्फ को 21-18, 21-15 से हराया। रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी मकाऊ के लियोंग इओक चोंग और एनजी वेंग ची को 47 मिनट में 18-21, 21-16, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधु का अगला मुकाबला थाईलैंड की करुपाथेवन लेटशाना से होगा, जबकि प्रणय का सामना दूसरे वरीय एंडर्स एंटोनसेन से हो सकता है।

भारत की 30 वर्षीय खिलाड़ी सिंधु को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने कुछ गलतियां की जिसके कारण एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी। नलबांटोवा ने दबाव बनाए रखते हुए 9-5 की बढ़त बना ली थी और इंटरवल तक वह 11-7 से आगे थी। ब्रेक के बाद सिंधु ने अपनी लय पकड़ी और अपने पसंदीदा क्रॉस-कोर्ट विनर सहित कई स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। बुल्गारियाई खिलाड़ी की दो गलतियों ने सिंधु को 14-12 की बढ़त दिला दी। नलबांटोवा के पास 19-20 के स्कोर पर एक गेम प्वाइंट था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाईं। बुल्गारिया की खिलाड़ी को एक और गेम प्वाइंट मिला लेकिन वह इसे भुनाने में भी नाकाम रही।

प्रणय ने पिछड़ने के बाद हासिल की लय

■ प्रणय शुरुआत में थोड़ा पीछे हो गए, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और क्रॉस कोर्ट स्मैश से स्कोर 8-7 कर दिया। उन्होंने फोरहैंड क्रॉस से स्कोर 10-8 किया और फिर सीधे स्मैश से दो अंकों की बढ़त बना ली। ओल्डॉर्फ ने हालांकि अच्छी वापसी करके स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। फिनलैंड के खिलाड़ी की लगातार गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को तीन गेम प्वाइंट दिला दिए। प्रणय ने दूसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में शुरू में भारतीय खिलाड़ी 7-4 से आगे था और इंटरवल तक उन्होंने तीन अंक की बढ़त बना रखी थी। प्रणय ने रैलियों में अपना दबदबा बनाए रखा और जल्द ही उन्होंने 17-11 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं की।

पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु शॉट लगाती हुईं। एजेंसी

नेमार विश्व कप क्वालीफायर हुए से बाहर

रियो डी जेनेरियो : नेमार को चिली और बोलीविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम से बाहर कर दिया गया है। वह लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। 33 वर्षीय सैंटोस फॉरवर्ड ने अक्टूबर 2023 के बाद से ब्राजील के लिए कोई मैच नहीं खेला है, जब उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था।

मांसपेशियों की बार-बार की समस्याओं के कारण उनकी रिकवरी में बाधा आ रही है और पिछले गुरुवार को प्रशिक्षण के दौरान उनकी जांघ में फिर से खिंचाव आ गया। ब्राज़ील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "नेमार (टीम में) नहीं हैं क्योंकि पिछले हफ्ते उन्हें कोई समस्या हुई थी। लेकिन हमें नेमार को परखने की ज़रूरत नहीं है। तकनीकी समिति से लेकर प्रशंसकों तक, हर कोई उन्हें जानता है। नेमार को भी राष्ट्रीय टीम की मदद करने और विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में रहना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसन पहले दौर में हारीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसन कीस को अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मैक्सिको की 82वीं रैंकिंग वाली रेनेटा जाराजुआ ने हराकर उलटफेर कर दिया। जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज दूसरे दौर में पहुंच गए। छठी वरीयता प्राप्त कीस ने 89 सहज गलतियां और 14 डबल फाल्ट किए, जिसकी वजह से उन्हें 7-6, 6-7, 5-6 से पराजय का सामना करना पड़ा। हार के बाद उन्होंने कहा पहली बार मैं काफी नर्वस महसूस कर रही थी। आज मैंने कई गलतियां की, खराब फैसले लिए और फुटवर्क भी अच्छा नहीं था। स्पेन के अल्काराज ने रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराया। अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स दो साल में पहला ग्रैंडस्लैम मैच हार गई जिन्हें 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन मुचोवा ने 6-3, 2-6, 6-1 से मात दी। 45 वर्ष की वीनस 1981 के बाद फ्लशिंग मीडोज पर खेलने वाली सबसे उम्रदराज एकल खिलाड़ी हैं। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के 19 वर्ष के जोओ फोंसेका ने अमेरिकी ओपन में पदार्पण के साथ जीत दर्ज करते हुए मियोमीर केसमानोविच को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया। वहीं कनाडा की 18 वर्ष की विकी एमबोको ने दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से मात दी। दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा को डायने पैरी ने 6-1, 6-0 से हराया।

हांगकांग के वोंग ने देश का नाम रोशन किया

■ **न्यूयॉर्क :** इक्कीस वर्ष के कोलमैन वोंग 1968 के बाद से ओपन युग में किसी ग्रैंडस्लैम में एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। वोंग ने अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मेरे लिए यह बड़ा पल है। मेरे परिवार और हांगकांग के लोगों के लिए भी। वोंग के आदर्श रफेल नडाल हैं और उनका परिवार स्पेन जा बसा था ताकि वह राफा नडाल अकादमी में प्रशिक्षण ले सकें। वोंग ने कहा यह टूर्नामेंट हर टेनिस खिलाड़ी का सपना है। हर खिलाड़ी यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। मैं इस लय को कायम रखना चाहता हूं।

हार के बाद पेत्रा क्वितोवा ने संन्यास लिया

न्यूयॉर्क : दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में डायने पैरी से मिली हार के बाद टेनिस को अलविदा कह दिया। मुकाबला खत्म होने के बाद क्वितोवा की आंखें भर आई। दर्शक दीर्घा में मौजूद उनके पति और कोच जिरि वानेक ने उन्हें गले लगाया।

पिछले साल जुलाई में बेटे को जन्म देने वाली क्वितोवा 17 महीने बाद कोर्ट पर लौटी थी। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ही कह दिया था कि अमेरिकी ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बताया कि कुछ सप्ताह पहले वह कोविड 19 संक्रमण का शिकार होने के कारण अमेरिकी ओपन से नाम वापिस लेने की सोच रही थी।

उन्होंने कहा सुबह उठने के बाद से मुझे लग रहा था कि कुछ अच्छा नहीं होगा। मैं खा नहीं सकी। मैं काफी नर्वस थी और कुछ कर नहीं पा रही थी। यह काफी कठिन था। मैने कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। क्वितोवा ने 2011 में मारिया शारापोवा को हराकर विंबलडन खिताब जीता था। दिसंबर 2016 में उनके घर पर एक घुसपैठिये ने चाकू से हमला किया जिससे उबरने के लिये उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

सिफ्ट कौर ने दिलाया छठा सीनियर स्वर्ण पदक

एशियाई निशानेबाजी

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी

ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा ने कजाखस्तान के शिमकेंट में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन्स (3पी) स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अपना पहला एशियाई खिताब हासिल किया।

महिलाओं की 3पी फाइनल में सिफ्ट ने अपने अनुभव और खासकर स्टैंडिंग पोज़िशन में अपनी महारत दिखाई। उन्होंने 459.2 का स्कोर किया, जिससे चीन की उभरती निशानेबाज यांग युजीए से 0.4 अंकों से पीछे रह गईं। शुरुआत में नीलिंग पोज़िशन के बाद सिफ्ट सातवें स्थान पर थीं। भारत के जूनियर निशानेबाज़ों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीते, जिसमें चार टीम गोल्ड शामिल थे। महिलाओं की 50 मीटर 3पी में अनुष्का ठोकुर और ट्रैप महिलाओं की स्पर्धा में सबीरा हारिस ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। आर्यवंश त्यागी ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत और समीर गुलिया ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। अब प्रतियोगिता में दो और ओलंपिक इवेंट फाइनल शेष हैं - पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल और ट्रैप मिक्स्ड टीम - जो अगले दो दिनों में खेले जाएंगे।

भारत और चीन अब बराबरी पर हैं, दोनों ने छह-छह स्वर्ण पदक जीते हैं। इससे पहले सिफ्ट ने आशी चौकसे (586) और अंजुम मुदगिल (578) के साथ मिलकर महिलाओं की 3पी टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय निशानेबाज सिफ्ट कौर समरा। एजेंसी

भारतीय टीम का कुल स्कोर 1753 रहा

■ भारतीय टीम का कुल स्कोर 1753 रहा, जो चीनी टीम से तीन अंक ज्यादा था। सिफ्ट ने 589 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचीं। फाइनल में सिफ्ट और आशी के अलावा मंगोलिया की यसुगेन ओयुनबाट, चीन की झांग लियुआन, कोरिया की दिग्गज ली यूसीओ, जापान की मिसाकी नोबाटा और मेजबान कजाखस्तान की येलिजावेटा बेजरुकोवा शामिल थीं। सिफ्ट ने प्रोन पोज़िशन के अंत तक अपनी लय पाई और चौथे स्थान तक पहुंचीं। सिफ्ट ने फाइनल के अंतिम स्टैंडिंग पोजिशन में चौथे शॉट (10.7) पर बढ़त हासिल की और दबदबा कायम किया।

तैयारी

अभी वह आसानी से हासिल किए जा सकने वाले लक्ष्यों पर कर रही हैं ध्यान केंद्रित

एशियाई खेलों पर टिकी चिनप्पा की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा 38 की उम्र पार करने के बावजूद खेल में बने रहना चाहती हैं। उनका तात्कालिक लक्ष्य अगले साल होने वाले एशियाई खेल हैं। विश्व की पूर्व नंबर 10 खिलाड़ी जोशना अगले महीने 39 साल की हो जाएंगी।

वह दीपिका पल्लीकल और सौरव घोषाल के संन्यास लेने के बाद भारतीय स्क्वाश की स्वर्णिम पीढ़ी की अंतिम सक्रिय सदस्य हैं। जोशना ने एचसीएल और भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के मौके पर पीटीआई से कहा मैं अभी एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान दे रही हूं और इस साल के अंत में कुछ और पीएसए प्रतियोगिताओं में खेलने जा रही हूं। उन्होंने कहा मैं अभी जिंदगी के उस पड़ाव पर हूं जहां मुझे यह देखना पड़ता है कि मेरा शरीर टूर्नामेंट में खेलने के लिए पूरी तरह से फिट है या नहीं। इसलिए मैं चुनिंदा टूर्नामेंट में ही भाग ले रही हूं। खेल से शरीर पर पड़ने वाले असर को देखते हुए जोशना तत्काल और आसानी से हासिल किए जा सकने वाले लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उनमें से एक अगले साल जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं।

ट्रायल्स से गुजरना पड़ सकता है

■ जोशना ने कहा एशियाई खेल निश्चित रूप से मेरे दिमाग में हैं। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि मैं अन्य टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करती हूं क्योंकि मुझे ट्रायल्स से भी गुजरना पड़ सकता है। लेकिन निश्चित तौर पर मैं एशियाई खेलों को ध्यान में रखकर तैयारी कर रही हूं। स्क्वाश का 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में ओलंपिक में पदार्पण होना तय है, लेकिन जोशना इतनी दूर की नहीं सोच रही हैं। उन्होंने कहा मैं अभी ओलंपिक के बारे में नहीं सोच रही हूं। अभी मैं अपने खेल का पूरा आनंद ले रही हूं।